विक्रम संवत 2082 हिन्दू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

चैत्र नवरात्र की मंगलकामनाएं

नई दिल्ली, रविवार 30 मार्च 2025 ■ चैत्र मास शुक्ल पक्ष- 01 ■ वर्ष : 28, अंक : 349 ■ पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 मौसम अधि. 33 न्यून.16 haribhoomi.com

inh 24x7 छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें TATA PLAY चैनल नं. 1155 airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला

दिल्ली - हैदराबाद
दोपहर 3.30 बजे से

राजस्थान - चेन्नई
शाम 7.30 बजे से

प्रथम दिवसः मां शैलपुत्री

वन्दे वांछित लाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम्।
वृषारूढ़ां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्॥

15 टन राहत सामग्री लेकर यांगून पहुंचा वायुसेना का सी-130 जे विमान

म्यांमार की मदद के लिए 'आपरेशन ब्रह्मा' शुरू, पीएम ने की जनरल ह्लाइंग से बातचीत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बीते शुक्रवार को आए 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप से बुरी तरह से प्रभावित म्यांमार की तरफ मदद का हाथ बढ़ाते हुए भारत ने शनिवार तड़के 'आपरेशन ब्रह्मा' की शुरुआत कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार के वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से फोन पर बातचीत कर भारत की तरफ से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

म्यांमार में रह रहे 60 हजार भारतीय नागरिक सुरक्षित, मदद के लिए अलर्ट पर दूतावास

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पोस्ट में बताया कि तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना, नौसेना) के साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें पूरी मुस्तैदी से ब्रह्मा अभियान में जुट गई हैं। वायुसेना के 5 विमान और नौसेना के 4 युद्धपोत अभियान में शामिल हैं। 29 मार्च को तड़के तीन बजे उत्तर प्रदेश के हिंडन एयरबेस से भारतीय वायुसेना का एक विशालकाय परिवहन विमान सी-130जे सुपर हरक्युलिस 15 टन राहत सामग्री (टेंट, कंबल, तारपोलीन, किचन सेट, स्लीपिंग बैंग, खाने के पैकेट, जीवन रक्षक दवाएं, सोलर लैंप, जेनसेट) की पहली खेप के साथ यांगून पहुंच गया है। राहत ▶▶ शेष पेज 5 पर

नौसेना ने भेजी 50 टन राहत सामग्री

नौसेना के कोमोडोर रघु नायर ने कहा, अभियान में नौसेना के 4 युद्धपोत शामिल हैं। अभी विशाखापट्टनम से नौसेना का सतपुड़ा, सावित्री युद्धपोत 50 टन राहत सामग्री लेकर म्यांमार रवाना हो चुके हैं। ये 31 मार्च को वहां पहुंचेंगे। इसके बाद रविवार को अंडमान-निकोबार कमांड के तहत श्रीविजयपुरम में तैयार दो और युद्धपोत म्यांमार जाएंगे। सतपुड़ा, सावित्री से भेजी गई राहत सामग्री में दरी, कंबल, डिस्पोजेबल सामग्री, बच्चों के कपड़े, दवाएं, राशन (बिस्किट, नूडल्स, दूध के पैकेट), नहाने-कपड़े धोने का साबुन भेजा गया है। जरूरत पड़ने पर विशाखापट्टनम से अन्य युद्धपोतों को भी रवाना करेंगे।

भूकंप प्रभावितों को मदद देगा सेना का 60 बेड का मेडिकल केंद्र

भारतीय सेना का 60 बेड का मेडिकल केंद्र म्यांमार में भूकंप प्रभावितों को मदद प्रदान करेगा। इस भयावह प्राकृतिक आपदा की चपेट में आकर जो लोग घायल हुए हैं। उन्हें इसमें तत्काल राहत उपचार दिया जाएगा। ट्रामा से जुड़े मामलों को देखने के साथ ही केंद्र में आपातकालीन सर्जरी भी की जाएंगी। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि सेना जल्द ही म्यांमार में अपना यह मेडिकल केंद्र रूपी अस्थायी अस्पताल स्थापित करेगी। जो वहां स्थानीय स्वास्थ्य तंत्र को भी मेडिकल सहयोग प्रदान करेगा। यह केंद्र सेना की 118 सदस्यीय शत्रुजीत ब्रिगेड मेडिकल रिस्पांडर टीम का हिस्सा है। जिसका नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल जगनीत गिल करेंगे। वायुसेना के विमान से यह टीम म्यांमार पहुंचेगी। जिसे एयरबॉर्न एंजेल्स टास्क फोर्स भी कहा जाता है। आपदा प्रभावित जगहों पर उन्नत मेडिकल और सर्जिकल सुविधाएं प्रदान करने के लिए ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण

मंत्रालय ने कहा कि सेना द्वारा दी जा रही यह मदद भारत की पड़ोस सबसे पहले और वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत के पूर्णतः क्रियान्वयन के आधार पर की जा रही है। जिसमें वह संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में मानता है। भारतीय सेना क्षेत्र में संकट के समय पर भारत के मित्र राष्ट्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले बल के रूप में मजबूती से खड़ी है।

म्यांमार संग एकजुटता से खड़ा भारतः पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने म्यांमार की जुंटा सरकार के प्रमुख वरिष्ठ जनरल मिन आंग ह्लाइंग से फोन पर बातचीत की और भूकंप से हुए जानमाल के भारी नुकसान को लेकर अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं। पीएम ने एक्स पोस्ट से यह जानकारी देते हुए बताया कि जनरल ह्लाइंग से बातचीत में मैंने भारत की तरफ से संवेदनाएं जताई और कहा कि एक करीबी मित्र और पड़ोसी देश के रूप में इस मुश्किल समय में भारत, म्यांमार के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। हमारी तरफ से आपदा राहत सामग्री, मानवीय सहायता, खोज और बचाव दल को ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से भेजा जा रहा है।

ग्राउंड पर मदद देगा फील्ड अस्पताल

विदेश मंत्रालय में हुई मीडिया ब्रीफिंग में मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत के वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांत के तहत ब्रह्मा (सृष्टि के रचयिता) अभियान युद्धस्तर पर जारी है। ब्रीफिंग में एनडीआरएफ के डीआईजी मोहसिन शाहिदी ने कहा, बल की 80 कर्मियों की राहत-बचाव टीम वायुसेना के विमानों की दो उड़ानों से मांडले जा रही है। ये इलाका भूकंप से सर्वाधिक प्रभावित है। एक विमान जा चुका है, जिसमें जरूरी उपकरण (मजबूत कंक्रीट कटर, ड्रिल मशीनें, हथौड़े, प्लाज्मा कटिंग मशीनें), जेनसेट, दवाएं, खाने का सामान और खोजी कुत्ते भेजे गए हैं। बल की रिजर्व टीम कोलकाता में तैनात है। आवश्यकता पड़ने पर इसे भी भेजा जाएगा। सेना के ब्रिगेडियर एच.एस.मावी और टी.शिवा ने कहा, आगरा से 29 मार्च की रात में सेना का फील्ड अस्पताल दो विमानों से म्यांमार रवाना होगा। इसमें 118 चिकित्सा कर्मी जरूरी उपकरणों, जीवन रक्षक दवाओं, एंबुलेंस, अन्य वाहन, एक पूर्ण संचालित ऑपरेशन थिएटर, एक्सरे की सुविधा रहेगी। साथ ही सर्जरी, एनेसथॉलाजिस्ट, डेंटल, मेडिकल और ऑर्थो की 6 मेडिकल अधिकारियों (2 महिलाओं समेत) की टीम भी होगी। यह वही दल है, जिसने तुर्किए में आए भूकंप के दौरान मदद पहुंचाई थी। उन्होंने कहा, लैंडिंग के साथ हमारे लिए 24 से 48 घंटे का समय काफी अहम है। क्योंकि इसी में किसी की जिंदगी बचाने की संभावना अत्यधिक रहती है।

नागपुर दौरे पर डॉ. भागवत से मिलेंगे पीएम मोदी

सुनील अंबेकर बोले देशहित में होगी चर्चा

आज पीएम रहेंगे नागपुर के दौरे पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को नागपुर दौरे पर जाने वाले हैं, जिसको लेकर शहर में तैयारी तेज हो चुकी है। संभावना है कि पीएम मोदी अपने नागपुर दौरे पर आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात करने वाले हैं। इस मुलाकात को लेकर आरएसएस ▶▶ शेष पेज 5 पर

संगठन के संदेश पर दिया जोर

अंबेकर ने कहा कि संगठन का संदेश यह है कि हम खुद को बेहतर बनाते रहें और देश को बेहतर बनाने में अपने प्रयासों को लगाएं। उन्होंने बताया कि दोनों यह बात करते हैं कि संगठन के कार्यों को कैसे आगे बढ़ाया जाए और उसमें सुधार कैसे किया जाए।

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मिले हरियाणा भाजपा प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया

नई दिल्ली में हरियाणा भाजपा से जुड़े संगठनात्मक विषयों पर हुई चर्चा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली प्रवास पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, कुशल संगठनकर्ता व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भाजपा हरियाणा प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने शिष्टाचार मुलाकात कर संगठनात्मक मार्गदर्शन लिया व राजस्थान-हरियाणा के विकास के मुद्दों व संगठन के विषयों पर पर सकारात्मक विस्तृत बातचीत हुई। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता ▶▶ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

सीजेआई की मंजूरी के बिना एफआईआर नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जस्टिस यशवंत वर्मा केस में फायर चीफ ने ऐसा कभी नहीं कहा। उन्होंने जब्ती में शून्य दर्ज किया। चूंकि हम एफआईआर दर्ज नहीं कर सकते, तो जब्ती कैसे हो सकती है? एफआईआर केवल सीजेआई की अनुमति से ही दर्ज की जा सकती है। हमें समिति के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

वायुसेना के इंजीनियर की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज के पूरामुफ्ती थाने की एयरफोर्स कॉलोनी में शनिवार की सुबह वायुसेना के सिविल इंजीनियर एस एन मिश्रा (51) की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गयी जब वह अपने कमरे में सो रहे थे। सूचना पर पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं।

किसानों के खाते में जून में आएगी 20वीं किस्त

नई दिल्ली। भारत सरकार अब तक प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की कुल 19 किस्तों को जारी कर चुकी है। पिछले महीने 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के भागलपुर में आयोजित एक खास कार्यक्रम में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की थी। 20वीं किस्त जून महीने में जारी हो सकती है।

कमांडर जगदीश भी मारा गया

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 18 नक्सली ढेर

एजेंसी ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के केरलापाल इलाके में शनिवार को सुरक्षा बलों ने एक बड़ी मुठभेड़ में 18 नक्सलियों को मार गिराया है। क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया सूचना मिली थी। जिले के केरलापाल थानाक्षेत्र के गोगुंडा की पहाड़ी पर नक्सली कमांडर जगदीश के होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद डीआरजी और सीआरपीएफ के जवान रवाना हुए। इस एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने 18 नक्सलियों को ढेर कर दिया। हालांकि, मुठभेड़ में दो जवानों के घायल होने की खबर सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, गोगुंडा इलाके में कमांडर जगदीश के होने की सूचना पर रात 12 बजे डीआरजी और सीआरपीएफ के जवानों ▶▶ शेष पेज 5 पर

शाह ने कहा- शांति से होगा बदलाव

गृह मंत्री अमित शाह ने सुकमा में हुए मुठभेड़ को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक अभियान में 18 नक्सलियों को ढेर कर दिया है और स्वचालित हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। उन्होंने आगे लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं हथियार रखने वालों से मेरी अपील है कि हथियार और हिंसा से बदलाव नहीं आ सकता, केवल शांति और विकास ही बदलाव ला सकता है।

जस्टिस निर्मल यादव को 17 साल बाद बड़ी राहत

15 लाख रु. की रिश्वत मामले में सीबीआई कोर्ट ने किया 'बरी'

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

चंडीगढ़ की एक स्पेशल सीबीआई कोर्ट ने शनिवार को रिटायर जस्टिस निर्मल यादव को 2008 के एक मामले में बरी कर दिया। इसमें कथित तौर पर उनके लिए 15 लाख रुपए की नकदी से भरा एक पैकेट एक अन्य जस्टिस निर्मलजीत कौर के आवास पर पहुंचाया गया था। जस्टिस यादव उस समय पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट की जज थीं। स्पेशल कोर्ट ऑफ एडिशनल सेशन जज अलका मलिक ने शनिवार को यह फैसला सुनाया। इतना ही नहीं इस मामले में अन्य आरोपियों रविंदर सिंह भसीन, राजीव गुप्ता और निर्मल सिंह को भी बरी कर दिया गया। जस्टिस यादव ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

■ उनके लिए लिफाफा एक अन्य जस्टिस निर्मलजीत कौर के आवास पर पहुंचाया गया था

2011 में जस्टिस निर्मल यादव रिटायर हो गईं

जनवरी 2009 में सीबीआई ने जस्टिस यादव पर केस चलाने की इजाजत मांगी। हाई कोर्ट ने साल 2010 में मंजूरी दे दी। इस दौरान फरवरी 2010 में जस्टिस यादव का ट्रांसफर उत्तराखंड हाईकोर्ट में हो गया और मार्च 2011 में वे रिटायर हो गईं। 2014 में स्पेशल कोर्ट ने पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए। यादव ने अपने खिलाफ कार्यवाही को रद्द करने के लिए पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि, उन्हें यहां पर भी झटका लगा। बाद में उन्होंने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी और सुप्रीम कोर्ट जा ▶▶ शेष पेज 5 पर

पेंशनभोगियों और उनके परिजनों को सहायता देने की रक्षा मंत्रालय की पहल

स्पर्श पोर्टल से ऑनलाइन जुड़े 31 लाख रक्षा पेंशनभोगी, अब सिर्फ 1 लाख शेष

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अब वो दिन दूर नहीं जब 'स्पर्श' पोर्टल के माध्यम से कुल 32 लाख रक्षा पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे यानी उनके बैंक खाते में डिजिटल माध्यम से सीधे पेंशन की राशि पहुंचेगी। वर्तमान में पोर्टल से जुड़ने वाले पेंशनभोगियों का आंकड़ा 31 लाख पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि करीब पांच साल पहले 2020 में मंत्रालय ने पेंशन के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान के लिए

स्पर्श (सिस्टम फॉर पेंशन एडमिनिस्ट्रेशन-रक्षा) को लांच किया था। जिसका उद्देश्य देशभर में रहने वाले सशस्त्र सेनाओं और रक्षा नागरिक कर्मियों की रक्षा पेंशन के मामले को ▶▶ शेष पेज 5 पर

90 आउटरीच कार्यक्रम किए

मंत्रालय ने कहा, सुदूर इलाकों में रहने वालों के लिए पूर्व कर्मियों और उनके परिजनों को मदद देने के लिए रक्षा पेंशन समाधान आयोजनों के जरिए सहायता दी जा रही है। पिछले साल जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 तक देश के अलग-अलग इलाकों में ऐसे कुल 7 आयोजन किए गए थे। यह वो इलाके हैं जहां कंप्यूटर, इंटरनेट तक की सुविधा नहीं है। साथ ही स्पर्श के 90 आउटरीच कार्यक्रम भी हुए हैं। जिससे जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाई जा रही है।

टोल फ्री नंबर से लें सहायता

पूर्व कर्मियों और उनके परिवारों की मदद के लिए मंत्रालय ने एक टोल फ्री नंबर- 1800-180-5325 जारी किया है। जिस पर कॉल करके मदद ली जा सकती है। पूरी तरह ▶▶ शेष पेज 5 पर

द्वारका साउथ थाना पुलिस की कार्रवाई

25 लाख रुपए की लूट का केस सुलझा, छह गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

द्वारका में गुरुग्राम की एक शराब कंपनी के कर्मचारी से हुई 24.5 लाख रुपये की लूट का केस पुलिस ने सुलझा लिया है। इस सिलसिले में आधा दर्जन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें तीन वेयर हाउस के कर्मचारी और तीन मास्टरमाइंड शामिल है। आरोपियों ने विलासितापूर्ण जीवन जीने और अपने कर्ज से मुक्ति पाने के लिये वारदात को अंजाम दिया था। इनसे अपराध में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद कर ली गई है।

डीसीपी अंकित सिंह के अनुसार 23 मार्च को द्वारका साउथ थाने में चाकू की नोंक पर 15 लाख रुपए की लूट की सूचना प्राप्त हुई थी। पीसीआर कॉल प्राप्त होने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पूछताछ करने पर पता चला कि अंकित सिंह गुरुग्राम में ग्रैन स्पिरिट्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में मैनेजर के पद पर काम करता है। कंपनी का गुड़गांव में शराब का रिटेल आउटलेट और भरथल, द्वारका में गोदाम है। अंकित सिंह के निर्देश पर उनके एक कर्मचारी प्रमोद कुमार कामत ने मेट्रो स्टेशन, सेक्टर 10 द्वारका से बैग (शुरुआत में उसे बताया गया था कि इसमें 15 लाख रुपये हैं) लिया और उसे सेक्टर-08, द्वारका में ही अमन चौहान को सौंप दिया। जैसे ही अमन चौहान अपनी कार के पास पहुंचे दो व्यक्तियों ने उन पर पीछे से हमला किया। चाकू की नोंक पर बैग छीन लिया और पीले रंग की एचआर 55 नंबर प्लेट वाली कार में भाग गए। जांच टीमें गठित की गई। बाद में पता चला कि लूटे गए बैग में करीब 25 लाख रुपए थे। पुलिस ने आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। सभी संदिग्ध व्यक्तियों के मोबाइल फोन सर्विलांस पर रखे गए। एक फुटेज में मधुबनी, बिहार निवासी प्रमोद कुमार कामत की सीडीआर और आईपीडीआर गतिविधि संदिग्ध पाई गई। लगातार पूछताछ के दौरान उसने अपने साथियों सुभाष और छोटे लाल के तीन अन्य परिचित सूरज, गौरी शंकर, रविंदर के साथ लूट की साजिश में शामिल होना स्वीकार किया। पूछताछ के दौरान प्रमोद कुमार कामत ने बताया कि वह भारी कर्ज में डूबा हुआ था और इसलिए उसे अपना कर्ज चुकाने के लिए पैसों की जरूरत थी। करीब एक महीने पहले उसने अपने साथी छोटेलाल और सुभाष के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। इसमें गौरी शंकर, सूरज और रविंदर को भी शामिल किया था जो अयोध्या, यूपी के निवासी हैं और लोहा मंडी नारायणा में काम करते थे।

संगम विहार फायरिंग केस में तीन गिरफ्तार

आरोपी ने खुद के घर पर चलवाई थी गोली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण दिल्ली के संगम विहार में ओपन फायरिंग के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। दरअसल तीन आरोपी पकड़े गये हैं और उनमें से एक आरोपी ने ही अपने घर पर गोली चलवाई थी। उसका इरादा अपने दुश्मनों को फंसाने का था। इनके पास से एक पिस्तौल और बाइक बरामद हुई है।

डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार आरोपियों के नाम संगम विहार निवासी दिनेश उर्फ अमित, शाहरुख उर्फ गहिया और नासिर हैं। 21 मार्च को संगम विहार आई ब्लॉक में गोली चलने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो शिकायतकर्ता नासिर ने बताया कि दो अज्ञात लड़के उसके घर आए और दो राउंड फायरिंग की साथ ही उसे व परिवार को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू की। पुलिस ने गोलीबारी करने वालों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसमें पता चला कि दो युवक बाइक पर आए थे। दोनों के चेहरे ढके हुये थे। इस्तेमाल बाइक के नंबर का पता लगाया गया तो वह नासिर के नाम पर पंजीकृत मिली। मुखबिर के जरिये पुलिस दिनेश और शाहरुख तक पहुंच गई। दोनों ने बताया कि नासिर ने अपने दुश्मनों को फंसाने के लिए खुद के घर पर गोली चलवाई थी। पूर्व में दिनेश पर तीन, शाहरूख पर एक और नासिर पर दो मामले दर्ज पाये गये। पूछताछ में सामने आया कि अप्रैल 2024 में नासिर के भाई अजरूद्दीन उर्फ अज्जू और उसके साथियों जावेद, अमित ठाकुर, वारिस, मनीष, आरिफ और शाहरुख का दूसरे पक्ष के सोहेल उर्फ जीसान, राहुल, इरसाद और साहिल से झगड़ा हो गया था। इसमें दोनों पक्षों की तरफ से क्रॉस केस दर्ज किया गया था। इसका बदला लेने के लिए नासिर ने खुद के घर पर गोली चलवाई।

■ अपने दुश्मनों को फंसाने की थी कोशिश

मर्डर केस में तीन आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ लूट का सामान बरामद

नॉर्थ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की सुभाष प्लेस पुलिस ने हत्या का मामला सुलझाते हुये तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनसे लूटे गए दस्तावेज और अपराध को अंजाम देने में इस्तेमाल किया गया खून से सना हुआ धारदार खंजर बरामद किया गया है। सभी आरोपी आदतन और सक्रिय अपराधी हैं, जो पहले डकैती, झपटमारी, आर्म्स एक्ट, एक्साइज एक्ट और जुआ अधिनियम सहित 17 मामलों में शामिल रहे थे। इनके नाम रोहित उर्फ निमज, अरुण उर्फ लब्बू और विकास उर्फ फौजी है।

डीसीपी भीष्म सिंह के अनुसार 26 मार्च को भगवान महावीर अस्पताल से सुभाष प्लेस पुलिस को एक 20 वर्षीय युवक के मृत हालत में लाये जाने के संबंध पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। बाद में मृतक की पहचान शोभन मोहम्मद पुत्र मुन्ना मंसूर, निवासी जिला भागलपुर, बिहार के रूप में हुई। क्राइम टीम और एफएसएल टीम को निरीक्षण के लिए अपराध स्थल पर बुलाया गया। एक प्रत्यक्षदर्शी की पहचान की गई और उससे पूछताछ की गई। उसने कहा कि तीन व्यक्तियों ने मृतक पर चाकू से हमला किया था और उसका बैग छीन लिया था। अपराध स्थल और उसके आसपास लगे कैमरों से सीसीटीवी फुटेज का सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया गया। आखिर में तीन आरोपियों को पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्हें अंदेशा था कि बैग में मोटी रकम हो सकती है।

विवेक विहार मर्डर: महिला की हुई शिनाख्त, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

शाहदरा जिले के विवेक विहार थाना अंतर्गत हुई महिला की हत्या केस में पुलिस ने शव की शिनाख्त करने और दो आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया है। मृतक महिला की पहचान अंजू उर्फ अंजली (35) निवासी लुधियाना, पंजाब के रूप में हुई है। वहीं दो गिरफ्तार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। महिला के पति की अभी तलाश जारी है।

पुलिस के अनुसार पकड़े गये आरोपियों के नाम विवेकानंद मिश्रा (64) निवासी फ्लैट नंबर 118ए, सत्यम एन्क्लेव, झिलमिल कॉलोनी और अभय कुमार झा उर्फ सोनू (29) निवासी गांव परसरमा, वार्ड नंबर 3, थाना और जिला सुपौल, बिहार है। झा बिहार में ड्राइवरी करता है जबकि मिश्रा इंग्लिश स्पीकिंग ट्यूटर है। वह उस फ्लैट का मालिक भी है जिसमें महिला की लाश पाई गई। दोनों आरोपी एक ही गांव के हैं। पुलिस ने शनिवार को यह भी साफ किया कि महिला की हत्या 23 मार्च के आसपास की गई थी। मृतका का पति अभी फरार है। वहीं मुख्य संदिग्ध है। अब तक की पुलिस जांच में यह भी पता चला कि मृतका का पकड़े गये दोनों आरोपियों से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को विवेक विहार थाने में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी, जिसमें बताया गया है कि डीडीए फ्लैट्स, सत्यम एन्क्लेव से बदबू आ रही है। मौके पर पुलिस पहुंची तो घर बाहर से बंद पाया गया तथा पीछे के दरवाजे से खून बहकर बाहर निकल रहा था। दरवाजा खोलने पर महिला का सड़ा-गला शव एक बैग में रखा हुआ मिला, जिसे कंबल में लपेटा गया था तथा बेड के बॉक्स में रखा गया था। घर के मालिक विवेकानंद मिश्रा को सबसे पहले गिरफ्तार किया गया था। उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपी अक्षय कुमार को पकड़ा गया।

जमीन एवं प्लॉटों का जल्द मिले मालिकाना हक : सोलंकी

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिमी दिल्ली के नजफगढ़ के पपरावत गांव में शनिवार को पालम 360 के प्रमुख चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी की अध्यक्षता में पंचायत हुई। इस पंचायत में गरीब किसानों को सरकार की ओर से अभी तक रिहायशी प्लॉट और खेती के रूप में जमीन का मालिकाना हक नहीं मिला है। सोलंकी के अनुसार, भूमिहीन किसानों को सरकार की ओर से 20 सूत्रीय कार्यक्रम और धारा 74/4 के तहत 1970 के दशक में रिहायशी प्लॉट और खेती की जमीन दी गई थी। ग्रामीण क्षेत्र के नेता के अनुसार, करीब 60 फीसदी ऐसे लोगों को मालिकाना हक दिया जा चुका है, लेकिन बाकी गरीब किसानों को अभी भी जमीन के मालिकाना हक के रूप में लाभ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल से सकल पंचायत पालम 360 इस मुद्दे को उठा रही है और पिछली सरकार और एलजी को इस बारे में अवगत करा चुकी है। सोलंकी ने कहा कि आने वाले दिनों में सोलंकी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर और गृह मंत्री से इस मांग को लेकर मुलाकात करेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिनिधि दिल्ली में नवगठित सरकार से भी अनुरोध करेंगे कि वह इस मुद्दे को केंद्र के समक्ष उठाए।

फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट क्लब में झगड़ा और मारपीट में एक अरेस्ट

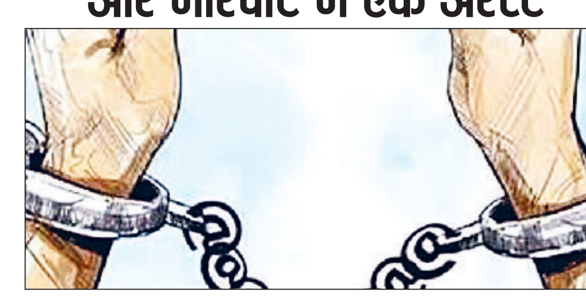

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ मथुरा रोड, तिलक मार्ग इलाके का मामला

तिलक मार्ग थाना इलाके के मथुरा रोड स्थित फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट क्लब में शुक्रवार देर रात झगड़े और मारपीट का मामला सामने आया। रात लगभग 11 बजे पुलिस एबी-19, मथुरा रोड पर पहुंची। शिकायत पर एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी का नाम पंकज यादव है।

पुलिस के अनुसार झगड़े के बारे में तिलक मार्ग थाने में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी, जिसे आवश्यक कार्रवाई के लिए एसआई संतोष ने अटेंड किया। घटनास्थल पर मुनीश गुप्ता और दीपक द्विवेदी मिले। दोनों क्लब के सदस्य थे। मुनीश गुप्ता ने बताया कि वह दीपक द्विवेदी के साथ क्लब से बाहर आए थे, जहां पंकज यादव नामक व्यक्ति जो क्लब का सदस्य है एक अन्य व्यक्ति के साथ खड़ा था। मुनीश का आरोप है कि पंकज यादव ने उन्हें रोका, गाली दी और थप्पड़ मारा। इसके साथ ही धमकी दी कि यदि वे क्लब में दोबारा दिखे तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। उसके बाद मुनीश गुप्ता की मेडिकल जांच की गई। मुनीश गुप्ता की शिकायत पर पंकज यादव के खिलाफ धारा 115(2), 126(2), 351(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान पंकज यादव से पूछताछ की गई और मामले में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गुरुद्वारा रकाबगंज में युवाओं के लिए 100 करोड़ रुपए की कौशल प्रशिक्षण योजना शुरू : सिरसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने मिलकर शनिवार को गुरुद्वारा श्री रकाबगंज साहिब में 100 करोड़ रुपये की ऐतिहासिक कौशल प्रशिक्षण योजना की शुरूआत हुई है। इस बात की जानकारी दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दी।

■ इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए समझौते ज्ञापन पर किए गए हस्ताक्षर

दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय (भारत सरकार) और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति द्वारा यह योजना शुरू की गई है। इस योजना के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस योजना के तहत लगभग 29 हजार 600 युवाओं को कौशल प्रशिक्षण हेतु वित्तीय सहायता दी जाएगी, जबकि 2,000 छात्रों को शिक्षा में सहयोग प्रदान किया जाएगा। यह पहल युवाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस अवसर पर केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इस अवसर पर कहा कि यह पहल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। हम हर उस युवा को आर्थिक सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो रोजगारपरक स्किल को विकसित करना चाहता है, ताकि किसी की भी तरक्की पैसों की कमी के कारण न रुके। यह योजना सिर्फ दिल्ली ही नहीं, बल्कि देशभर के जरूरतमंद युवाओं के लिए एक नया अवसर साबित होगी।

दिल्ली विधानसभा में आज पहली बार हिंदू नव वर्ष पर होगा आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में आज रविवार को होने वाले 'चैत्र शुक्ल प्रतिपदा नव संवत्सर 2082' के भव्य आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। इस मौके पर मशहूर संगीतकार कैलाश खेर अपनी प्रस्तुति देंगे। इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों की समीक्षा के लिए विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। जिसमें सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे ताकि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जा सकें। इस विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, लोकसभा और राज्यसभा के सांसद सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति अपेक्षित है। कुल मिलाकर 1500 से अधिक लोग इस आयोजन में शामिल होंगे। बैठक के दौरान अध्यक्ष ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और सभी व्यवस्थाओं को कुशलतापूर्वक लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि आमंत्रित अतिथियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सुरक्षा व्यवस्था सर्वोच्च प्राथमिकता रहे।

पुलिस पर अभद्र टिप्पणी का मामला

युवा कांग्रेस ने की सीएम के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा पुलिस के खिलाफ तथाकथित अभद्र टिप्पणी मामले में पुलिस से मांग की है वह एफआईआर दर्ज करें। इस मामले पर प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने बताया कि सीएम रेखा गुप्ता ने पुलिस के लिए ठुल्ला शब्द का उपयोग किया, जो कि अत्यंत निंदनीय है। इसके विरोध में शनिवार को दिल्ली संगठन ने पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाने की मांग कि लेकिन स्थानीय थाना ने पुलिस मुख्यालय का हवाला देते हुए मामला दर्ज करने से ही मना कर दिया। लाकड़ा ने कहा कि ऐसा लगता है कि दिल्ली पुलिस भाजपा की दिल्ली सरकार के दबाव में कार्य कर रही है। लाकड़ा ने बताया कि हमने पुलिस से मांग की है कि सीएम रेखा गुप्ता के खिलाफ दिल्ली पुलिस के खिलाफ अपमानजनक, अपमानजनक टिप्पणी और डिजिटल

रिकॉर्ड से छेड़छाड़ के लिए आपराधिक शिकायत-बीएनएस, 2023 और आईटी अधिनियम, 2000 के तहत एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि 28 मार्च 2025 शुक्रवार को दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे सत्र के दौरान, कार्यवाही के लगभग 2 घंटे 20 मिनट बाद सीएम ने सार्वजनिक रूप से अपमानजनक और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। जिसमें उन्होंने दिल्ली पुलिस को ठुल्ला कहा, जो एक बेहद आपत्तिजनक और अपमानजनक शब्द है। यह मामला लंबे समय से पुलिस कर्मियों के प्रति उपहास और अवमानना से जुड़ा हुआ है।

नेहरू युवा केन्द्र संगठन के राज्य निदेशक ने प्रेस वार्ता में दी जानकारी

विकसित भारत युवा संसद का आयोजन करेगी दिल्ली विधानसभा : डॉ सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप विकसित भारत युवा संसद - 2025 का आयोजन दिल्ली विधानसभा करेगी। नेहरू युवा केन्द्र संगठन के राज्य निदेशक डॉ. लाल सिंह ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत्त संगठन माईभारत, जो युवाओं में नेतृत्व और सामाजिक

जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह दिल्ली के लिए विकसित भारत युवा संसद 2025 के राज्य स्तरीय दौर की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है, जो युवा आवाजों को राष्ट्रीय चर्चा में शामिल होने और भारत के भविष्य को आकार देने के लिए सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक अभिनव मंच है। यह संसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के अनुरूप दिल्ली विधानसभा में आयोजित की जाएगी।

एक लाख युवा नेताओं को लाने के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करना है लक्ष्य

यह आयोजन नेतृत्व कौशल, नागरिक सहभागिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गहरी समझ को बढ़ावा देता है और इसका उद्देश्य भारत की राजनीति में एक लाख युवा नेताओं को लाने के प्रधानमंत्री के सपने को साकार करना है। उनका दृष्टिकोण इस विश्वास पर आधारित है कि भारत के युवा न केवल विकास के लाभार्थी हैं, बल्कि इसके भविष्य के निर्माता भी हैं।

राज्य निदेशक डॉ. लाल सिंह ने बताया कि विकसित भारत युवा संसद 2025, 18-25 वर्ष की आयु के युवाओं को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने, नीतिगत चर्चाओं में भाग लेने और देश की प्रगति के रोडमैप में योगदान देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 Cr.P.C. देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **(1) यश बेनीवाल पुत्र धीर सिंह निवासी आरजेड-आई-11, गली नं. 2, गुरुद्वारे वाली गली, महावीर एन्क्लेव, डाबरी, दिल्ली; (2) सोहैब खान पुत्र शमीम खान निवासी एफ-42, गली नं. 16सी, साध नगर, पालम कॉलोनी नई दिल्ली** ने एफआईआर नं. **137/2018, अंतर्गत धारा 356/379/411/34 आईपीसी, थाना द्वारका नोर्थ, दक्षिण-पश्चिम ज़िला, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) यश बेनीवाल (2) सोहैब खान** मिल नहीं रहे/रही हैं, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **(1) यश बेनीवाल (2) सोहैब खान** फरार हो गए/गई हैं (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहे/रही है) इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं. **137/2018, अंतर्गत धारा 356/379/411/34 आईपीसी, थाना द्वारका नोर्थ, दक्षिण-पश्चिम ज़िला, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **(1) यश बेनीवाल (2) सोहैब खान** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.05.2025** को **प्रातः 10:00 बजे** को या उससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
सुश्री नीतिका कपूर
न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-06
दक्षिण-पश्चिम जिला, कोर्ट सं. 514
द्वारका कोर्ट, नई दिल्ली

DP/3960/DW/2025
(Court Matter)

खबर संक्षेप

निगम ने सीलिंग और बैंक खातों को अटैच कर वसूले 25 करोड़ से अधिक

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने बकाया संपत्ति कर का भुगतान न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए 88 संपत्तियों को सील और 87 बैंक खातों को अटैच किया। इन सभी संपत्तियों से लगभग 25 करोड़ 75 लाख रुपये का बकाया संपत्ति कर वसूला गया है। एमसीडी प्रशासन शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि निगम कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और सभी संपत्ति मालिकों व कब्जाधारियों से आग्रह करती है कि वे 31 मार्च 2025 तक अपना बकाया संपत्ति कर जमा कर दें। किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से बचने के लिए करदाताओं को सलाह दी जाती है कि वे जल्द से जल्द अपने संपत्ति कर का भुगतान करें। करदाताओं की सुविधा के लिए निगम के सभी जोनल और मुख्यालय स्तर के संपत्ति कर कार्यालय 31 मार्च 2025 तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे।

'बच्चों में शिक्षा के साथ खेल कूद का रुझान पैदा करना भी जरूरी'

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सहायक शिक्षा निदेशक व कुश्ती जगत के महाबली कहे जाने वाले सतपाल पहलवान ने कहा भारत के हर गांव शहर में खेलों से जुड़ी प्रतिभाएं भरी पड़ी है। बस उनमें बचपन में स्कूली शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद का रुझान पैदा करना पड़ेगा जो बेहद जरूरी है। आज विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय खिलाड़ी दुनियाभर में भारत का नाम रोशन कर रहे है। सतपाल शनिवार को रोहिणी में आयोजित आर.डी. पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल एवं वी. डी. इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वार्षिक उत्सव में बोल रहे थे। इस मौके पर सतपाल पहलवान के अलावा क्षेत्रीय शिक्षा निदेशक विकास कालिया, पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त एस. के. गौतम, पूर्व विधायक जयकिशन, पूर्व विधायक सुशीला देवी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस मौके पर पूर्व स्पेशल सीपी दिल्ली पुलिस एस. के. गौतम ने कहा कि आज-कल जिस प्रकार क्राइम बढ़ रहे है उनसे अपने बच्चों को दूर रखते हुए उन्हें अच्छा नागरिक बनाना बहुत जरूरी हो गया है। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे फेल होने से भयभीत न हो बल्कि पहले से ज्यादा मेहनत करके अच्छा परिणाम देने का संकल्प लें।

सीएम के निर्देश पर दिल्ली में तेज हुआ सफाई का काम

सभी सरकारी संपत्तियों से अवैध बैनर-पोस्टर हटाने का अभियान जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर पूरे दिल्ली में सफाई अभियान ने तेजी पकड़ ली है। यह अभियान न केवल सफाई के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ा रहा है, बल्कि दिल्ली के हर कोने को स्वच्छ और सुंदर बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के तहत दिल्ली के सभी इलाकों, सड़कों, गलियों, फ्लाईओवर, और सार्वजनिक स्थलों की सफाई सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, मंदिरों और धार्मिक स्थलों में विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी कार्यों का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखना चाहिए और नागरिकों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलना चाहिए। साथ ही सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारियो को नालों और सीवर की नियमित सफाई करने, सड़कों पर गड्ढे की भराई के लिए ठोस कदम उठाने के भी आदेश दिए गए है। सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि स्वच्छता एक सामूहिक जिम्मेदारी है, और सरकार इसे प्राथमिकता पर लेकर दिल्ली को एक स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह अभियान दिल्लीवासियों के जीवन स्तर को सुधारने और पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए सरकार द्वारा हिन्दू नववर्ष के अवसर पर दिल्ली में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया है, जिसमें दिल्ली की हर सड़क, गली और सार्वजनिक स्थानों की सफाई सुनिश्चित की जा रही है। इस अभियान के दौरान सभी सरकारी संपत्तियों जैसे फ्लाईओवर, रोड साइन, स्कूल बाउंड्री वॉल आदि से अवैध बैनर और पोस्टर को भी हटाया जा रहा है। साथ ही, उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ प्रॉपर्टी डिफेसमेंट एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है।

विभागों ने सुधार कार्यों को तेजी से किया लागू

दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशों पर विभिन्न विभागों द्वारा सुधार कार्यों को तेजी से लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एमसीडी को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी प्रतिदिन फील्ड में उतरकर किसी न किसी वार्ड का निरीक्षण करें। साथ ही, उन्होंने यह भी निर्देश दिया है कि निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं को गंभीरता से लिया जाए और उनके समाधान के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाए जाएं। सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सभी अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करें, ताकि दिल्ली के प्रत्येक वार्ड में स्वच्छता बनाए रखी जा सके।

नालों और सीवर लाइनों की सफाई के लिए कार्ययोजना तैयार

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशों पर सभी सम्बंधित विभाग, सड़क किनारे पड़े मलबे को हटाने और नालों व सीवरेज लाइनों की सफाई को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर, उसे लागू करना शुरू कर दिया है। दिल्ली में सभी विभाग मिलकर काम कर रहे हैं ताकि शहर को साफ, सुंदर और व्यवस्थित बनाया जा सके।

उच्च क्वालिटी के साथ निर्माण कार्य शीघ्रता से करें पूरा: इंद्राज

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सड़क निर्माण कार्यों को उच्च क्वालिटी के साथ शीघ्रता से पूरा किया जाए। यह आदेश दिल्ली के कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने शनिवार को बवाना विधानसभा में क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों को दिए।

मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शनिवार को बवाना विधानसभा क्षेत्र के पूठ खुर्द फिरनी रोड में निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने का निर्देश दिया। समाज कल्याण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये की उच्च क्वालिटी के कार्य शीघ्रता से पूरे हों। वो खुद समय-समय पर आकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये की निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय लोगों को कोई समस्या न हो। वहीं मंत्री रविन्द्र ने कृष्णा कॉलोनी, प्रहलादपुर में वहां के रास्तों और नालों के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यों की गति को तेज करने के लिए जरूरी कदम उठाने की बात की।

मंत्री इन्द्राज ने क्षेत्रीय निवासियों से संवाद करते हुए जल संबंधी समस्याओं के निवारण हेतु गंभीरता से काम करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल आपूर्ति और नालों की सफाई के काम को प्राथमिकता के आधार पर जल्द ही पूरा किया जाएगा, ताकि लोगों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर है और बवाना क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मौसम ने फिर ली करवट, तापमान 9 डिग्री लुढ़का

नई दिल्ली। दिल्ली में इन दिनों मौसम भी लगातार रंग बदल रहा है। जहां महज तीन दिन पहले में पारा 38 डिग्री पार कर गया था, वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे लुढ़क गया। तापमान गिरने व तेज ठंडी हवाओं ने राजधानी का मौस ही बदलकर रख दिया। सुबह व रात के समय गुलाबी ठंडक लोगों में सिहरन पैदा कर रही है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार अधिकतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री नीचे लुढ़ककर 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो इस मौसम के सामान्य तापमान से 2.6 डिग्री नीचे है। जबकि गत बुधवार 26 मार्च 2025 को दिल्ली के इतिहास में वर्ष 1945 के बाद तीसरा सबसे गर्म दिन रहा, अधिकतम तापमान 38.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। जो उस दौरान इस मौसम के सामान्य तापमान से 7.4 डिग्री ज्यादा था। लेकिन 26 मार्च 2025 की तुलना में अब शनिवार को अधिकतम तापमान तापमान में सीधे 9 डिग्री की भारी गिरावट देखने को मिली है। आईएमडी का कहना है कि यह राहत वीकेंड यानी रविवार के बाद से गायब होने वाली है। क्योंकि मौसम का रंग फिर बदलने वाला है, और तापमान चढ़ेगा। आईएमडी का अनुमान है कि रविवार से सूरत के तेवर तीखे होने शुरू होंगे और दिन प्रतिदिन तापमान बढ़ता चला जाएगा।

पार्किंग और बेवजह हॉर्न बजाए जाने के मुद्दे पर पुलिस की मदद लें स्कूल : दिल्ली सरकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने की कोशिशों के तहत सभी निजी और सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे अपने परिसर के आसपास अनाधिकृत पार्किंग और बेवजह हॉर्न बजाए जाने के मुद्दे को लेकर शहर की पुलिस को पत्र लिखें। दिल्ली शिक्षा निदेशालय (डीओई) ने जारी अपने एक आदेश में स्कूलों को ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए लागू किए गए उपायों पर एक कार्रवाई रिपोर्ट (एटीआर) तैयार करने और इसे तीन मार्च तक सौंपने का निर्देश दिया। शिक्षा निदेशालय के निर्देश के बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने स्कूलों में ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम, 2002 के क्रियान्वयन और एटीआर तैयार करने के सिलसिले में सभी थाना प्रभारियों (एसएचओ) को पत्र लिखा। रोहिणी स्थित सॉवरेन स्कूल के चेयरपर्सन आरएन जिंदल ने विद्यालय परिसर के पास अनधिकृत पार्किंग के कारण होने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारा स्कूल एक रिहायशी इलाके में है और रात में पार्किंग की वजह से सुबह आसपास की सफाई करने में काफी दिक्कतें आती हैं। वाहनों की कतारों के कारण स्कूल के गेट के पास यातायात की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। जिंदल ने कहा कि हम इस मुद्दे पर एसएचओ को पत्र लिखेंगे। हम उम्मीद करते हैं कि उनके हस्तक्षेप से इस मुद्दे को सुलझाने में मदद मिलेगी। द्वारका स्थित आईटीएल इंटरनेशनल स्कूल की प्रधानाचार्या शुधा आचार्य ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त की और स्कूलों के आसपास अनाधिकृत पार्किंग की समस्या को दूर करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि हमारे स्कूल के सुरक्षाकर्मी परिसर के अंदर पार्किंग की स्थिति को संभालने की पूरी कोशिश करते हैं। हालांकि, स्कूल के बाहर अक्सर अनाधिकृत रूप से वाहन खड़े किए जाते हैं, जिससे जाम की स्थिति पैदा होती है। उन्होंने कहा कि निर्देशों के अनुसार, हम एसएचओ से संपर्क कर स्कूल के पास अनाधिकृत पार्किंग और बेवजह हॉर्न बजाने की समस्या के समाधान में उनकी मदद मांगेंगे।

बाजारों में उमड़ी ग्राहकों की भीड़, शैलपुत्री की पूजा अर्चना के साथ आज से नवरात्रि पर्व शुरू

नई दिल्ली। वासंतिक नवरात्र की शुरुआत की पूर्व संध्या पर शनिवार को बाजारों में पूजा सामग्री आदि खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। थोक बाजारों से लेकर स्थानीय बाजारों में सजी दुकानों पर देर रात तक लोग खरीदारी करते रहे। दुकानों पर नवरात्रि के चलते माता के लिए छह इंच से लेकर डेढ़ मीटर की लाल व काली चुन्नियों की भरमार देखने को मिली। वहीं पूजा सामग्री की दुकानों, फल व फूल विक्रेताओं, पूजा से जुड़े मिट्टी के बर्तन बेचने वाले की दुकानों आदि पर लोगों ने जमकर खरीदारी की। नवरात्रि के चलते पूजा से जुड़ी सामग्री, फलों व फूलों की कीमतें भी लगभग दस प्रतिशत तक बढ़ गई है। जहां एक तरफ माता के मंदिर रंग बिरंगी रोशनी से जगमग कर रहे है वहीं श्रद्धालुओं ने अपने घरों में साफ कर नवरात्रि की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। रविवार को घटस्थापना के साथ ही मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना के साथ ही नो दिन चलने वाले नवरात्रि पर्व की शुरुआत होगी। दूसरी तरफ पांडव कालीन प्राचीन सिद्धपीठ श्री कालका जी मंदिर और रानी झांसी रोड स्थित झंडेवालान मंदिर में दिल्ली सहित एनसीआर के दूरदराज क्षेत्रों से श्रद्धालु मां की अखंड ज्योति लेने पहुंचे।

प्रदूषण नियंत्रण मानकों का उल्लंघन करने वालों पर की जाए कार्रवाई : सिरसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली के कई निर्माण स्थलों पर प्रदूषण नियंत्रण मानकों के उल्लंघन होता हुआ देख पर्यावरण एवं वन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी)के अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे डेवलपर्स और कॉन्ट्रैक्टर्स के खिलाफ नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाए। गौरतलब है कि पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने शनिवार को धौला कुआं से शिव मूर्ति इंटरचेंज तक गुरुग्राम-दिल्ली हाईवे पर चल रहे कंस्ट्रक्शन वर्क, ट्रैफिक जाम वाले पॉइंट्स एवं ग्रीन स्ट्रेच का ऑन ग्राउंड निरीक्षण किया। इस दौरान मंत्री सिरसा के साथ दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने कंस्ट्रक्शन वर्क से होने वाले वायु प्रदूषण व इस सड़क पर ट्रैफिक मूवमेंट का निरीक्षण किया और जाम लगने वाले स्थानों को चिन्हित किया एवं संबधित अधिकारीयों को आवश्यक निर्देश जारी किये गए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने महिपालपुर फ्लाईओवर और रोहतक/चंडीगढ़ रोड पर अधिक ट्रैफिक को देखते हुए सम्बंधित अधिकारियों को जाम की वजहों के कारण का आकलन करने को कहा। वहीं उन्होंने निर्माणाधीन शिव मूर्ति इंटरचेंज और एयरपोर्ट अंडरपास का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण मानकों के उल्लंघन, ग्रीन बेल्ट की कमी और डस्ट को कंट्रोल करने के उपायों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। मंत्री सिरसा ने निरीक्षण के दौरान देखा कि कई निर्माण स्थलों पर निर्माण सामग्रियों को ढका नहीं गया था और निर्माण स्थलों से निकलने वाले मिट्टी भी खुले में पड़ी थी। और वहां नियमित रूप से पानी का छिड़काव भी नहीं हो रहा था, जिससे डस्ट प्रदूषण भी हो रहा था। उन्होंने डीपीसीसी के अधिकारियों को इस पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री ने सभी सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि ट्रैफिक जाम, पीएम 2.5 स्तर बढ़ना और वायु प्रदूषण के बीच सीधा संबंध है।

अनधिकृत कॉलोनियां बनने से दिल्ली बनती जा रही स्लम : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण राजधानी में लैंड पूलिंग पॉलिसी और ग्रीन डेवलपमेंट एरिया नीति को लागू करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि लैंड पूलिंग में आवेदन इस साल 30 अप्रैल तक किया जा सकता है। बिधूड़ी ने डीडीए की लैंड पूलिंग स्कीम और जीडीए पॉलिसी की स्थिति पर पिछले दिनों लोकसभा में शून्यकाल में यह महत्वपूर्ण मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि दिल्ली में लैंड पूलिंग पॉलिसी और जीडीए पॉलिसी लागू होने से बहुत लाभ होंगे। सबसे पहली बात तो यह है कि बिना किसी योजना के अनधिकृत कॉलोनियां बनने से दिल्ली स्लम बनती जा रही है।

डीएम कार्यालय में स्वच्छता का अभाव, जगह जगह फैला रहता है कूड़ा

दया राम ⏭ नई दिल्ली

- पीने तक के पानी की नहीं है सुविधा

दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के अंतर्गत आने वाले उत्तरी जिला दंडाधिकारी (डीएम) कार्यालय में सफाई व्यवस्था का बुरा है, साथ ही यहां राजस्व विभाग से जुड़ी नागरिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए दिल्ली देहात और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आने वाले लोगों को पीने के पानी के लिए इधर उधर भटकना पड़ रहा है। बता दें कि यहां आधार कार्ड में संशोधन, जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीकरण, आदि अनकों सेवाओं, कार्य के लिए नागरिक आते हैं लेकिन जैसे ही कार्यालय में प्रवेश करते हैं तो मुख्य प्रवेश द्वार के आसपास कूड़ा कचरा खुले में पाते हैं। देखा जाए तो यहां एक डस्टबिन की व्यवस्था हो सकती है लेकिन यहां ऐसी कोई भी व्यवस्था नहीं जिसके चलते लोग पानी की बोतल आदि से पानी पीकर खुले में बोतल को इधर उधर फेंकने में मजबूर हैं और यदि प्रवेश द्वार के उपर की तरफ देखते हैं जगह जगह जाले लगे हुए हैं और लगता कि जैसे कई माह से सफाई ही नहीं की गई हो। वहीं, फिर मुख्य द्वार से प्रवेश के बाद जैसे ही अलीपुर एसडीएम के कक्ष की तरफ जाते हैं तो सामने ही ट्रांसजेंडर वर्ग के लिए बने हुए शौचालय के खुले हुए आधे दरवाजे में से बदहाली दिखती है, जैसे पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के उद्घाटन के बाद इसकी सफाई ही नहीं हो पाई है। वहीं, इन समस्याओं के बार में जब डीएम प्रशासन को जानकारी दी तो वहां, एक अधिकारी ने समस्याओं के समाधान की बात कही।

बैठने के लिए भी नहीं है उचित सुविधा

यहां एसडीएम कार्यालय के गलियारे की बात करे तो यहां आने वाले नागरिकों के लिए बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। विवाह आदि के लिए पंजीकरण आने वाले नवदंपति और परिजनों की गलियारे में भीड़ सी लगी रहती है। साथ ही उद्घाटन के अवसर पर प्रवेश द्वार के साथ बैठने के लिए जो बेंच लगाए गए थें, उनमें से आधे बदहाल होकर गायब हो चुके हैं।

दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा ने अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में मनाया बिहार दिवस

बिहार को विकसित बिहार बनाने का प्रधानमंत्री ने लिया है संकल्प : नड्डा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विश्व को प्रजातंत्र देने का काम बिहार ने किया था इसलिए बिहार को विकसित बिहार बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है और हम सबको मिलकर उसके लिए काम करना होगा। दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा द्वारा शनिवार को अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक भारत- श्रेष्ठ भारत के तहत बिहार दिवस कार्यक्रम के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने यह संबोधन दिया। यहां जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि आज हम बिहार दिवस मना रहे हैं लेकिन हमने लालू राज में एक डूबता हुआ बिहार देखा, लोग शाम में घर से बाहर निकलने से डरते थे। उन्होंने कहा कि बिहार का अपना एक विशेष महत्व है चाहे वह जेपी आंदोलन की शुरुआत हो या फिर नालंदा विश्वविद्यालय की अपनी पहचान हो। जे पी नड्डा ने कहा कि मेरा भावनात्मक संबंध बिहार से है। जीवन में कोई व्यक्ति अपने बचपन को भूल नहीं सकता। मेरा बचपन, परवरिश, पढ़ाई सब बिहार में हुई है। इसलिए मैंने उस जंगलराज को भी बेहतर तरीके से जाना और देखा हूं। जब शाम होते ही घर से बाहर निकलना मुश्किल था। उन्होंने कहा कि आज हम विकास की ओर अग्रसर बिहार को देख रहे है लेकिन यही बिहार लालू राज में डूबता हुआ था। एक समय ऐसा था जब पांच बजे के बाद पटना शहर बंद हो जाता था। मैंने वो दिन भी पटना में देखा था जब जेपी के आंदोलन के लिए फणींद्र नाथ रेणु ने अपना पुरस्कार छोड़ दिया था। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने बिहार एवं पूर्वांचल के लोगों का दिल्ली की प्रगति में सहयोग के लिए अभिनंदन किया और कहा कि आज पूर्वांचल वासियों ने दिल्ली के सामाजिक क्षितिज में अपना मजबूत स्थान बना लिया है और आज पूर्वांचल वासियों के बिना दिल्ली की आर्थिक प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

बता दें कि दिल्ली भाजपा पूर्वांचल मोर्चा ने शनिवार को अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक भारत- श्रेष्ठ भारत के तहत बिहार दिवस का कार्यक्रम मनाया गया जिसमें राष्ट्रीय भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद मनोज तिवारी, कमलजीत सहरावत, बांसुरी स्वराज और दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने पूर्वांचल वासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा ने किया और कहा आज पूर्वांचल वासी दिल्ली एवं देश के आर्थिक, सामाजिक एवं अध्यात्मिक उत्थान में पूर्ण सहयोग दे रहे और साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार की डबल इंजन सरकार के द्वारा लाई प्रगति देख कर भी प्रसन्न हैं।

खबर संक्षेप

श्याम मित्र मंडल द्वारा कीर्तन का आयोजन

फरीदाबाद। तिगांव राधे वाटिका में श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा बड़ी धूमधाम से कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि फरीदाबाद की मेयर प्रवीन बतरा जोशी एवं विशिष्ट अतिथि मुख्यमंत्री के पूर्व राजनैतिक सलाहकार अजय गौड़ एवं पार्षद गजेंद्र भड़ाना, मुख्य रूप से हरियाणा सरकार के पूर्व सहायक एडवोकेट जनरल विकास वर्मा, तिगांव के सरपंच विक्रम सिंह नागर, वेदप्रकाश अधाना, पूर्व सरपंच रिंकू अधाना, सतवीर वर्मा नंबरदार, तेजसिंह अधाना, योगेंद्र नागर, रामपाल आदि।

युवकों ने क्लब बाउंसर व सिक्योरिटी स्टाफ को धुना

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना क्षेत्र में एक क्लब में युवकों द्वारा क्लब के बाउंसर व सिक्योरिटी स्टाफ के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने पर पुलिस ने कई युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी है। झगड़े की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस को दी शिकायत में रोहतक निवासी सचिन ने बताया कि वह सेक्टर-30 स्थित इबोला क्लब में बाउंसर के तौर पर कार्य कर रहा है।

कंपनी मैनेजर ने किया महिला कर्मी से दुष्कर्म

गुरुग्राम। डीएलएफ फेज-3 एरिया में शादी का झांसा देकर कंपनी मैनेजर द्वारा कंपनी की महिला कर्मी से रेप करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मैनेजर युवती को बार-बार अपने प्राइवेट रूम में बुलाकर उसके साथ रेप करता था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरु कर दी। पुलिस को दी शिकायत में यूपी मूल की युवती ने कहा कि वह गुरुग्राम की एक कंपनी में नौकरी करने के लिए आई थी। वह यहां डीएलएफ फेज-3 एरिया में रह रही थी। युवती का आरोप है कि कंपनी का मैनेजर विजय काम के नाम पर उसे अपने प्राइवेट रूम में बुलाता था।

राजपूत परिषद ने राणा सांगा पर दिए गए विवादित बयान की निंदा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारत सरकार से सांसद के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की

राष्ट्रीय राजपूत परिषद ने सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ विरोध प्रकट किया। सपा सांसद द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में राष्ट्रीय राजपूत परिषद ने जमकर नारेबाजी की और भारत सरकार से मांग की कि सांसद के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उनकी राज्यसभा सदस्यता समाप्त की जाए।

राष्ट्रीय संयोजक ठाकुर तिलक राज चौहान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि राजपूतों ने मुगल आक्रांताओं से अनेक युद्ध लड़कर अपने जीवन का बलिदान देकर सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति तथा हिंदुत्व की रक्षा की और भारत के प्रत्येक हिन्दू तथा भारतवर्ष के आर्थिक विकास एवं देश को संगठित करने के लिए तन, मन, धन से हमेशा सरकार का साथ दिया तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए राजपूतों ने हमेशा देश, धर्म और न्याय की स्थापना के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया जिसके कारण आज सनातन धर्म एवं प्रत्येक हिंदू सुरक्षित है जिसके लिए सारा सनातन धर्म तथा प्रत्येक हिंदू इन क्षत्रिय महापुरुषों का ऋणी है और जीवन भर ऋणी रहेगा लेकिन उसके बावजूद लगातार कुछ नकारात्मक विचारों वाले लोग क्षत्रियों महापुरुषों और क्षत्रियों के इतिहास के साथ छेड़खानी करने का घृणित कार्य करने का दुस्साहस एवं प्रयास रहे हैं। इस प्रकार की निंदनीय घटनाओं की राजपूत समाज कड़ी निंदा करता है।

सरकार को स्वयं संज्ञान लेना चाहिए

राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर गजेन्द्र सिंह चौहान ने कहा कि भारत सरकार को स्वयं ही संज्ञान लेते हुए इस प्रकार की अभद्रता करने वाले लोगों की राज्यसभा सदस्यता शीघ्र अतिशीघ्र खत्म करके कड़े से कड़ा दंड देना चाहिए जिससे कि भविष्य में इस प्रकार का अभद्रता पूर्ण व्यवहार और कार्य करने की किसी और नेताओं की हिम्मत न हो सके।

यह लोग उपस्थित रहे

इस अवसर पर राष्ट्रीय सलाहकार विनोद तोमर, परिषद के संरक्षक केहर सिंह भाटी, राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण चौहान, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सूरजपाल भाटी, देवेन्द्र सिंह राणा, धीर सिंह चौहान राष्ट्रीय संगठन प्रभारी, विनोद कुमार तोमर राष्ट्रीय सलाहकार, राकेश सैंगर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, एडवोकेट गजेन्द्र सिंह चौहान प्रभारी लीगल सेल, डॉक्टर मनोज कुमार सिंह, तेजेन्द्र सिंह चौहान, अशोक राजपूत, अर्जुन राघव, राधा परमार तथा राजपूत समाज के अनेक गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

उपायुक्त विक्रम सिंह के माध्यम से उद्यमियों ने बजट अपेक्षा पूरा करने के लिए हरियाणा के सीएम के नाम धन्यवाद पत्र सौंपा

फरीदाबाद के उद्यमी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए करें सहयोगः डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लघु उद्योग भारती फरीदाबाद व बल्लभगढ़ द्वारा आयोजित उद्योग निर्देशिका विमोचन कार्यक्रम में उपायुक्त विक्रम सिंह ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर आयोजकों को शुभकामनाएं दी। डीसी विक्रम सिंह ने सभी उद्यमियों को आश्वस्त किया कि प्रशासन जिला के उद्यमियों के साथ है और भविष्य में भी किसी उद्यमी को कोई प्रशासनिक परेशानी आती है तो वह सीधे उनसे संपर्क करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार एवं फरीदाबाद प्रशासन उद्यमियों को सहयोग करने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

पदाधिकारियों ने हरियाणा के सीएम सैनी का आभार व्यक्त किया

प्रशासन और सरकार को भी उद्यमियों से सहयोग की अपेक्षा है। जरूरी है कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में वे भी अपना पूरा सहयोग दें। इसी तरह आयोजकों ने डीसी विक्रम सिंह का स्वागत कर भरोसा दिलाया कि फरीदाबाद को विकसित बनाने के लिए उनका पूरा सहयोग प्रशासन के साथ रहेगा। लघु उद्योग भारती के पदाधिकारियों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के नाम धन्यवाद ज्ञापन उपायुक्त को सौंपा। उद्योग प्रतिनिधियों ने कहा कि लघु उद्योग भारती की वर्षों पुरानी मांग जो की अनियमित क्षेत्र से संबंधित थी, को एक ही पल में 2025-26 में पेश हुए बजट में मंजूरी दे दी। सरकार के सहयोग की अपेक्षा व्यक्त करते हुए उद्यमियों ने कहा कि भविष्य में प्रदेश सरकार एमएसएमई उद्यमियों को और सुविधाएं उपलब्ध करा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के स्वप्न को पूरा करने में पूर्णतया सहयोग करेगी।

यह लोग उपस्थित रहे

कार्यक्रम में विद्या भर्ती हरियाणा के अध्यक्ष देव प्रसाद भारद्वाज, विद्या भारती ओम प्रकाश गुप्ता, शुभ आदेश मित्तल, कार्यक्रम संयोजक अमृत पाल सिंह कोच्चर, अखिल भारतीय महासचिव ओम प्रकाश गुप्ता, अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, अरुण बजाज, अध्यक्ष हरियाणा प्रान्त शुभ आदेश मित्तल, चेयरमैन विक्टोरा ग्रुप एच एस बांगा, लघु उद्योग भारती सलाहकार समिति अध्यक्ष बलदेव राज भाटिया सहित लघु उद्योग भारती की कार्यकरिणी समिति के सदस्य विशेष तौर पर मौजूद रहे।

कर्मचारियों के बीच टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं खेलः डीसी

***फरीदाबाद।** खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देते हैं, बल्कि वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन, टीम वर्क और सहनशीलता जैसे जीवन के महत्वपूर्ण गुणों को भी सिखाते हैं। यह संबोधन उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज जिला फरीदाबाद में स्थित मानव रचना शिक्षण संस्थान में आयोजित कॉरपोरेट क्रिकेट चैलेंज कप के 18वें संस्करण के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर कहे। डीसी ने टूर्नामेंट के फाइनल मैच विजेता टीसीएस टीम को शुभकामनाएं दी और विजेता ट्रॉफी प्रदान की। डीसी विक्रम सिंह ने इस टूर्नामेंट को फरीदाबाद और आसपास के क्षेत्रों में कॉर्पोरेट जगत में क्रिकेट को बढ़ावा देने और कर्मचारियों के बीच टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करने का एक बेहतरीन माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल कर्मचारियों के बीच संबंध मजबूत होते हैंए बल्कि कार्यस्थल पर भी एक सकारात्मक माहौल बनता है। इसलिए, हर व्यक्ति को किसी न किसी खेल से जुड़ना चाहिए ताकि वे अपने जीवन को अधिक अनुशासित, स्वस्थ और सफल बना सकें। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में भाग लेने वाली विभिन्न टीमों ने उच्चतम स्तर का खेल प्रदर्शन किया।*

फ्रेंड्स कालोनी को दी 48 लाख रुपए की सौगात

बल्लभगढ़ के विकास को लेकर निरंतर करूंगा कामः मंत्री शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ विधानसभा की फ्रेंड्स कॉलोनी में लगभग 48 लाख रुपए की लागत से किए जाने वाले विकास कार्यों की सौगात दी। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने फ्रेंड्स कॉलोनी वासियों को सीवर, पानी और सड़क की सौगात दी है।

स्थानीय निवासियों के हाथ नारियल तुड़वाकर उन्होंने विकास कार्यों का मुहूर्त किया है। इस मौके पर वार्ड 46 के पार्षद सोहनवीर वैष्णव और वार्ड 41 के पार्षद महेश गोयल भी मौजूद रहे। इस मौके पर उन्होंने स्थानीय निवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस बार बतौर वित्त मंत्री बनकर हरियाणा का जो बजट पेश किया है उसमें बल्लभगढ़ को पीपीपी मॉडल का बस अड्डे के साथ-साथ बल्लभगढ़ से पलवल मेट्रो फरीदाबाद से गुरुग्राम मेट्रो का विस्तार के अलावा कई सौगात दी है। विधायक पं. मूलचंद शर्मा ने बल्लभगढ़ के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी और लगातार बल्लभगढ़ को विकास के पथ पर आगे लेकर जाने का प्रयास करूंगा।

3 अप्रैल को सत्यम उपाध्याय मां यमुना जन्मोत्सव में देंगे भजनों की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

मां यमुना की निर्मलता और स्वच्छता के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए धार्मिक संस्था यमुना परिवार काउंसिल द्वारा आगामी 3 अप्रैल को भव्य यमुना महाआरती एवं मां यमुना जन्मोत्सव का दिव्य आयोजन परमार्थ निकेतन के परमाध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य में दिल्ली स्थित वजीराबाद के सूरघाट पर किया जाएगा। शिक्षाविद् डॉ. सविता उपाध्याय का कहना है कि इस आयोजन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, भाजपा दिल्ली प्रदेशाध्यक्ष विरेंद्र सचदेवा, राज्यसभा सांसद नरेंद्र बंसल, जेके जैन सहित देश-विदेश से संत महात्मा, विद्वान, पर्यावरणविद, तथा छात्र-छात्राएँ एकत्रित होकर मां यमुना की आरती के सहभागी बनेंगे। आयोजन में गुरुग्राम के यंगेस्ट प्रोफेशनल सिंगर ऑफ द वल्ड सत्यम उपाध्याय भजनों के माध्यम से मां यमुना के चरणों में अपनी संगीत साधना अर्पित करेंगे। सत्यम उपाध्याय स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज के आशीर्वाद से ऋषिकेश में राम भजनों की प्रस्तुति दे चुके हैं। उनका कहना है।

7 मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड, 2 डेबिट कार्ड, 1 ड्राइविंग लाइसेंस, 2 पैन कार्ड बरामद

सव मोटर्स के खाते से धोखाधड़ी कर तीन लाख 63 हजार निकालने वाले दो ठग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

सर्विलांस टीम ट्रांस हिंडन जोन व थाना लिंकरोड पुलिस टीम ने शनिवार को सव मोटर्स प्रा. लि. कंपनी के खाते से अवैध तरीके से तीन लाख 63 हजार 473 रुपए निकालने वाले 02 ठगों गिरफ्तार को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से भिन्न-भिन्न घटनाओं में प्रयुक्त 07 मोबाइल फोन, 16 सिम कार्ड, 02 डेबिट कार्ड, 01 ड्राईविंग लाइसेंस, 02 पैन कार्ड व अलग-अलग बैंक खातों से सम्बन्धित अन्य प्रपत्र बरामद हुए हैं।

डीसीपी ट्रान्स हिंडन निमिष दशरथ पाटिल ने बताया कि 26मार्च को थाना लिंकरोड पर आनंद वर्मा निवासी बी-41 मोहन पार्क शाहदरा दिल्ली की लिखित तहरीर दी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने मोबाइल नं. 9870413741 के जरिए कंपनी के (सव मोटर्स प्रा. लि.) एसबीआई खाता सं.-35247392554 से धोखाधड़ी कर अवैध तरीके से तीन लाख 63 हजार 473 रुपए निकाल लिए। तत्काल थान लिंकरोड पुलिस ने तहरीर के आधार पर धारा 66डी सूचना प्रोधौगिकी (संशोधन) अधिनियम व धारा 318(4) बीएनएस में अभियोग पंजीकृत किया गया। उघटना को गंभीरता से लेते हुए टीमों का गठन किया गया। अनिल सहगल व दीपक बंसल ने 28 मार्च को पुनः कंपनी के मालिक को खाता संख्या संबंधी जानकारी लेने हेतु कॉल किया गया। सर्विलांस टीम व थाना लिंकरोड पुलिस ने मोबाइल नंबर को ट्रेस कर घटना में संलिप्त अनिल सहगल निवासी संतनगर हनुमान मंदिर से अगली गली थाना बुराड़ी दिल्ली तथा दीपक बंसल निवासी रामविहार डीएलएफ अंकुर विहार थाना अंकुर विहार को सनसाईन बैरियर दिल्ली बोर्डर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अनिल सहगल व दीपक बंसल से पूछताछ करने पर यह तथ्य प्रकाश में आए कि ये अभियुक्तगण ऑटोमोबाइल एजेंसीस व कंपनी को टारगेट करते है। इनके द्वारा एजेंसी की नेट पर डिटेल सर्च करते है तथा गूगल से एजेंसियों के मोबाइल नंबर लेकर फर्जी आईडी के सिम से गाड़ी बुक कराने के नाम पर फोन करते हैं और उनसे गाड़ी बुक कराने के लिए कोटेशन प्राप्त करते हैं।

भीषण आग में दो सौ झुग्गियां जलकर खाक

गुरुग्राम। साइबर सिटी गुरुग्राम के बसई फ्लाईओवर के पास सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी भयंकर थी कि इसकी लपटें दूर-दूर तक देखी गई। सूचना मिलते ही दमकल की एक दर्जन से ज्यादा गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन इस बीच करीब दो सौ झुग्गियां जलकर खाक हो गई। गनीमत रही कि घटना में फिलहाल किसी भी व्यक्ति के घायल होने की सूचना नहीं है। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं लग सका है। गुरुग्राम के बसई फ्लाईओवर के पास करीब 200 से ज्यादा झुग्गियां बनी हुई थी। इसमें ज्यादातर झुग्गियों में लोग कपड़े की दुकान करते थे। बताया जा रहा है कि आज तड़कें सुबह इसमें अचानक आग लग गई। कपड़ा होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी और इसने भयंकर रूप ले लिया।

बैंकिंग समन्वय समिति व बैंकिंग समीक्षा समिति की बैठक में बोले जिलाधिकारी

साख-जमा अनुपात को बढ़ाएं, विकासपरक सरकारी योजनाओं में ऋण उपलब्ध कराएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में जिलास्तरीय बैंकिंग समन्वय समिति एवं जिलास्तरीय बैंकिंग समीक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने जनपद में मौजूद सभी बैंकों को जिले के विकास योजनाओं में सक्रिय सहभागिता के संबंध में विभिन्न दिशा निर्देश दिए। अग्रणी जिला प्रबंधक बुद्ध राम के द्वारा बैंक की दिसंबर तिमाही 2024 तक की उपलब्धि पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान सभी बैंको के द्वारा दिसंबर 2024 महीने तक प्राप्त की गई उपलब्धियों की क्रमवार से समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान अवगत हुआ कि दिसंबर तिमाही में जिले के जिन बैंक के साख जमा अनुपात निर्धारित मानक से कमी पाई गई, इस पर जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के जिला समन्वयकों को जिले में साख-जमा अनुपात को बढ़ाने के लिए निर्देशित किया है जिनका सीडी अनुपात 40 प्रतिशत से भी कम पाया गया। संबंधित जिला समन्वयकों से कारण पूछे, विशेष रूप से पीएनबी बैंक पर जोर दिया गया।

पीएनबी एवं कुछ बैंकों ने बताया कि उनके बड़े अग्रिमों का लेखा-जोखा क्रमशः दिल्ली और नोएडा जिले में था। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने इन बैंकों को गाजियाबाद जिले के अंतर्गत ऐसे डेटा की रिपोर्ट प्रेषित करने का निर्देश दिया, जिससे जिले का सीडी अनुपात वास्तविक स्थिति को दर्शा सके। बैठक में मुख्य रूप से जिला विकास अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्रताप सिंह, एलडीओ आरबीआई सहित सभी संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध खनन रोकने के लिए प्रशासन ने किया निरीक्षण

फरीदाबाद। शनिवार को खनन विभाग और अन्य संबंधित विभागों की संयुक्त टीम ने क्रेशर जोन पाली से जुड़े क्षेत्रों का अचानक निरीक्षण किया और वाहनों की जांच की। जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने जानकारी सांझा करते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान सभी वाहनों के पास वैध ई-रवाना बिल पाए गए। उन्होंने यह भी बताया कि चेकिंग के दौरान किसी भी स्थान पर अवैध खनन की गतिविधि नहीं पाई गई है और यदि कहीं भी नियमों का उल्लंघन होता है, तो वे तुरंत आवश्यक कार्रवाई करेंगी। खनन विभाग की टीम राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य मार्गों और अन्य प्रमुख रास्तों पर लगातार सक्रिय रूप से तैनात है। उन्होंने यह भी कहा कि जिले में उन स्थानों पर जहां अवैध खनन की संभावना अधिक है, वहां पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न इलाकों में अचानक निरीक्षण किए जा रहे हैं और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। हरियाणा सरकार का स्पष्ट और मजबूत निर्णय है कि राज्य में अवैध खनन किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं होगा और इसमें संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सरपंचों से शिक्षा और स्वास्थ्य योजनाओं पर हुई चर्चा

कार्यक्रम में जिले भर के 50 से 60 सरपंचों ने भाग लिया

इश्लॉन प्रौद्योगिकी संस्थान में ग्राम विकास सम्मान समारोह का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

कबूलपुर खादर फरीदाबाद जिले के कबूलपुर खादर स्थित इश्लॉन प्रौद्योगिकी संस्थान में शनिवार को ग्राम विकास सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिले भर के 50 से 60 सरपंचों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना और पंचायत प्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल कर नीतियां बनाना था। संस्थान के अधिकारियों ने सरपंचों से चर्चा करते हुए गांव-गांव तक शिक्षा पहुंचाने के तरीकों पर सुझाव मांगे।

इसके साथ ही संस्थान द्वारा चलाई जा रही विभिन्न निःशुल्क शिक्षा योजनाओं की जानकारी दी गई, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा गांव-गांव में आयोजित किए जा रहे निःशुल्क दंत चिकित्सा और अन्य स्वास्थ्य शिविरों के विषय में भी विस्तार से बताया गया। सरपंचों से इन शिविरों को अधिक प्रभावी बनाने के लिए सुझाव लिए गए और उन्हें आश्वासन दिया गया कि उनकी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर सरपंच संगठन फरीदाबाद के प्रधान सूरजपाल भूरा मौजूद रहे। सम्मान समारोह में सरपंच रविंद्र सिंह, सरपंच पवन, सरपंच सौरभ आदि।

गांवों के विकास को गति मिलेगी

सरपंचों ने कॉलेज द्वारा उठाए गए इस कदम को बेहद सराहनीय बताया और इसे ग्रामीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण पहल करार दिया। उन्होंने संस्थान के चेयरमैन प्रभात अग्रवाल द्वारा किए गए प्रयासों की भी सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व में कॉलेज लगातार ग्रामीण शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है। सरपंचों ने आशा जताई कि भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रम होते रहेंगे, जिससे गांवों के विकास को गति मिलेगी। संस्थान का यह प्रयास ग्रामीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली एनसीआर में मोबाइल फोन व चेन की दर्जनों वारदातों को दे चुके अंजाम

चारों बदमाश हत्या जैसे अपराध को अंजाम दे चुके है

गाजियाबाद पुलिस मुठभेड़ में 4 बदमाश घायल, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना ट्रॉनिका पुलिस ने शुक्रवार-शनिवार की रात में मुठभेड़ के दौरान चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से दो बदमाश घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चारों ही बदमाश शातिर किस्म के हैं और दिल्ली एनसीआर में लूट डकैती हत्या जैसे अपराध की कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि गिरफ्तार किए गए बदमाशों में निशांत कॉलोनी ट्रेनों का सिटी निवासी शिवम उर्फ शुभम उर्फ कसीनो, दौलत नगर निवासी परवेज, सिल्वर सिटी निवासी शानू तथा शनि उर्फ लल्ला है। जिनके कब्जे से लूटे हुए 10 मोबाइल एवं 02 अदद अवैध तमंचे .315 बोर व खोखा कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शिवम उर्फ कसीनो, परवेज शानू और सनी उर्फ लल्ला को गिरफ्तार किया था। चारों को जब थाने लाया गया तो इन्होंने पूछताछ में बताया कि वे लोग दिल्ली-एनसीआर में मोबाइल व चेन की लूट करते हैं और लूटे गए मोबाइल फोनों को एकत्र करके सस्ते दामों में बाजार में बेच देते हैं। कुछ मोबाइल उन्होंने आवास विकास के जंगल में छुपा के रखे हैं। पुलिस इन्हें आवास विकास के जंगल में ले गई और जब बदमाशों ने मोबाइल फोन बरामद करने के बहाने झाड़ी में छिपे तमंचे निकालकर पुलिस पर ही फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाब भी कार्रवाई की। जिसमें शिवम उर्फ कसीनो व परवेज घायल हो गए जबकि बाकी दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इन चारों बदमाशों के खिलाफ दिल्ली एनसीआर में हत्या जैसे संगीन अपराधों के कई मामले दर्ज है।

अयोध्या रामजन्मोत्सव के उल्लास में लीन होने को तैयार है। रामनगरी मेले में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की संभावना है।

अयोध्या में रामनवमी पर 50 लाख लोगों के उमड़ने की संभावना

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

महाकुंभ मेले के बाद अब रामनगरी में रामनवमी मेले का उल्लास छलकने लगा है। रविवार से नौ दिवसीय रामनवमी मेले का शुभारंभ हो रहा है। अयोध्या रामजन्मोत्सव के उल्लास में लीन होने को तैयार है। रामनगरी मेले में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की संभावना है।

रामनगरी के आठ हजार मंदिरों में कथा-प्रवचनों से राम का गुणगान होगा तो बधाई गान भी गूंजेगा। रामनवमी मेले के लिए श्रद्धालुओं का आगमन भी शुरू हो गया है। शनिवार को चैत्र अमावस्या पर एक लाख भक्तों ने सरयू स्नान कर नागेश्वरनाथ महादेव का पूजन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने पीपल वृक्ष का पूजन कर पति की दीर्घायु के लिए फेरे लिए। इसके बाद भक्तों ने रामलला व हनुमानगढ़ी में हाजिरी लगाई। रामजन्मोत्सव का मुख्य पर्व छह अप्रैल को मनाया जाएगा। इस दिन राममंदिर समेत प्रमुख मंदिरों में दोपहर 12 बजे रामलला का प्राकट्य होगा, पूरी अयोध्या उत्सव में मगन होगी। रामनगरी के हजारों मंदिरों में रविवार से कथा, प्रवचन, नवाहपारायण, अनुष्ठान आदि का शुभारंभ हो जाएगा। अंगद टीला परिसर में नवसंवत्सर की पूर्व संध्या पर ही शनिवार को रामकथा का शुभारंभ हुआ। अतुल कृष्ण भारद्वाज रामकथा की सुधावृष्टि कर रहे हैं। दशरथ महल में भी रविवार से रामकथा का श्रीगणेश हो रहा है। इसी तरह कनकभवन, रामबल्लभाकुंज, सियाराम किला , लक्ष्मण किला सहित अन्य मंदिरों में विभिन्न अनुष्ठानों का शुभारंभ होगा।

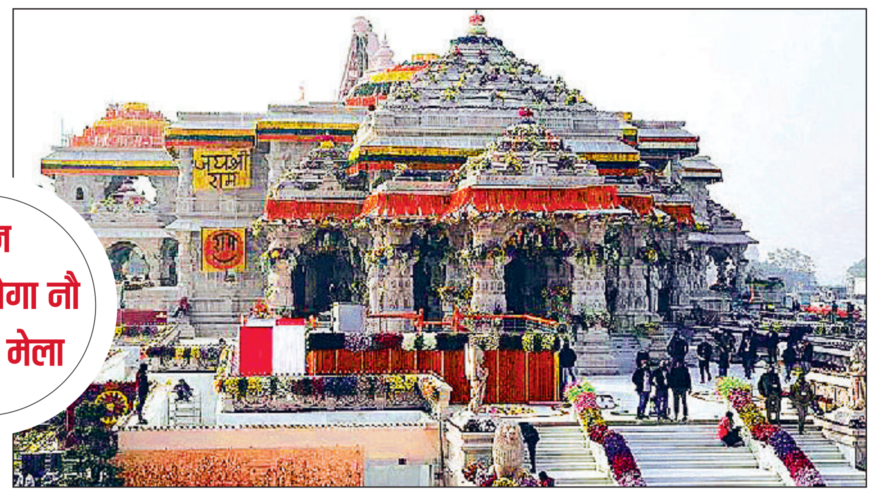

आज से शुरू होगा नौ दिवसीय मेला

रोजाना होगी 1051 बत्ती की महाआरती

रामनगरी की सिद्धपीठ छोटी देवकाली मंदिर नवरात्र में आस्था का केंद्र होता है। नवरात्र भर यहां रोजाना रात आठ बजे 1051 बत्ती की महाआरती होगी। महाआरती में बड़ी संख्या में भक्त उमड़ते हैं। यहां भी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलिंग लगाई गई है। कतार में लग कर ही भक्तों को दर्शन प्राप्त होंगे। मंदिर में दुर्गासप्तशती पाठ समेत अन्य अनुष्ठान भी रविवार से शुरू होंगे।

खबर संक्षेप

अपमान से आहत छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

प्रतापगढ़। परीक्षा कक्ष से बाहर निकाले जाने से आहत कक्षा नौ की छात्रा ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। वह गांव में ही एक इंटर कॉलेज में पढ़ती थी। उसका 800 रुपये फीस बकाया था। शनिवार को सुबह आठ बजे वह परीक्षा देने पहुंची तो उसे कक्षा से बाहर निकाल दिया गया। मां ने प्रबंधक, प्रधानाचार्य, लिपिक और चपरासी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

बिहार बोर्ड 10वीं का रिजल्ट घोषित, 82% पास

पटना। लाखों छात्रों के रिजल्ट के इंतजार को खत्म करते हुए बिहार बोर्ड 10वीं का रिजल्ट 2025 घोषित कर दिया। इस वर्ष 82.11% यानी 12.79 लाख से ज्यादा परीक्षार्थी सफल हुए हैं। टॉपर में 3 परीक्षार्थियों ने अपनी जगह बनाई है। तीनों संयुक्त रूप से प्रदेश टॉपर रहे। इनके नाम हैं-साक्षी, अंशु कुमारी और रंजन वर्मा. तीनों छात्रों को 500 में 489 नंबर और 97.80प्रतिशत मिले हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सख्त फैसला

धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस बिक्री प्रतिबंधित, रामनवमी पर विशेष निगरानी

प्रमुख सचिव ने सभी डीएम, पुलिस आयुक्तों और नगर आयुक्तों को भेजा आदेश

फैसले को प्रभावी बनाने जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में समिति गठित

योगी आदित्यनाथ ने चैत्र नवरात्र के एक दिन पहले धार्मिक स्थलों के पांच सौ मीटर के दायरे पर मांस बिक्री पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अवैध बूचड़खानों को बंद करने और धार्मिक स्थलों के 500 मीटर के दायरे में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का सख्त आदेश जारी किया है। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने सभी जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और नगर आयुक्तों को बूचड़खानों को तत्काल बंद करने और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पर प्रतिबंध लागू करने के निर्देश दिए हैं।

पुराने आदेशों की पुनर्बहाली

2014 और 2017 में जारी आदेशों का हवाला देते हुए योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि अवैध पशु वध और धार्मिक स्थलों के पास मांस बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित होगी। इस फैसले को प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समितियों का गठन किया गया है। इनमें पुलिस, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, पशुपालन विभाग, परिवहन विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग और खाद्य सुरक्षा प्रशासन के अधिकारी शामिल होंगे।

अलीगढ़ में हिंदू दुकानदार के मस्जिद में नमाज पढ़ने पर विवाद, शुद्धिकरण की मांग

अलीगढ़। यहां सुनील राजानी नामक हिंदू दुकानदार द्वारा मस्जिद में नमाज अदा करने पर विवाद खड़ा हो गया। भाजपा युवा मोर्चा के नेता मोनू अग्रवाल ने इसे धार्मिक अपमान बताते हुए शुद्धिकरण की मांग की। राजानी ने इसे आकस्मिक निर्णय बताते हुए गंगाजल से स्वयं को शुद्ध करने का प्रयास किया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद, कुछ दक्षिणपंथी संगठनों ने इसे धार्मिक आस्था के खिलाफ बताया और दुकानदार से 'शुद्धिकरण' करने की मांग की है।

दक्षिणपंथी संगठनों की प्रतिक्रिया

मोनू अग्रवाल ने कहा कि राजानी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और उन्हें मंदिर में जाकर शुद्धिकरण अनुष्ठान करना चाहिए। उन्होंने इसे धार्मिक अपमान करार दिया और कहा कि यह समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला कदम था।

सुनील राजानी की सफाई

जब राजानी मस्जिद से बाहर निकले, तो कुछ हिंदू संगठनों के सदस्यों ने उनसे सवाल किया। इस पर राजानी ने सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने आवेश में आकर नमाज पढ़ी और किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का उनका कोई इरादा नहीं था। इसके बाद उन्होंने गंगा जल छिड़ककर 'स्वयं शुद्धिकरण' करने का प्रयास किया.था।

जाना होगा कोर्ट, सख्त एक्शन की तैयारी

हजारीबाग हिंसा केस में 4000 लोगों को नोटिस

एजेंसी ▶▶ हजारीबाग

ईद और रामनवमी में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद है। दूसरा मंगला जुलूस के दौरान हुड़दंग मचाने वाले लोगों की पहचान करने सत्यापन का काम शुरू कर दिया गया है। यह जानकारी एसपी अरविंद कुमार सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में षड्यंत्र की बू आ रही है। मंगला जुलूस में उपद्रव मचाने वाले चिन्हित हुड़दंगियों की सूची लगातार बढ़ती जा रही है। पर्दे के पीछे से इस घटना को अंजाम देने वाले दर्जनों असमाजिक तत्व पुलिस के रडार पर है। बहुत जल्द चिन्हित हुड़दंगियों के गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

उल्लंघन करने पर गंभीर सजा भुगतनी होगी

दूसरा मंगला जुलूस पर उपद्रव मचाने वाले लोगों की पहचान सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया पर जारी विडियो के माध्यम से की गई है। एसपी ने बताया कि ईद और रामनवमी में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर चार हजार लोगों को 107 का नोटिस थमाया गया है। जिन्हें एसडीओ कोर्ट में हाजिरी लगाने का निर्देश दिया गया है। जो लोग इसका उल्लंघन करेंगे। उन्हें गंभीर सजा भुगतनी होगी।

सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी

पिछले मंगला जुलूस को उत्पन्न हुए तनाव को देखते जिला पुलिस खास चौकसी बरत रहा है। रामनवमी में जुलूस के दौरान जिला बल के अलावा पांच हजार से अधिक केन्द्रीय पैरामिलिट्री फोर्स की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। भीड़ प्रबंधन पर पुलिस का ज्यादा फोकस है। पूरे शहर में सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन से निगरानी की तैयारी है।

भड़काऊ गाना बजाने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी

रामनवमी और ईद त्योहार को देखते हुए बड़कागांव थाना परिसर में शुक्रवार को शांति समिति की बैठक की गई। इसकी अध्यक्षता बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन थाना प्रभारी नेमधारी रजक ने की। इसमें दोनों समुदाय के लोग शामिल हुए।

त्योहारों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए

डीजीपी ने कहा त्योहारों पर रहे सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था मौके पर रहे पुलिस बल, सीएम योगी ने दी बधाई

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

डीजीपी प्रशांत कुमार ने ईद-उल फितर, चैत्र नवरात्र, रामनवमी आदि त्योहारों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उन्होंने सभी पुलिस कमिश्नर, एडीजी जोन, आईजी रेंज और जिलों के कप्तानों को सेक्टर व जोन में मजिस्ट्रेट एवं समकक्ष पुलिस अधिकारी की ड्यूटी लगाने को कहा। साथ ही, अतिसंवेदनशील स्थलों पर पुलिस पिकेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं राजपत्रित अधिकारियों के साथ पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया।

डीजीपी ने संवेदनशील स्थानो पर रूफटॉप ड्यूटी लगाने, ड्रोन कैमरों के माध्यम से मिश्रित एवं संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी करने, जुलूस के मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती करने, सीसीटीवी कैमरा लगाने को कहा। उन्होंने सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो पर और अधिक सतर्क दृष्टि रखते हुए लगातार मॉनिटरिंग करने, असत्य एवं भ्रामक सूचनाओं का तत्काल संज्ञान लेते हुए उनका खण्डन करने का निर्देश भी दिया। खासकर चैत्र नवरात्रि के दृष्टिगत अयोध्या, मिर्जापुर, बलरामपुर, वाराणसी आदि जगहों पर उच्च कोटि की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

सीएम ने चैत्र नवरात्र व झूलेलाल जयंती पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नव सम्वत्सर, चैत्र नवरात्र व झूलेलाल जयंती की प्रदेशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि व मंगलमय भविष्य की कामना भी की है। अपने संदेश में सीएम ने कहा है कि बासंतीय नवरात्रि प्रकृति और शक्ति की उपासना का पर्व है। इसमें उपवास, प्रार्थना व ध्यान का विशेष महत्व है। बासंतीय नवरात्र की प्रतिपदा से ही नववर्ष के पंचांग की गणना शुरू होती है। इस समय मौसम में बदलाव भी होता है। इसलिए धर्म, अध्यात्म, ज्योतिष के साथ-साथ वैज्ञानिक दृष्टि से भी नवरात्रि का महत्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्र का पर्व हमारे जीवन में एक नई उमंग, नये उत्साह के साथ-साथ समाज और देश के प्रति रचनात्मक सोच पैदा करता है। शक्ति का अनुष्ठान रचनात्मक व सृजनात्मक कार्यों के प्रति हो, नवरात्र के अवसर पर हम सभी को यही संकल्प लेना चाहिए। वहीं भगवान झूलेलाल जयंती के अवसर पर बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि भगवान झूलेलाल ने सद्भाव और एकता का संदेश देकर समाज को एक नई राह दिखाई।

सीजेरियन के दौरान महिला के पेट में डॉक्टरों ने छोड़ दी थी कैंची, 17 साल बाद हुआ खुलासा, पति ने दी तहरीर

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां कोऑपरेटिव सोसाइटी पंचायत लेखा परीक्षा उपनिदेशक ने 17 साल पहले पत्नी का सीजेरियन कराया लेकिन डॉक्टरों ने भूल से उसके पेट में ही कैंची छोड़ दी थी। ऑपरेशन के बाद से महिला को अक्सर दर्द रहने लगा। काफी इलाज कराने के बाद भी आराम नहीं मिल रहा था।

हालांकि कुछ समय पहले उपनिदेशक ने पत्नी का एक्सरे कराया तो पेट में कैंची होने का पता चला। अब उपनिदेशक ने गाजीपुर पुलिस को तहरीर दी है। इन्दिरानगर के रहने वाले उपनिदेशक अरविंद कुमार पांडेय के मुताबिक 26 फरवरी साल 2008 में पत्नी को लेबर पेन होने पर नर्सिंग होम ले जाया गया था। ऑपेशन से बच्चे का जन्म हुआ। इसके बाद से ही पत्नी की तबीयत अक्सर खराब रहने लगी। पेट में दर्द रहता था। कई डॉक्टरों को दिखाने पर भी तबीयत में सुधार नहीं हुआ। 17 साल से परेशान अरविंद कुमार ने कुछ समय पहले पत्नी का एक्सरे कराया। जिसकी रिपोर्ट आने पर पेट में कैंची होने का पता चला। डॉक्टर की इस हरकत के बारे में पता लगने पर परिवार डर गया। आनन-फानन में उपनिदेशक ने पत्नी को केजीएमयू में भर्ती कराया। जहां 26 मार्च को केजीएमयू में डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर पेट से कैंची निकाली। उधर गुरुवार को अरविंद पांडेय ने गाजीपुर कोतवाली में नर्सिंग होम की डॉक्टर के खिलाफ तहरीर दी। वहीं, इंस्पेक्टर विकास राय के मुताबिक तहरीर अभी प्राप्त नहीं हुई है।

यूपी से दिल्ली-मुंबई मार्ग पर चलाई जाएंगी 40 समर स्पेशल ट्रेनें

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

गर्मी की छुट्टियों में मुंबई और नई दिल्ली रूट पर यात्रा करने वालों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर मध्य रेलवे और उत्तर रेलवे ने विशेष ट्रेनों का शेड्यूल जारी कर दिया है। पहली सूची में 18 और दूसरी में 12 ट्रेन है। इसके अलावा अन्य ट्रेनों भी संचालित की जाएंगी। वंदेभारत एक्सप्रेस को भी विशेष ट्रेन के रूप में चलाने के लिए समय सारिणी जारी की गई। इन ट्रेनों का संचालन अप्रैल के प्रथम सप्ताह से शुरू होगा और जून के अंतिम सप्ताह से लेकर जुलाई के प्रथम सप्ताह तक चलेगा। ये ट्रेनें प्रयागराज जंक्शन और छिवकी रेलवे स्टेशन से मिलेंगी। ट्रेन नंबर 01415 पुणे गाजीपुर सिटी विशेष ट्रेन पांच अप्रैल से 28 जून तक हर शनिवार को चलेगी।

मथुरा में जल गई 50 बीघा गेहूं की फसल, रो पड़े किसान

एजेंसी ▶▶ मथुरा

मथुरा के बलदेव की गांव नगला मोहन व जुगसना में जर्जर विद्युत तारों के आपस में टकरा जाने से खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में आग लग गई। अग्नि ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग चारों ओर खेतों में फैलती चली गई, जिससे 50 बीघा गेहूं के खेतों में आग लगने से गेहूं की फसल पूरी तरह खाक हो गई। किसान पूरी तरह बर्बाद हो गए। इससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। हवा तेज चलने के कारण सूखी फसल होने से गेहूं के खेतों में आग विकराल रूप धारण करती चली गई।

पेज एक का शेष

म्यांमार की मदद के लिए...

सामग्री को प्राप्त करने के लिए भारत के राजदूत मौजूद थे। जिसे उन्होंने बाद में यांगून के मुख्यमंत्री को सौंप दिया। जल्द ही चार अन्य विमान और नौसेना के दो जंगी युद्धपोत आईएनएस सतपुड़ा और सावित्री भी राहत सामग्री के साथ म्यांमार पहुंचेंगे। म्यांमार में भारत के 15 हजार परिवारों में शामिल लगभग 50 से 60 हजार लोग रहते हैं। जो कि सुरक्षित हैं। भूकंप से उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। नेपीताव में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों की सुरक्षा, कल्याण के लिए डिजिटल माध्यमों से उनके संपर्क में है। हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। वहां पर भारतीय डायस्पोरा का आंकड़ा 2 मिलियन है।

भूकंप प्रभावितों को...

सेना का यह दस्ता पूरी तरह से प्रशिक्षित है। मंत्रालय ने कहा, बल की यह कवायद केंद्र सरकार के ऑपरेशन ब्रह्मा तहत की जा रही है। जिसे विदेश मंत्रालय और म्यांमार में मौजूद प्राधिकारियों के साथ उचित समन्वय के तहत संचालित किया जा रहा है।

सुनील अंबेकर बोले...

के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने कहा कि जब भी डॉ. भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मिलते हैं, तो वे देश और आरएसएस के बेहतर कार्यों पर चर्चा करते हैं। मोदी 30 मार्च को महाराष्ट्र के नागपुर का दौरा करेंगे जहां वे आरएसएस के स्मृति मंदिर, दीक्षाभूमि, माधव नेत्रालय और सोलर इंडस्ट्रियल एक्सप्लोसिव्स का दौरा करने वाले है।

नई दिल्ली में हरियाणा...

मंत्री जयंत चौधरी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय ऊर्जा मंत्री व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल के साथ सतीश पूनियां ने शिष्टाचार मुलाकात कर प्रदेश के विभिन्न विकास के मुद्दों पर सकारात्मक बातचीत हुई।

छत्तीसगढ़ के...

को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। जहां सुबह 6 बजकर 50 मिनट में गोलीबारी शुरू हुई। इस ऑपरेशन में घायल हुए दोनों जवानों को उपचार के लिए रायपुर भेजा जाएगा। वहीं मुठभेड़ को एसपी किरण चव्हाण ने वॉर रूम से मॉनीटर किया है। मुठभेड़ के दौरान ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं।

15 लाख रु. की रिश्वत...

मैंने कोई अपराध नहीं किया है और पूरे मुकदमे के दौरान मेरे खिलाफ कोई भी ऐसा आरोप नहीं मिला है जिससे मुझे दोषी ठहराया जा सके। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 84 गवाहों का हवाला दिया, लेकिन केवल 69 की ही जांच की गई। इस साल फरवरी में हाई कोर्ट ने सीबीआई को चार हफ्ते के अंदर 10 गवाहों से फिर से पूछताछ करने की इजाजत दी और आगे ट्रायल कोर्ट से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि कोई भी गैर जरूरी स्थगन न दिया जाए।

क्या है पूरा मामला : यह पूरा का पूरा मामला साल 2008 का है, जब जस्टिस कौर के घर पर एक क्लर्क को 15 लाख रुपए की नकदी से भरा एक पैकेट मिला था। कथित तौर पर यह पैकेट जस्टिस यादव के लिए था और एक जैसे नाम होने की वजह से गलत पहचान के चलते दूसरे जज के घर पहुंचा दिया गया था। जस्टिस कौर ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश और चंडीगढ़ पुलिस को इसकी जानकारी दी। इसके बाद 16 अगस्त 2008 को एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि, 10 दिन बाद तत्कालीन यूटी प्रशासक जनरल एसएफ रोड्रिग्स ने मामले को सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया। सीबीआई ने 28 अगस्त 2008 को एक नई एफआईआर दर्ज की।

2011 में जस्टिस...

पहुंची। उन्होंने कहा कि यह बिना सबूत का मामला है और ट्रायल कोर्ट को उनके खिलाफ आरोप तय करने से रोका जाना चाहिए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट संतुष्ट नहीं हुआ और याचिका खारिज कर दी।

स्पर्श पोर्टल से ऑनलाइन...

व्यापकता, पारदर्शिता के साथ देखते हुए एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करना था। अब केवल 1 लाख लोग बाकी बचे हुए हैं। जिन्हें इस पोर्टल से जोड़ा जाना है। पेंशनभोगियों को मदद देने के लिए 200 डीएडी कार्यालय, 16 बैंक शाखाएं और 5 लाख सीएससी मदद प्रदान कर रहे हैं।

टोल फ्री नंबर...

से प्रशिक्षित स्टाफ मदद करते हैं। दिसंबर 2014 से इसकी शुरुआत के बाद से लेकर अब तक इस हेल्पलाइन पर कुल करीब 50 लाख से अधिक कॉल का जवाब दिया जा चुका है।

सांगा पर आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा का बड़ा बयान

उसने हिंदुस्तान पर हमला नहीं किया था

बाबर को भारत में बुलाया, फिर धोखा दिया, सौगात-ए-मोदी पर भी भड़के

एजेंसी ▶▶ बरेली

आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने कहा कि इन दिनों औरंगजेब का जिक्र बहुत चला। इसके लिए हिंदूवादी संगठनों का शुक्रिया, जिनकी वजह से हमारे बच्चों ने जाना कि औरंगजेब क्या था। वह आम हिंदू जो इन बातों को नहीं समझते थे। या समझना नहीं चाहते हैं। उन्होंने भी यह समझ लिया है कि बाबर असल में हिंस्दुतान आया नहीं था। उसे बुलाया गया।

बाबर ने हिंदुस्तान पर कभी हमला नहीं किया। राणा सांगा के कहने पर उसने इब्राहिम मोदी पर हमला किया था। तौकीर ने कहा कि राणा सांगा चाहते थे कि बाबर दिल्ली से दबाव बनाए, हम उधर से आगरा की तरफ दवाब डालते हैं। सांगा ने जो वादा किया था, उससे वादाखिलाफी की। उन्होंने आगरा की तरफ से हमला नहीं किया। राणा सांगा की कोशिश यह थी कि बाबर दिल्ली को तहस नहस कर लूटे और चला जाए। उसके बाद वह वहां कब्जा कर लें, लेकिन उनकी वादाखिलाफी से नाराज होकर बाबर यहां रुका। फिर राणा सांगा पर हमला किया।

फिरकापरस्ती के खिलाफ लड़ेंगे

आईएमसी प्रमुख ने कहा कि हुकूमतों ने मुसलमानों के खिलाफ जंग का एलान कर रखा है। मुख्यमंत्रियों में होड़ चल रही है कि कौन कितना बड़ा हिंदू है। जो मुसलमानों का ज्यादा सता सकता है, वह सबसे बड़ा हिंदू है। हरियाणा में ईद की छुट्टी निरस्त कर दी गई। इस किस्म की हरकतें हो रही हैं। मौलाना ने कहा कि नए जोश से फिरकापरस्ती के खिलाफ लड़ेंगे। मुख्यमंत्री योगी भी कहेंगे कि अगर वह धर्म में विश्वास रखते हैं, अगर सच्चे हिंदू हैं, ईश्वर के नाम पर जो शपथ ली है, उसका लिहाज करें।

मुसलमानों से दुश्मनी में देश को नुकसान

मौलाना ने कहा कि मुसलमानों से दुश्मनी में देश को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यह देश के साथ अन्याय है। जब जब हम पर बेईमानी से हमला करेंगे, नुकसान उठाएंगे। औरंगजेब का मुद्दा न उठाया तो नरेंद्र मोदी ने सौगात-ए-मोदी का कदम न उठाया होते। देश का गुलाम और भिखारी बनाने का काम किया जा रहा है। यह सौगात नहीं है, देश के पैसे की बर्बादी है। सिर्फ इसलिए उनका फोटो मुसलमानों के घरों तक पहुंच जाए। मोदी का जीएसटी और औरंगजेब का जजिया बराबर है।

कल्पना कीजिए अगर हम हंसे नहीं, कोई हमें हंसाए नहीं तो जीवन में कितनी बोझिलता, नीरसता आ जाएगी! इस नीरसता को दूर करने के लिए हजारों साल से जोक्स सुनने और सुनाने की परंपरा बरकरार है। आज के दौर में इसकी महत्ता और बढ़ गई है। अप्रैल फूल हमें अपनों के साथ ऐसे ही जोकिंग का अवसर देता है, जिसे हमें बिल्कुल मिस नहीं करना चाहिए।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

सुनिए-सुनाइए जोक्स
लाइफ बनेगी हेल्दी-हैप्पी

***डॉक्टर:** चिंता मत करो, यह छोटी सी सर्जरी है, घबराने की कोई बात नहीं!*
***मरीज:** लेकिन डॉक्टर, मैं तो ऑपरेशन के लिए नहीं आया था!*
***डॉक्टर:** अरे हां, सॉरी! मुझे आदत हो गई है ऐसा कहने की..!*

यह जोक सरप्राइज एलिमेंट (अचानक ट्विस्ट) पर आधारित है, जो दिमाग को एक पल में चौंकाकर हंसा देता है। ऐसा होते ही अचानक पैदा हुआ तनाव गायब हो जाता है, जिससे मूड हल्का और फ्रेश महसूस होता है। कुछ सेकेंड्स का एक जोक या चुटकुला हमें पलभर में तरोताजा कर देता है, क्योंकि जोक्स का प्रभाव हमारे दिमाग और शरीर दोनों पर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा मस्तिष्क एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) छोड़ता है, जिससे तनाव कम होता है और हम रिलैक्स महसूस करते हैं। इसके अलावा, हंसी से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, मांसपेशियों में आराम आता है और मूड फ्रेश हो जाता है। शायद इसी की महत्ता को समझते हुए अप्रैल फूल-डे जैसे आयोजनों की शुरुआत हुई।

हजारों साल पुरानी परंपरा: दुनिया में जोक्स और हास्य की परंपरा उतनी ही पुरानी है, जितना पुराना खुद इंसान है, इंसानी सभ्यता है। सबसे पुराने दर्ज जोक्स लगभग 4000 साल पुराने हैं। दुनिया के सबसे पुराने दर्ज जोक्स प्राचीन मेसोपोटामिया (1900 ईसा पूर्व) के हैं। प्राचीन मिस्र (1600 ईसा पूर्व) की सभ्यता में फिरौन के दरबारों में भी जोक्स सुनाए जाते थे। एक मशहूर चुटकुला इस तरह है- 'एक फिरौन अपनी नाव में यात्रा कर रहा था। एक भविष्यवक्ता ने कहा कि वह बहुत लंबी उम्र जिएगा। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 100 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-हां। फिरौन ने पूछा-क्या मैं 200 साल जिऊंगा? भविष्यवक्ता बोला-बिल्कुल! फिरौन खुश हुआ और कहा-तो मैं अमर हूं! भविष्यवक्ता ने कहा-नहीं, लेकिन जब तक तुम मुझसे सवाल पूछते रहोगे, तब तक मैं हां कहता रहूंगा!'

वास्तव में यह राजाओं की चापलूसी और भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाने का तरीका था। ग्रीक दार्शनिक प्लेटो और अरस्तू ने भी हास्य को जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में देखा है। प्राचीन एथेंस में एक जोकर क्लब था, जिसके दर्जनों जोक्स आज भी मिलते हैं, मसलन- 'एक आदमी डॉक्टर के पास गया और कहा- जब मैं आंखें खोलता हूं, तो मुझे कुछ नहीं दिखता! डॉक्टर बोला- तो आंखें बंद करके देखो!'

भारतीय इतिहास में भी है जिक्र: मिस्र और एथेंस की तरह प्राचीन भारत में भी संस्कृत साहित्य (नाट्यशास्त्र, पंचतंत्र, हितोपदेश, विदूषक पात्र) में हास्य व्यंग्य का भरपूर जिक्र मिलता है। पंचतंत्र की कहानियों में चतुराई भरे जोक्स और व्यंग्य हैं। भारतीय इतिहास में राजाओं के दरबारों में विद्वान विदूषकों जैसे तेनालीराम और बीरबल की भी मौजूदगी रही है, जो अपने बुद्धि-कौशल से सिर्फ दरबार का माहौल ही बोझिल होने से नहीं बचाते थे बल्कि हतप्रभ करने वाली चतुराई भरी बातें करके राजा सहित दरबारियों को हैरान कर देते थे, जिससे सभी तरोताजा महसूस करते थे।

नए दौर में जोक्स का जलवा: जोक्स का आधुनिक और व्यापक दौर 18वीं-19वीं शताब्दी में अखबारों और किताबों में जोक्स छपने से शुरू हुआ। बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध तक रेडियो, टीवी के कॉमेडी शो और स्टैंड-अप कॉमेडी से जोक्स हर जगह और अधिकतर लोगों तक पहुंचने लगे। इस 21वीं शताब्दी में इंटरनेट, सोशल मीडिया और मीम्स के रूप में जोक्स का जलवा हम सब देखते हैं। वास्तव में जोक्स का सबसे तेज और वैरायटी से भरा विकास इसी दौर में हो रहा है।

इसलिए जरूरी हैं जोक्स: सवाल है हर सभ्यता में, हर दौर में यानी जीवन में हमेशा जोक्स क्यों जरूरी माने जाते रहे हैं? जवाब है- जोक्स केवल हंसाने भर के लिए नहीं होते, बल्कि ये मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंध और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये हमारे तनाव को कम करते हैं, हमें हंसाते हैं और हंसने से शरीर में एंडोर्फिन (खुशी के हार्मोन) का स्तर बढ़ता है, जो तनाव और दर्द दोनों को गायब करने में मदद करता है। चुटकुलों या जोक्स से इंसान को मनोवैज्ञानिक सुरक्षा मिलती है, क्योंकि कठिन परिस्थितियों में हास्य एक सुरक्षातंत्र की तरह काम करता है, जिससे व्यक्ति समस्याओं को हल्के-फुल्के तरीके से देख पाता है। साथ ही जोक्स हमें सामाजिक रूप से लोगों के साथ जोड़ता है। जोक्स साझा करने से लोगों के बीच नजदीकी बढ़ती है और यह सोशल बॉन्डिंग को मजबूत करता है। साथ ही जोक्स से हमारी क्रिएटिविटी बढ़ती है। हास्य हमें चीजों को नए नजरिए से देखने और समस्याओं का हल अनोखे तरीके से निकालने में मदद करता है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि आधुनिक तनाव भरी जीवनशैली में जोक्स और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गए हैं, क्योंकि आज अधिकांश लोग काम के दबाव, सोशल मीडिया, आर्थिक चिंताओं और रिश्तों की उलझनों से घिरे रहते हैं। ऐसे में हास्य और जोक्स बेहद जरूरी हो गए हैं। *

जोक्स सुनाने वाले होते हैं ज्यादा स्मार्ट

ऐसा देखा गया है कि सामान्य तौर पर, अच्छा सेंस ऑफ ह्यूमर किसी व्यक्ति की बुद्धिमत्ता (आईक्यू) और भावनात्मक समझ (ईक्यू) दोनों के बेहतर होने का सबूत होता है। क्योंकि जोक्स बनाने और सुनाने के लिए तेज दिमाग और सोचने की त्वरित क्षमता यानी 'क्विक विट' की जरूरत होती है। यही नहीं मजेदार लोग आमतौर पर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स और लोगों को बेहतर पढ़ने और समझने की क्षमता रखते हैं। ऐसे लोग चीजों को अलग-अलग दृष्टिकोण से देखने में सक्षम होते हैं, जिससे वे मुश्किल परिस्थितियों से आसानी से निपट लेते हैं। इसलिए, जोक्स और हास्य में रुचि रखने वाले लोग अकसर ज्यादा स्मार्ट होते हैं। कई शोधों में पाया गया है कि महिलाएं मजाकिया और हंसाने वाले पुरुषों की तरफ अधिक आकर्षित होती हैं। जो लोग मजाकिया होते हैं, वे आमतौर पर आत्मविश्वासी होते हैं और पुरुषों का आत्मविश्वास महिलाओं को हमेशा आकर्षित करता है। मजाकिया लोग अकसर दूसरों के साथ घुल-मिल भी बहुत जल्दी जाते हैं, जिससे वे ज्यादा सामाजिक दिखते हैं।

अप्रैल फूल-डे स्पेशल

अप्रैल फूल डे यानी मूर्ख दिवस आज भले ही दुनिया भर में लोग मनाते हैं। लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर अनेक तरह की मान्यताएं और किंवदंतियां प्रचलित हैं। अप्रैल फूल डे के इतिहास और इससे जुड़े तथ्यों पर एक नजर।

दिलचस्प-विविधतापूर्ण
अप्रैल फूल का इतिहास

परंपरा
अंजू जैन

अप्रैल फूल के दिन यानी पहली अप्रैल को झूठी बातों से मूर्ख बनाने या मजाक करने का सिलसिला सदियों से चला आ रहा है। हालांकि इस दिवस की वास्तविक शुरुआत अज्ञात है, लेकिन इसकी शुरुआत को लेकर तरह-तरह के दिलचस्प और रहस्यमय किस्से प्रचलित हैं।

हास्य कथा से शुरुआत

अप्रैल फूल से जुड़ी एक मान्यता है कि इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में फ्रांस में हुई थी। अप्रैल फूल दिवस पर सबसे पहला प्रैंक 1 अप्रैल 1698 को खेला गया था। यह मजाक लंदन के एक समाचार पत्र में प्रकाशित हास्य खबर थी। इसमें मजाकिया अंदाज में लिखा गया था कि दिन के समय चंद्रमा पृथ्वी से दिखाई दिया था।

मध्यकाल के हिलारिया से शुरुआत

कुछ इतिहासकारों ने अप्रैल फूल डे को प्राचीन रोमन उत्सव हिलारिया से जोड़ा है। देवताओं की माता साइबेले के सम्मान में 25 मार्च को मनाया जाने वाला यह उत्सव लोगों को भेष बदलने के लिए प्रेरित करता था। यह खेल और शरारतों का दिन माना जाता था। लोग तरह-तरह की अनूठी वेशभूषा पहन कर एक-दूसरे के साथ मजाक करते थे। वर्ष का पहला दिन यानी उत्सव का दिन, जो रात से अधिक लंबा था और इसे एक नए, बेहतर मौसम और उदास सर्दियों के अंत का जश्न मनाने में बिताया गया था। हिलारिया के दौरान कई प्रकार के खेल और मस्ती मनोरंजन किए जाते थे। इसमें छद्म वेश धारण कर लोग अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति की नकल करते थे।

कैलेंडर बदलाव के साथ शुरुआत

एक लोकप्रिय मान्यता यह है कि इसकी शुरुआत 1582 में हुई। उस समय फ्रांस ने जूलियन से बदल कर

ग्रेगोरियन कैलेंडर शुरू किया था। इस बदलाव से पहले, लोग अप्रैल में नया साल मनाते थे। जब तारीख 1 जनवरी को बदल दी गई, तो भी अज्ञानतावश कुछ लोगों ने इसे मार्च के अंत में मनाना जारी रखा और मजाक का पात्र बन गए और उन्हें 'अप्रैल फूल' कहा गया। *

कुछ दिलचस्प तथ्य-मान्यताएं

मूर्ख दिवस की शुरुआत को लेकर कुछ और मान्यताएं भी प्रचलित हैं।

- ईरान में अप्रैल फूल दिवस, फारसी नववर्ष के 13वें दिन मनाया जाता है, जो आमतौर पर 1 अप्रैल के आस-पास होता है।
- अमेरिकी कार्टूनिस्ट चार्ल्स शुल्ज द्वारा बनाई गई प्रसिद्ध कॉमिक स्ट्रिप 'पीनट्स' में अप्रैल फूल नामक एक पात्र था, जो अपने दोस्तों के साथ शरारतें करता था।
- मध्ययुगीन यूरोप में 'मूर्खों का पर्व' मनाया जाता था, जो मजाक का दिन था। वहां लोग एक नकली बिशप या पोप का चुनाव करते थे और मजाक में शामिल होते थे। कुछ हद तक, अप्रैल फूल दिवस को सर्दियों के अंत और वसंत की शुरुआत को चिन्हित करने वाले त्योहारों से जोड़ा जा सकता है।
- इंग्लिश लेखक और कवि जेफ्री चौसर की द कैंटरबरी टेल्स (1392) में 1 अप्रैल और मूर्खता के बीच पहली बार कनेक्शन दर्ज किया गया था। 'द नंस प्रीस्ट्स टेल' नामक कथा में चैंटिकलर का वर्णन है, जो एक घमंडी मुर्गा है, जिसे एक चालाक लोमड़ी द्वारा धोखा दिया जाता है।
- स्कॉटलैंड में अप्रैल फूल दिवस को पारंपरिक रूप से 'हंटिगॉक डे' कहा जाता था, जो 'हंट द गॉक' से निकला है, 'गॉक' शब्द स्कॉटिश भाषा में कोयल या मूर्ख व्यक्ति के लिए इस्तेमाल होता है। यह स्कॉटिश परंपरा दो दिवसीय कार्यक्रम बन गई, जिसमें लोगों को नकली कामों (हंकटिंग द गॉक) पर भेजा जाता था, उसके बाद टेल डे मनाया जाता था, जिसमें लोगों की पीठ पर नकली पूंछ या 'मुझे लात मारो' के चिन्ह लगाने जैसे मजाक करना शामिल था।

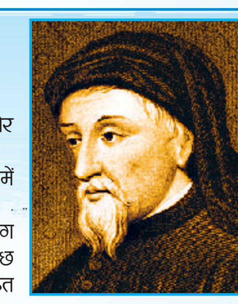

कवि जेफ्री चौसर

एंज्वॉयमेंट
शिखर चंद जैन

अप्रैल फूल डे पर हम सब एक-दूसरे के साथ प्रैंक करते हैं, मजा लेते हैं। यहां आपको कुछ ऐसे प्रैंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो मशहूर कंपनियों ने बड़े स्तर पर लोगों से किए।

अप्रैल फूल के मजेदार-अनूठे प्रैंक

पहली अप्रैल को मित्र मंडली में एक-दूसरे से हंसी-मजाक करने और मूर्ख बनाने की परिपाटी दशकों से है। लेकिन इस मजाक मस्ती में बड़ी-बड़ी कंपनियां, सर्च इंजन और सेलिब्रिटीज भी पीछे नहीं हैं। इनमें से कुछ के बारे में आप भी जानिए।

अमेजन का पेटलेक्सा: वर्ष 2017 में, अमेजन ने एलेक्सा की तर्ज पर पालतू जानवरों के लिए एक वॉयस असिस्टेंट, पेटलेक्सा की घोषणा की। इस मजेदार वीडियो में कुत्तों और बिल्लियों को अमेजन इको डिवाइस के साथ बातचीत करते हुए दिखाया गया था। इसमें पालतू जानवरों के लिए ट्रीट ऑर्डर करना, उनके लिए संगीत बजाना और यहां तक कि उनके भौंकने को मानवीय भाषा में अनुवाद करना भी शामिल था। पालतू जानवरों के मालिक इस नए आईडिया से हैरान हुए लेकिन यह सिर्फ एक मजाक था।

वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस का डॉग क्रू प्रैंक: वर्ष 2017 में वर्जिन ऑस्ट्रेलिया एयरलाइंस ने अप्रैल फूल के दिन अपने यात्रियों के बीच समाचार फैलाया कि अब उन्हें दुनिया की पहली डॉग इनफ्लाइट क्रू मेंबर टीम मिलेगी। इसमें वे अपने कुत्ते के साथ गलियारे में टहलते हुए, समय बिताने के लिए प्यारे कुत्तों को गले लगाने तक, डॉग क्रू की नई सेवाएं ले सकते हैं। बाद में लोगों को असलियत का पता चला तो उन्हें अपने आप पर खूब हंसी आई।

गूगल का 'माइक ड्रॉप' ई-मेल बटन: गूगल ने वर्ष 2016 में अप्रैल फूल बनाने के लिए जी-मेल में 'माइक ड्रॉप' बटन पेश किया, जिससे इसके यूजर माइक्रोफोन गिराने का जीआईएफ वाला ई-मेल भेज सकते थे। दुर्भाग्य से, इससे काफी गड़बड़ियां हो गईं। गलत मैसेज जाने पर कुछ लोगों की तो नौकरियां चली गईं। गूगल को माफी मांगते हुए तुरंत इसे बंद करना पड़ा।

कांच के बॉटम वाला हवाई जहाज: एक बार वर्जिन अटलांटिक एयर लाइंस ने अफवाह फैला दी कि इसके पास अब ग्लास-बॉटम वाले यानी पारदर्शी तल वाले विमान भी हैं। उन्होंने 'दुनिया के पहले ग्लास-बॉटम वाले विमान' के समाचारों के साथ सुर्खियां बटोरीं। नए विमान की तस्वीरें खूब प्रसारित की गईं। उनके इस मजाक पर लोगों ने यकीन भी कर लिया।

टैको लिबर्टी बेल: वर्ष 1996 से अब तक के सबसे बेहतरीन अप्रैल फूल मजाक में शामिल इस शिगूफे में टैको बेल नामक कंपनी ने अखबारों में विज्ञापन देकर कहा कि उसने ऐतिहासिक और नेशनल आइकन लिबर्टी बेल को खरीद लिया है। यह इतना गंभीर और वास्तविक मजाक था कि कुछ सीनेटर भी इस मजाक में फंस गए। बाद में नेशनल पार्क सर्विस ने इस खबर का खंडन करने के लिए एक प्रेस कांफ्रेंस भी की। दोपहर में, फास्ट-फूड चेन ने मजाक को स्वीकार किया और कहा कि वह इस ऐतिहासिक घंटी की देखभाल के लिए 50,000 डॉलर का दान कर रही है।

हवाई अड्डे पर कर दिया कंफ्यूज: वर्ष 1992 में लॉस एंजिल्स हवाई अड्डे पर विमान यात्री ज्यों ही उतरे, वे एक बैनर देखकर चकरा गए कि उन्होंने तो लॉस एंजिल्स की फ्लाइट पकड़ी थी फिर पायलट उन्हें शिकागो कैसे ले आया? इस बैनर पर लिखा था, शिकागो में आपका स्वागत है। यह 85 फीट लंबा पीला बैनर था, जिस पर 20 फीट लंबे लाल अक्षरों में ऐसी घोषणा थी। यह बैनर हॉलीवुड पार्क रेस ट्रैक के ठीक ऊपर लटका हुआ था और आने वाले प्रत्येक यात्री को दिखाई दे रहा था। लेकिन जल्द ही वास्तविक स्थिति सबको बता दी गई।

बीएमडब्ल्यू की सेल्फ-क्लीनिंग कार: 2019 में कार कंपनी बीएमडब्ल्यू ने एक वीडियो जारी कर दावा किया कि उन्होंने एक सेल्फ-क्लीनिंग कार विकसित की है। वीडियो में एक कार को ब्रश और पानी के जेट से खुद ही साफ होते हुए दिखाया गया था। वास्तव में यह एक बड़ा प्रैंक था। *

व्यंग्य कविता
हरीश कुमार 'अमित'

करते रहते घोटाले

करते रहते घोटाले
कितने हिम्मत वाले हैं।
इनके सारे ही 'करतब',
बिल्कुल तवे-से काले हैं।
पुलिस का इनको खौफ नहीं,
नेताजी इनके साले हैं।
यार-दोस्त इनके सारे,
चक्कू-पिस्टल वाले हैं।

एक नहीं, कई दर्जन,
गुर्गे इन्होंने पाले हैं।
इनसे पंगा मत लेना,
नहीं बख्शने वाले हैं।
ब्लैकमनी को कर दें 'व्हाइट',
इनके खेल निराले हैं।
ये छोटे पैग दूर हटाओ,
ये पीते पटियाले हैं।

स्मरण
चंद्रप्रकाश

अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस: 2 अप्रैल, विशेष

एक से बढ़कर एक शानदार परीकथाओं के लेखक हैंस क्रिश्चियन एंडरसन के जन्मदिन (2 अप्रैल) को अंतरराष्ट्रीय बाल पुस्तक दिवस के रूप में मनाते हैं। इस अवसर पर उनके रचनात्मक अवदान पर एक दृष्टि।

परीकथाओं का महान चितेरा
हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

आगामी 2 अप्रैल को हैंस क्रिश्चियन एंडरसन (1805-1875) का जन्मदिन है। वह एक महान किस्सागो थे, जिन्होंने अपने जीवन में अनेक पुस्तकें लिखीं। लेकिन दुनिया भर में उन्हें उनकी लिखी हुई बच्चों की परीकथाओं की वजह से ज्यादा जाना जाता है। उनकी लिखी एक सौ छप्पन परीकथाएं, नौ किताबों में संकलित हैं। इनके दुनिया भर में एक सौ साठ से अधिक भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। कुछ देशों में तो उनकी कहानियां स्कूलों में पाठ के रूप में पढ़ाई भी जाती हैं। ये कहानियां, बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर वर्ग के बीच पढ़ी और सराही जाती हैं। यह अपनी तरह की बड़ी मिसाल है। बेशक इस काम में डिज्नी की एनिमेटेड फिल्मों ने भी अपना एक बड़ा योगदान दिया है।

एंडरसन का रचना संसार: एंडरसन का जन्म डेनमार्क में कोपेनहेगन के नजदीक ओडेंस नामक स्थान में हुआ था। गरीब और पिछड़े घर में जन्म लेने के कारण इन्हें जीवन भर संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने शुरू में कुछ नाटक लिखे फिर कुछ आत्म-कथात्मक उपन्यास। उनकी पहली कहानियों की किताब 'बच्चों के लिए कहानियां' साल 1835 में छपकर आई। इसमें एंडरसन ने एक साथ नौ परीकथाएं संकलित की थीं। उनका कहानियां लिखने का यह काम आगे भी लगातार जारी रहा। एंडरसन का कहानी कहने का तरीका काफी अलग और अनोखा था। वे अपनी कल्पना की ताकत के साथ लोक-कथाओं की सरलता भी पिरो देते थे। इससे उनकी ये कहानियां अपने में विभिन्न संस्कृतियों की बातें भी कहती दिखती थीं। इस विषेशता के कारण उनका नाम यूरोप समेत पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हो गया।

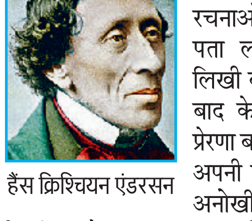

हैंस क्रिश्चियन एंडरसन

जीवन में किया भरपूर संघर्ष: एंडरसन महान लेखक थे, लेकिन उनके जीवन में भी कम संघर्ष नहीं थे। एंडरसन बड़े हिम्मती और जुझारू थे। वे अपने अकेलेपन और दुख को बड़ी कुशलता से अपनी कहानियों का हिस्सा बना देते थे। उनकी यह सजगता उनकी लिखी कहानियों को सुंदर बनाती है। उनकी यह विशेषता, एंडरसन के जीवन की घटनाओं और उनकी बहुत सी रचनाओं पर शोध करने वालों ने पता लगाई है। एंडरसन की लिखी बहुत सी कहानियां उनके बाद के बहुत से लेखकों की प्रेरणा बनीं। उन्होंने भी इनका मर्म अपनी तरह से समझते हुए कई अनोखी रचनाएं की हैं।

एंडरसन की कुछ खूबियां और भी थीं, जिससे वे गजब के कलाकार भी माने जाते थे। वे अपने शुरू के दिनों से नाटकों की दुनिया से जुड़े थे। इसके अलावा कलम और ब्रश की मदद से स्याही के चित्र भी बना लेते थे। कागज की कतरनें चिपका कर कोलाज बनाना भी उन्हें पसंद था। इसके अलावा वे अनोखे किस्सागो थे। जो बच्चों के बीच अकसर किस्से सुनाते हुए बातों-बातों में कैंची से किसी कागज को काटकर तरह-तरह की आकृतियां बना देते थे। अंग्रेजी में इस तरीके से बनी आकृतियों को 'सिल्हूट' कहा जाता है। कुछ साल पहले जर्मनी के ब्रेमेन शहर में एंडरसन के ऐसे ही बहुत से तरह-तरह के चित्रों को जुटाकर एक बड़ी प्रदर्शनी में दिखाया गया था।

संजोई गई हैं उनकी स्मृतियां: आज भी एंडरसन की याद और सम्मान में दुनिया के कोने-कोने में तरह-तरह की बहुत सी गतिविधियां होती रहती हैं। इनमें उन पर डाक-टिकट निकालने से लेकर किसी अवसर-विशेष पर प्रदर्शनियां लगाने और जगहों के नाम रखने की बातें भी शामिल हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

टाइट है हिंदी मीडियम

प्रभात रंजन जिस भी विधा में लिखते हैं, अपने अलहदा अंदाज में लिखते हैं। हाल में ही उनकी लिखी एक किताब आई है- हिंदी मीडियम टाइट। इसे किसी एक विधा में बांधकर नहीं देखा जा सकता है। इसे पढ़ते हुए संस्मरण, रेखाचित्र और व्यंग्य शैली में लिखे गए आत्मकथात्मक उपन्यास का आनंद एक साथ लिया जा सकता है। इसमें प्रभात ने दिल्ली के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज में बिताए अपने छात्र जीवन की उन स्मृतियों को संजोया है, जिससे उस दौर में हिंदी पढ़ने और पढ़ाने वालों की हीन भावना प्रकट होती है। कहना चाहिए कि इसके बहाने लेखक ने उस सामाजिक मानसिकता को भी उजागर किया है, जो एक भाषा का जानकार होते हुए भी दूसरी प्रतिष्ठित मानी जाने वाली भाषा पर कमजोर पकड़ के कारण, पूरे व्यक्तित्व को हीनता बोध से ग्रस्त कर देती है। यह किताब हिंदी प्रेमियों, हिंदी के छात्रों, हिंदी के अध्यापकों और हिंदी साहित्यकारों को ही नहीं, हर उस व्यक्ति को भी पढ़नी चाहिए, जो हिंदी को एक भाषा के रूप में नहीं देखते बल्कि पढ़े-लिखे और संभ्रांत समाज में प्रतिष्ठित होने के लिए गैरजरूरी मानते हैं। *

पुस्तक: हिंदी मीडियम टाइट, **लेखक:** प्रभात रंजन,
मूल्य: 225 रुपए, **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

'मेगा वितरण' कार्यक्रम में लाभार्थियों को 16377 उपकरण, मशीन व टूलकिट का वितरण

- ग्रामोद्योग विकास योजना और खादी विकास योजना में 5 लाख से अधिक खादी कारीगर और लाभार्थी हुए लाभान्वित
- पीएमईजीपी योजना के तहत 14456 नई इकाइयों को 469 करोड़ रुपए की मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण
- 159016 नए रोजगार का हुआ सृजन

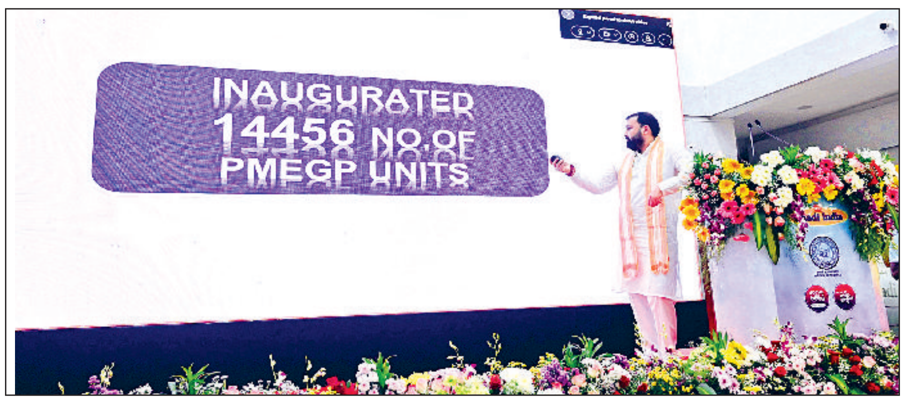

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) भारत सरकार ने अपने केंद्रीय कार्यालय मुंबई में वर्चुअल माध्यम से अब तक का सबसे बड़ा और व्यापक 'मेगा वितरण' कार्यक्रम आयोजित किया। इसके तहत 5 लाख से अधिक खादी कारीगर, उद्यमी और लाभार्थी लाभान्वित हुए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने वर्चुअल माध्यम से देशभर के लाखों कारीगरों को संबोधित किया।

'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से जुड़ने की अपील

केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से खादी और ग्रामोद्योग आयोग के उत्तर जोन के सदस्य नागेंद्र रघुवंशी, पूर्वी जोन के सदस्य मनोज कुमार सिंह, एमएसएमई मंत्रालय से संयुक्त सचिव (एआरआई) विपुल गोयल, आर्थिक सलहकार (एमएसएमई) सुश्री सिमी चौधरी और केंद्रीय कार्यालय, केवीआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साथ आयोग के देश भर के क्षेत्रीय कार्यालय से अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित

44 नवीनीकृत खादी भवनों और 750 खादी वर्कशेड का उद्घाटन

कार्यक्रम में ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत देशभर के सभी 6 जोन (पूर्वी जोन, पश्चिमी जोन, उत्तर जोन, दक्षिण जोन, मध्य जोन और पूर्वोत्तर जोन) के राज्य और मंडलीय कार्यालयों से संबद्ध लाभार्थियों को 16377 उपकरण, मशीन व टूलकिट का वितरण किया गया। खादी विकास योजना के तहत 44 नवीनीकृत खादी भवनों और 750 खादी वर्कशेड का उद्घाटन भी किया गया। इस मौके पर प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर में 14456 पीएमईजीपी इकाइयों को 1399.13 करोड़ रुपए के स्वीकृत ऋण पर 469 करोड़ रुपए मार्जिन मनी सब्सिडी का संवितरण किया गया। इसमें 159016 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। 5000 नई पीएमईजीपी इकाइयों का भी ऑनलाइन उद्घाटन भी किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 58850 लाभार्थियों को 2175 करोड़ रुपए की मार्जिन का संवितरण किया गया, जिससे 64,73,50 रोजगार सृजित हुए।

अब तक के सबसे व्यापक और वृहद टूलकिट वितरण कार्यक्रम आयोजित

वर्चुअल माध्यम से कुल 16,377 टूलकिट और उपकरणों का वितरण किया गया, जिसमें 3,950 बी-बॉक्स, 7,067 विद्युत चालित चाक, 1,350 चर्म उत्पाद मरम्मत टूलकिट, 390 जूता निर्माण उपकरण, 420 इलेक्ट्रिशियन टूलकिट, 80 एसी मरम्मत टूलकिट, 300 प्लंबर टूलकिट, 60 मोबाइल रिपेयरिंग टूलकिट, 971 सिलाई मशीनें, 278 हैंडमेड पेपर मेकिंग मशीनें, 349 स्वचालित अगरबत्ती मेकिंग मशीनें, 60 पैडल चालित अगरबत्ती मेकिंग मशीनें, 320 टर्नवुड मशीनें, 180 वुडन टॉय मेकिंग मशीनें, 460 वेस्टवुड क्राफ्ट मशीनें और 292 कृषि आधारित खाद्य प्रसंस्करण मशीनें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त पेयजल व्यवस्था की जाए

20 शासकीय सेवकों के विरुद्ध निलंबन और नोटिस जारी करने की होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समाधान ऑनलाइन में आए विभिन्न प्रकरणों में लापरवाही बरतने वाले 20 अधिकारी-कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने पेयजल प्रदाय में अव्यवस्था के दोषी ठेकेदार को अर्थदंड से दंडित किया गया। शुक्रवार को समाधान ऑनलाइन में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज प्रकरणों में से ऐसे प्रकरणों का समाधान किया गया, जिनका 8लंबे समय से समाधान लंबित था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान ऑनलाइन में शुक्रवार को पेयजल व्यवस्था से संबंधित 3 प्रकरणों में दोषी व्यक्तियों को दंडित करने का निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस भी जिले में पेयजल की व्यवस्था से जुड़ी शिकायतें प्राप्त होंगी, वहां संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे। सीहोर जिले के भंवर सिंह पटेल ने ग्राम पंचायत बरखेड़ी में पानी न पहुंच पाने की शिकायत की। अपर मुख्य सचिव संजय शुक्ला ने बताया कि ठेकेदार फर्म मे. विश्वा पर 37 हजार 469 की शास्ति अधिरोपित की गई है। मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी समाधान ऑनलाइन में उपस्थित थे।

समाधान ऑनलाइन में लंबित समस्याओं का हुआ समाधान

पेयजल में दोषी ठेकेदार को जुर्माने से दंडित किया गया

नल-जल योजना में देरी करने वालों के विरुद्ध एक्शन

नल जल योजना के क्रियान्वयन में आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर कर घरेलू नल कनेक्शनों में जलापूर्ति प्रारंभ करवा दी गई है। मऊगंज के शिकायतकर्ता सुनील कुमार साहू की डेढ़ वर्ष से पाइप लाइन के टूट जाने से जल प्रदाय में आ रही दिक्कत को दूर कर दिया गया है। इस प्रकरण में फील्ड इंजीनियर की सेवाएं समाप्त की गई है। शिकायत का निराकरण समय पर न करने के लिए उत्तरदायी मुख्य नगर पालिका अधिकारी मप्र अर्बन डेवलपमेंट कार्पोरेशन के उपयंत्री, परियोजना प्रबंधक और सहायक परियोजना प्रबंधक को नोटिस जारी किए गए हैं।

सहायक यंत्री की दो दो वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिले की दुर्गाबाई विश्वकर्मा ने कूप निर्माण के लिए समय पर कार्रवाई न करने के मामले में जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और सहायक यंत्री की दो-दो वेतनवृद्धि रोकने संबंधी कारण बताओ नोटिस जारी किए गया है। गंभीर लापरवाही के दोषी ग्राम रोजगार सहायक को सेवा समाप्ति के लिए नोटिस जारी किया गया। सचिव ग्राम पंचायत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। शिकायत कर्ता को कूप निर्माण के लिए 72 हजार 372 रुपए का भुगतान करवा दिया गया है।

कलमे दंपती को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की

खंडवा जिले के दिनेश कलमे ने निःशक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना में राशि मिलने में हुई देरी की शिकायत की। समाधान ऑनलाइन में यह मामले आने के बाद कलमे दंपती को एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि दी गई। लापरवाही बरतने पर सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक, जिला कोषालय अधिकारी और निःशक्त कल्याण शाखा के प्रभारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं। सामाजिक सुरक्षा अधिकारी जनपद पंचायत खालवा को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है। विदिशा के रोहित रैकवार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में की गई शिकायत का पर समाधान किया गया।

इन्हें भी मिली सहूलियतें

- रीवा जिले के घनानंद द्विवेदी के आवेदन पर 20 हजार रुपए की राशि प्रदान करने के निर्देश दिए। आकाशीय बिजली गिरने से पशुधन हानि हुई थी। विलंब पर नायब नाजिर को निलंबित कर दिया गया है। तहसीलदार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। रमेश जाटव को मकान की किस्त, राकेश रिछारिया को आयुष्मान योजना की राशि और आशाराम लोधी को गौ-संवर्धन योजना में लाभ मिला।
- ग्वालियर के रमेश जाटव की आवास योजना की राशि न मिलने के संबंध में कलेक्टर ग्वालियर को परीक्षण कर दोषी कर्मचारियों को दंडित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गलत जानकारी दर्ज करने के दोषी सीएमओ को कारण बताओ नोटिस दिया। गया है। छतरपुर के राकेश कुमार रिछारिया को समाधान ऑनलाइन के माध्यम से आयुष्मान भारत योजना में 26 हजार 747 रुपए की राशि का भुगतान हो गया है। अस्पताल पर तीन गुना अर्थदंड 80 हजार 241 रुपए अधिरोपित किया गया।
- समाधान ऑनलाइन में गुना जिले से मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना (संबल) के तहत पात्रता के अनुसार प्रसूति सहायता न मिलने का आवेदन आया था। राशि प्रदान कर दी गई है। विलंब के दोषी मेटरनिटी वार्ड इंचार्ज, मेटरनिटी विंग डाटा एंट्री ऑपरेटर, तत्कालीन सीएम हेल्पलाइन डाटा एंट्री ऑपरेटर, लेखापाल जिला चिकित्सालय गुना को 7-7 दिन के मानदेय, वेतन कटौती का दंड दिया गया। आरएमओ जिला चिकित्सालय गुना, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय गुना और संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं ग्वालियर संभाग को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्धन वर्ग के व्यक्तियों को इस तरह से परेशान होना पड़े। यह अनुचित ही नहीं अपराध भी है। प्रकरणों में दोषी व्यक्तियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बीज, खाद व कृषि दवा बेचने के लिए अब लाइसेंस जरूरी

एसजीटीयू करवाएगा डिप्लोमा, 48 सप्ताह के प्रशिक्षण में दिया जाएगा अनिवार्य बुनियादी ज्ञान, दसवीं पास बनाएं अपना भविष्य सुरक्षित

गुरुग्राम। केंद्र सरकार ने देश में खाद ,बीज व कृषि औषधि बेचने के लिए अब लाइसेंस की अनिवार्यता कर दी है। लाइसेंस के लिए भी एक डिप्लोमा जरूरी होगा। सरकार चाहती है कि विक्रेता को खाद, बीज व दवा आदि की अनिवार्य जानकारी हो और किसानों को असली-नकली खाद, बीज आदि के मकड़जाल से हर स्तर पर बचाया जाए। सरकार के इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए देश की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी ने अनुकरणीय पहल की है। अब 10वीं पास युवा विशेष डिप्लोमा करने के बाद बीज, खाद व दवाई बेचने संबंधित लाइसेंस ले सकेंगे। हरियाणा एग्रीकल्चर मैनेजमेंट एक्सटेंशन ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (हमेटी, जींद) द्वारा 10वीं पास युवाओं को डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विसेज फार इनपुट डीलर (डेसी) कराया जा रहा है। अब एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज में भी डिप्लोमा कराया जाएगा। 48 सप्ताह का प्रशिक्षण करने के बाद डिप्लोमा दिया जाएगा। इसको लेकर सप्ताह में एक दिन क्लास लगेगी। इस डिप्लोमा के आधार पर भारत के किसी भी राज्य में बीज, खाद व दवाई बेचने का लाइसेंस प्राप्त कर सकेंगे।एसजीटी यूनिवर्सिटी कृषि विज्ञान संकाय विभाग की डीन डॉ पूजा पंत एवं प्रमुख कीट विज्ञानी डॉ मीनाक्षी ने बताया कि डिप्लोमा के बाद लाइसेंस डीडीए कार्यालय में आवेदन करने के बाद दिया जाएगा।

समग्र विकास के लिए इंडस्ट्री और एकेडेमिया का समन्वय अनिवार्य : श्री बी.आर. शंकरानंद

नई दिल्ली। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) तथा भारतीय शिक्षण मंडल के संयुक्त तत्वावधान में, नई दिल्ली के नौरोजी नगर स्थित पीसीआई के नवीन परिसर में एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य बी. फार्म पाठ्यक्रम को उद्योग जगत की आवश्यकताओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संरेखित करना तथा फार्मेसी शिक्षा को वैश्विक मानकों के अनुसार दिशा प्रदान करना था। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी.आर. शंकरानंद तथा मुख्य वक्ता इंडियन फार्मास्यूटिकल एलायंस के महासचिव डॉ. सुदर्शन जैन रहे । कार्यशाला की अध्यक्षता पीसीआई के अध्यक्ष डॉ. मोंटू कुमार पटेल ने की। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के फार्मेसी विशेषज्ञों के साथ-साथ भारतीय शिक्षण मंडल के विषय विशेषज्ञों ने सहभागिता की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. मोंटू कुमार पटेल ने कहा कि जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने और किफायती व प्रभावी चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने में फार्मासिस्टों की भूमिका अतुलनीय है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने, दवाओं के वितरण एवं रखरखाव, तथा दवाओं की किफायती एवं सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने में फार्मासिस्टों की विशेषज्ञता और प्रतिबद्धता अत्यंत महत्वपूर्ण है। डॉ. पटेल ने आगे कहा कि यह कार्यशाला, फार्मेसी शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप संरेखित करने के साथ-साथ उसे वैश्विक मानकों तक पहुंचाने में एक प्रभावी भूमिका निभाएगी।

आदिवासी बच्चों से काम करवाने का आरोप, पति पूर्व में हो चुका गिरफ्तार

दस सालों से फरार महिला आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पुलिस ने 10 साल से फरार महिला आरोपी को गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार की है। शहर के थाना कबीर नगर क्षेत्रांतर्गत में आरोपी अपने पति के साथ मिलकर आदिवासी बच्चों से काम करवाती थी। मामले में पति को आजीवन कारावास की सजा मिली है। वहीं अब फरार महिला आरोपी भी पुलिस के गिरफ्त में है।

सन 2014-15 में जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत जिला कांकेर के तीन आदिवासी बच्चों का चयन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए किया गया था, आरोपी सतीश शर्मा ने बस्तर मित्र फाउंडेशन के नाम से झूठी जानकारी देकर रजिस्ट्रार फॉर्म और संस्थाएं इंद्रावती भवन नया रायपुर से रजिस्ट्रेशन करवा कर वेदांता इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल का प्रमाणीकरण शिक्षा विभाग से करवाकर आदीम जाति एवं अनुसूचित जाति के आदिवासी क्षेत्र के छात्रों को उत्कर्ष विद्यार्थी योजना/जवाहर उत्कर्ष योजना के तहत प्राप्त कर अपने निवास कबीर नगर फेस 4 में आरोपी अपनी पत्नी बिनीता शर्मा के साथ रहते थे। पति पत्नी मिलकर आदिवासी बच्चों को घरेलू काम झाड़ू पोछा बर्तन गाड़ी धोना हाथ पैर दबाना पूरे समय घर का काम करवाना फोन आने पर बात नहीं करवाना फोन आने की जानकारी भी संबंधित बच्चे को नहीं दिया जाता था। प्रार्थी कि रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की जा रही थी। इस दौरान आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सोशल मीडिया पर हुआ था वायरल, घटना को लेकर मांगी माफी

बाइक राइडर पर घातक स्टंट करने को लेकर जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

यातायात पुलिस की ओर से स्टंट और स्पीड बाइकर्स लगातार कार्रवाई की जा रही है। नवा रायपुर में लगाए गये कैमरों से निगरानी की जा रही है। स्पीड बाइकर्स का स्पीड से चलाने पर प्रतिदिन ई-चालान बन रहा है। रायपुर पुलिस की ओर से नवा रायपुर क्षेत्र में बाइकर्स गैंग जान जोखिम में डालते हुए स्टंट करते हुए करतब दिखाने, कलाबाजी करने पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के आधार पर भी वाहन मालिक को तलब कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 27 मार्च को सोशल मीडिया के माध्यम से दोपहिया सीडी डीलक्स चालक द्वारा बाइक लहराने व वाहन में सोकर वाहन चलाने का वीडियो प्रसारित किया गया था। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो प्राप्त होने पर बाइक के नंबर के

आधार पर चालक खेलू विश्वकर्मा को नोटिस भेजकर तलब किया गया। वाहन चालक 19 वर्षीय मोहन विश्वकर्मा गाड़ी मालिक का भतीजा था जो वाहन की चाबी निकालकर बिना सूचना दिये नवा रायपुर की सड़कों पर घुमने चला गया था। वाहन के दस्तावेजों और चालक के लायसेंस की जांच की गयी। वाहन चालक के पास लायसेंस नहीं था। वाहन में बीमा कागजात नहीं होने, बिना लायसेंस वाले व्यक्ति को वाहन चलाने देने के कारण वाहन मालिक के विरूद्ध भी मोटरयान की धारा 5/180 जोड़कर लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने के कारण वाहन चालक मोहन विश्वकर्मा के विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 184, 3/181, 5/180 एवं 146/196 के तहत कार्यवाही करते हुए 6000 रूपये समन शुल्क परिसमन किया गया। चालानी कार्यवाही कर मोहन विश्वकर्मा एवं उनके चाचा वाहन स्वामी खेलू विश्वकर्मा को समझाईश दिया कि भविष्य में ऐसा न करें। बता दें कि यातायात पुलिस द्वारा नवा रायपुर की सड़कों पर स्पीड में चलने वालें बाइकर्स पर कैमरों से निगरानी रखी जा रही है तथा प्रतिदिन ऐसे बाइकर्स जो हाई स्पीड से वाहन चलाते हैं उनका ई-चालान भी जारी किया जा रहा है। साल 2025 के लगभग तीन माह में 135 से अधिक स्पीड बाईकर्स द्वारा स्पीड में वाहन चलाने का ई-चालान किया गया है।

खतरनाक हथियार बरामद, 4 जवान भी घायल, मृतक नक्सलियों की पहचान जारी

जगदीश नक्सलियों के दरभा का इंचार्ज था

सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, इनामी नक्सली भी ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए। झीरमकांड में शामिल खूंखार नक्सली जगदीश भी इस मुठभेड़ में मारा गया। जगदीश नक्सलियों के दरभा डिवीजन का इंचार्ज था, इस पर 25 लाख रुपये का इनाम था। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के पास से आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। सुकमा-दंतेवाड़ा सीमा पर उपमपल्ली केरलापाल इलाके के जंगल में यह मुठभेड़ हुई।

सुरक्षाबलों की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी, तभी यह मुठभेड़ हुई। केरलापाल क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर शुक्रवार रात को यह अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान शामिल थे।

चार साल में पहली बार नक्सलियों को घेरकर मारा

जवानों ने जहां ऑपरेशन चलाया वो पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा हुआ है। इस ऑपरेशन की अहमियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि चार साल में इस इलाकों में पहली बार सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को घेर कर मारा है। जवानों की टीम को बड़े नक्सली लीडर जगदीश के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स ऑपरेशन के लिए निकली जवानों को इनपुट मिला था कि करीब 25 नक्सलियों की टीम इलाके में है। इसके बाद गोगुंडा पहाड़ी को जवानों ने घेर लिया और मुठभेड़ में 17 नक्सलियों का मार गिराया।

11 महिला नक्सलियों सहित 17 शव बरामद

मुठभेड़ में 11 महिला नक्सलियों सहित कुल 17 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ स्थल से 10 एके-47, एसएलआर, इंसास राइफल, .303 राइफल, रॉकेट लांचर, बीजीएल लांचर हथियार समेत विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है। मुठभेड़ में मारे गए 07 नक्सलियों की पहचान हुई है। अन्य नक्सलियों की पहचान की जा रही है। मुठभेड़ में डीआरजी सुकमा के तीन व सीआरपीएफ के एक जवान कुल 04 कुल घायल हो गए।

आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान

सुकमा पुलिस ने बताया कि केरलापाल क्षेत्र में नक्सलियों की सूचना पर 28 मार्च को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ स्थल और आसपास के इलाकों में सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान जवानों ने नक्सलियों को चारों तरफ से घेर लिया।

गृहमंत्री ने नक्सलियों को दी चेतावनी सरेंडर करें अन्यथा परिणाम भुगतें

छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने सुकमा नक्सली मुठभेड़ में मारे गये 17 नक्सलियों के मामले में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे से एक दिन पहले एक बार फिर नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि नक्सली मुख्यधारा में शामिल होने के लिये सरेंडर करें। ऐसा नहीं करने पर वो अंजाम भुगतने के लिये तैयार रहे। उन्होंने कहा कि 85 दिन में 133 नक्सली मारने का प्रतिदिन का संकल्प है। इस एनकाउंटर में कुल दो जवान घायल हुए हैं और दोनों खतरे से बाहर है। गृहमंत्री शर्मा ने कहा कि हमें अपने जवानों की भुजाओं के बल पर सुकमा में बड़ी सफलता मिली है। 17 नक्सलियों को मारने में सफलता मिली है। सभी के शव बरामद कर लिये गये हैं। मौके से भारी मात्रा में एके 47, एसएलआर, इंसास राइफल, 303 राइफल, रॉकेट लॉन्चर, बीजीएल लॉन्चर हथियार समेत कई विस्फोटक पदार्थ बरामद किया गया है।

हमारी न्यायपालिका की साख पर अधजले नोट की कालिख लगी है। सच या साजिश, अभी इसका पता नहीं है। देश की सर्वोच्च अदालत सजग है। दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर आरोप लगे हैं कि उनके राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास परिसर में आग की घटना के दौरान भारी मात्रा में अधजले नोट आग बुझाने के समय मिले हैं। इसके बाद से देश का न्याय तंत्र हिला हुआ है। हमारी न्याय व्यवस्था पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। जस्टिस वर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो उस दिन दिल्ली में नहीं थे, उनके आवास के जिस बाहरी हिस्से में आग लगी, उस तरफ उनके परिवार का जाना-आना नहीं है, वहां मिले अधजले नोट उनके व उनके परिवार के किसी के नहीं हैं, उनके खिलाफ साजिश हो रही है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। ऐसे कई मौके आए हैं, जिसमें हमारी न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। फिर भी जन मानस को यदि इंसाफ की एक उम्मीद है तो वह न्यायपालिका से ही है। आज न्यायपालिका के सामने इस उम्मीद को जिंदा रखने की चुनौती है। अधजले नोट मुद्दे के बहाने इंसाफ के संकट व न्यायिक सुधार पर आजकल का ताजा अंक...

जवाबदेह-भ्रष्टाचारमुक्त न्याय तंत्र कब?

विश्लेषण

प्रो. नीलम महाजन
राजनीतिक विश्लेषक एवं सॉलिसिटर

सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य से निलंबित कर दिया है और उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया है। इन सबमें सवाल है कि जस्टिस वर्मा के आवास परिसर में नोट कहां से आए, किनके हैं, नोट जस्टिस वर्मा के नहीं हैं, तो उनके घर कैसे पहुंचे, किसने पहुंचाए, क्या एक जज के आवास पर कड़ी सुरक्षा के पहरे में किसी शख्स के लिए नोट पहुंचाना संभव है? किसी ने साजिश की है, तो भला उन्होंने ऐसा क्या किया कि उनके खिलाफ किसी ने साजिश की? फिलहाल तो उनके आवास परिसर में अधजले नोट मिले हैं, तो उनकी जवाबदारी है।

अगस्त, 2017 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में कथित तौर पर ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होने के कारण 60 बच्चों की मौत मामले में चिकित्सीय लापरवाही का आरोप झेल रहे डॉ. कफ़ील ख़ान को वर्ष 2018 में इलाहाबाद हाई कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान जमानत देने वाले जस्टिस यशवंत वर्मा आजकल सुर्खियों में हैं। जज के नाते अपने फैसलों की वजह से नहीं, बल्कि अपने आवासीय परिसर में मिले अधजले नोटों के चलते हर किसी की ज़ुबान पर हैं। दिल्ली हाई कोर्ट के जज न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा पर आरोप लगे हैं कि उनके राष्ट्रीय राजधानी स्थित आवास परिसर में आग की घटना के दौरान भारी मात्रा में अधजले नोटों की गड्डियां आग बुझाने के समय मिले हैं। इसके बाद से जनता के मन में न्यायिक तंत्र में अविश्वास बड़ा हुआ है। हमारी न्याय व्यवस्था पर तरह-तरह के सवाल उठ रहे हैं। हाई कोर्ट के जज को सभी लक्जरी सुविधाएं सरकार से मिलती हैं, ताकि वो लालचमुक्त हो निडर होकर न्याय कर सकें।

जस्टिस वर्मा ने अपनी सफाई में कहा है कि वो उस दिन दिल्ली में नहीं थे, उनके आवास के जिस बाहरी हिस्से में आग लगी, उस तरफ उनके परिवार का जाना-आना नहीं है, वहां मिले अधजले नोट उनके व उनके परिवार के किसी के नहीं हैं, व यह उनके खिलाफ साजिश है। इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने एक रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंपी है। सुप्रीम कोर्ट ने अधजले नोट मामले की जांच के लिए आंतरिक स्तर पर तीन सदस्यीय कमिटी गठित कर दी है। कमिटी में न्यायमूर्ति शील नागू, न्यायमूर्ति जी. एस. संधावालिया व न्यायमूर्ति अनु सिवारमन हैं। जांच पड़ताल के उपरांत रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय को दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य से निरस्त कर दिया है व उन्हें इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया है। इन सबमें सवाल है कि जस्टिस वर्मा के आवास परिसर में नोट कहां से आए, किनके हैं, नोट जस्टिस वर्मा के नहीं हैं, तो उनके घर कैसे पहुंचे, किसने पहुंचाए, क्या एक जज के आवास पर कड़ी सुरक्षा के पहरे में किसी शख्स के लिए नोट पहुंचाना संभव है? किसी ने साजिश की है, तो भला उन्होंने ऐसा क्या किया कि उनके खिलाफ किसी ने साजिश की? फिलहाल तो उनके आवास परिसर में अधजले नोट मिले हैं, तो उनकी जवाबदारी है। यूं तो अभी कमिटी की जांच के परिणाम का इंतजार है, लेकिन इस पूरी घटना में हमारे न्याय तंत्र के उच्च स्तर पर व्याप्त कदाचार की बू आ रही है। भारतीय जनमानस में एक मान्यता है कि नेता, अफसर भ्रष्ट हो सकते हैं, लेकिन हमारे माननीय जज भ्रष्ट नहीं हो सकते। भ्रष्टाचार केवल आर्थिक ही नहीं है, बल्कि नैतिक भ्रष्टाचार भी राजकीय तंत्र को खोखला कर रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब एक जज सवालों के घेरे में हैं, अनेक ऐसे मौके आए हैं, जिसमें न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। फिर भी जन मानस को यदि इंसाफ की एक उम्मीद है तो वह न्यायपालिका से ही है। आज न्यायपालिका के सामने इस उम्मीद को जिंदा रखने की चुनौती है।

चीनी मिल केस कनेक्शन

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से कथित नकदी बरामदगी ने उनके पिछले वित्तीय लेन-देन, विशेष रूप से 2018 सिंभावली चीनी मिल धोखाधड़ी मामले से उनके संबंधों की जांच को फिर से जिंदा कर दिया है। तब वर्मा को 97 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी बनाया गया था। 14 मार्च को दिल्ली हाई कोर्ट के जज के आवास के एक स्टोर रूम में आग लगी थी, जहां पर कथित तौर पर उनके आवास परिसर से बड़ी मात्रा में अधजले नोट मिले थे। अभी यशवंत वर्मा के ख़िलाफ़ 'इन-हाउस' जांच प्रक्रिया जारी है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने प्रस्ताव दिया है कि जस्टिस वर्मा को दिल्ली से हटाकर वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज दिया जाए। हालांकि, इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने फैसले पर आपत्ति जताई है, इसके बाद भी उन्हें इलाहाबाद भेजा गया है।

इससे पहले भी कई मामले

10 अगस्त 2023 को ईडी ने हरियाणा के विशेष सीबीआई न्यायाधीश, सुधीर परमार को गिरफ़्तार किया, जिन्हें पहले अनुकूल फैसले के बदले में 5 करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश दीपक मिश्रा पर आरोप लगे कि वे केवल अपनी पसंद के न्यायाधीशों पर ही ज़ोर देते हैं। सेवानिवृत्त न्यायाधीश, आई.एम. कुद्दुसी पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को रिश्वत देने की साज़िश रचने का आरोप था, जिस मामले की सुनवाई खुद जस्टिस दीपक मिश्रा ने की थी। कुद्दुसी को सितंबर में कथित न्यायिक रिश्वतखोरी गिरोह में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शमित मुखर्जी की वर्ष 2003 में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई गिरफ्तारी, जो कानूनी इतिहास में इस तरह की पहली गिरफ्तारी है, ने न्यायिक नैतिकता पर बहस छेड़ दी थी। वर्ष 1993 में जस्टिस रामास्वामी को 14 में से 11 आरोपों में दोषी पाया गया था। जज निर्मल यादव का 'कैश एट होम कांड' सभी को मालूम है। 29 मार्च को चंडीगढ़ के सीबीआई न्यायाधीश ने जज निर्मल यादव को दोष मुक्त किया है।

चीफ जस्टिस से मार्मिक अपील

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, इस वर्ष मई में सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनसे निवेदन है कि वे एक जूडिशल ऑर्डर पास कर दें कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के दोषी न्यायाधीशों के साथ सामान्य नागरिक के समान कानूनी कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया का ध्येय वाक्य में न्याय की जीत का विवरण है। सुप्रीम कोर्ट के चिन्ह (लोगो) में अशोक चक्र बना हुआ है, जिसके नीचे संस्कृत का श्लोक लिखा हुआ है - 'यतो धर्मस्ततो जयः' संस्कृत के इस श्लोक का अर्थ है 'जहां धर्म है, वहां जय (जीत) है'। क्या देश में न्याय की जीत हो रही है? क्या आमजन अपनी अदालतों से इंसाफ की उम्मीद रख पा रहे हैं? क्या इंसाफ के सौदे नहीं हो रहे हैं? क्या हमारी न्याय व्यवस्था खर्चीली नहीं होती जा रही है? क्या यह क्षेत्र अत्यधिक अव्यवस्थित नहीं है? क्या न्याय व्यवस्था साधारण आदमी को न्याय दे पा रही है? न्याय सिस्टम इतना पेचीदा है कि मुकदमेबाजी में अनेक घर बर्बाद हो जाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति तीर्थ सिंह ठाकुर ने राज्यों के उच्च न्यायालयों के सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व कानून मंत्री की मौजदूगी में एक बार अपने मन की व्यथा व्यक्त करते हुए रोकर कहा था कि हम, 'जनता को न्याय नहीं दे पा रहे हैं'। उन्होंने न्यायपालिका में अधूरे रिक्त पदों पर भराई ना होने पर दुःख जताया था। न्याय तंत्र में जजों की करीब 60 फीसदी की कमी है। उच्च न्यायालयों व सर्वोच्च न्यायालय में नियुक्तियों को पारदर्शी बनाने की जरूरत है। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम की आवश्यकता महसूस हो रही है। कॉलेजियम को लेकर सरकार के साथ टकराव है।

न्याय प्रणाली में अब तक सुधार के प्रयास

ई-कोर्ट परियोजना, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सुनवाई, टेली-लॉ कार्यक्रम, न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार, न्यायिक सुधारों पर कार्य अनुसंधान और अध्ययन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, न्यायबंधु प्लेटफॉर्म और उमंग ऐप, प्रौद्योगिकी का उपयोग, न्याय प्रतिपादन और विधिक सुधार के लिए राष्ट्रीय मिशन, सरकार ने मध्यस्थता, पंचनिर्णय और लोक अदालतों जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्रों को मज़बूत किया है। वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015 वाणिज्यिक विवादों में पूर्व-संस्थागत मध्यस्थता को अनिवार्य बनाता है, जिससे समाधान की गति बढ़ जाती है। मध्यस्थता और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 ने मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने के लिए समयसीमा शुरू की है। मध्यस्थता अधिनियम, 2023 सिविल और वाणिज्यिक विवादों में मध्यस्थता की सुविधा प्रदान करता है। लोक अदालतों से लंबित मामलों को कम करने में मदद मिली है। लंबित मामलों को कम करने तथा न्याय प्रदान करने में तेज़ी लाने के लिए कई कानूनों में संशोधन किया गया है। इनमें वाणिज्यिक न्यायालय (संशोधन) अधिनियम 2018, मध्यस्थता व सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2019 तथा आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम 2018 शामिल हैं।

न्याय देने में चुनौतियां

न्याय तक पहुंच में असमानता, इंसाफ की प्रक्रिया जटिल, डिजिटल तकनीक का अभाव, लंबित मामलों की संख्या, न्यायिक रिक्तियां, इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी, न्यायिक जवाबदेही का अभाव, न्याय तक पहुंच में बाधाएं, प्रतिनिधित्व और विविधता का अभाव, विशेषकर लिंग, जाति और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व के संदर्भ में आदि। न्यायिक सुधारों में एक महत्वपूर्ण बाधा न्यायपालिका और न्यायालय के कर्मचारियों दोनों की ओर से नई प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को अपनाने का प्रतिरोध है। व्यवस्था के भीतर कई लोग पारंपरिक तरीकों के अभ्यस्त हैं, जो सुधारों को अपनाने की प्रक्रिया को धीमा कर देता है। पर्याप्त धन की कमी न्यायिक सुधारों के कार्यान्वयन में एक बड़ी बाधा है। इससे डिजिटल बुनियादी ढांचे को अपनाने, नई सुविधाओं के निर्माण व न्यायिक प्रणाली के समग्र आधुनिकीकरण पर असर पड़ता है।

आगे की जरूरतें

न्यायपालिका की स्वतंत्रता बढ़ाना, न्याय प्रणाली की निष्पक्षता में सुधार करना, न्याय की गति बढ़ाना, न्यायिक अवसंरचना विकास करना, न्यायिक रिक्तियों को भरना। न्यायिक सुधारों के लिए न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायिका के बीच सहयोग की आवश्यकता है। इन शाखाओं के बीच समन्वय की कमी एवं निर्णय लेने में देरी से सुधार प्रक्रिया में बाधा आती है। इसलिए कार्यपालिका और विधायिका के साथ समन्वय की आवश्यकता है। डिजिटलीकरण, ऑनलाइन केस फाइलिंग और एआई-सहायता प्राप्त केस प्रबंधन के लिए ई-कोर्ट परियोजना का विस्तार करना चाहिए। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण को मज़बूत करने, सचल विधिक क्लीनिकों का विस्तार करने तथा हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए टेली-लॉ जैसी पहल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करने और कानूनी जागरूकता के लिए लाइव स्ट्रीमिंग, क्षेत्रीय भाषा में निर्णय, शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से सार्वजनिक सहभागिता को संवर्द्धित किया जा सकता है। समय आ गया है कि न्यायपालिका को आत्म चिंतन का उद्घोष होना चाहिए।

न्यायपालिका में पारदर्शिता पर उठते सवाल

दो टूक

रवि शंकर
वरिष्ठ स्तंभकार

भारत में 75 साल के इतिहास में कई ऐसे मौके आए हैं जब न्यायपालिका पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास पर नोटों में आग लगने की घटना ने एक बार फिर इस मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया।

इससे न्यायपालिका की साख को भी गहरा झटका लगा है। शायद यही वजह है कि पहली बार देश के प्रधान न्यायाधीश ने इस मामले से संबंधित प्रारंभिक रिपोर्ट और जले हुए नोटों के वीडियो सार्वजनिक किए। यह भी अच्छी बात है कि इस मामले की जांच के लिए तीन हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों की समिति बिना देर किए बनाई गई है। भारतीय न्यायपालिका लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, जो संविधान और नागरिक अधिकारों की रक्षा करती है। लेकिन हाल के वर्षों में न्यायपालिका में पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों ने इसकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। भारत में जहां न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सर्वोच्च माना गया है, वहीं पारदर्शिता की कमी कई बार संदेह और आलोचना का विषय बनती रही है।

पहले भी कई मामले सामने आए

इस मामले का महत्व इसलिए बहुत ज्यादा है क्योंकि ऐसे समय में जब लोगों का अन्य सरकारी संस्थाओं से विश्वास उठ गया है, तब न्यायपालिका को बिल्कुल साफ-सुथरा दिखने की जरूरत है। पिछले कुछ दशकों में, न्यायपालिका से जुड़े कई मामले सामने आए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट के जज सौमित्र सेन ने संसद में उनके खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया के दौरान ही इस्तीफा दे दिया था। उन पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। दिल्ली हाई कोर्ट के जज शामित मुखर्जी ने रिश्वत लेने के आरोप लगने के बाद इस्तीफा दे दिया था। सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पी.डी. दिनाकरण ने भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट जस्टिस वर्मा के आवास पर नकदी की जांच कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट को इस 17 साल पुराने मामले को ध्यान में रखना चाहिए। जस्टिस वर्मा केस ने इन पुराने घावों को फिर से कुरेद दिया है।

सरकार-जनता की भूमिका नहीं

साफ है, न्यायपालिका में जवाबदेही की कमी और पारदर्शिता का अभाव इन समस्याओं को बढ़ावा देता है। वर्तमान में भारत में न्यायाधीशों की नियुक्ति कॉलेजियम प्रणाली के तहत होती है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश ही नए न्यायाधीशों का चयन करते हैं। इसमें सरकार व जनता की कोई भूमिका नहीं होती, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठते हैं। वर्ष 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) को असंवैधानिक करार दिया, जिससे सुधार की संभावनाओं पर विराम लग गया। न्यायपालिका की स्वतंत्रता बनाए रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाए जाने की बहस आज भी जारी है। नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड के अनुसार 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। बीते पांच साल के दौरान अदालतों में भ्रष्टाचार की 1631 शिकायतें दर्ज की गई हैं। शायद इस प्रकरण के निष्कर्ष भी बहुत जल्दी सार्वजनिक न किए जाएं, क्योंकि एक न्यायाधीश के खिलाफ किसी भी तरह की कानूनी, आपराधिक प्रक्रिया बेहद जटिल और लंबी है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 124 (4 और 5) में प्रावधान हैं, जिनके तहत न्यायाधीशों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन यह भी इतना सपाट और आसान नहीं है। महाभियोग के जरिए सर्वोच्च और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाया जा सकता है, लेकिन संसद में आज तक महाभियोग का प्रस्ताव पारित नहीं हो सका है। बहरहाल, यदि अब तीन न्यायाधीशों की जांच में जस्टिस यशवंत वर्मा पर आरोप साबित भी हो जाते हैं, तो वह रपट केंद्रीय कानून मंत्रालय को भेजी जाएगी। मंत्रालय उस रपट को राष्ट्रपति को प्रेषित करेगा। सिफारिश स्वीकार होने पर राष्ट्रपति महाभियोग के लिए संसद को भेजेगा। संसद में महाभियोग प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित हो जाता है, तभी जज को हटाया जा सकता है, लेकिन ऐसी स्थिति आज तक नहीं आई। हाई कोर्ट जज एक संवैधानिक पद है। महाभियोग के अलावा उच्च न्यायालय के जज के ख़िलाफ़ 'प्रिवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट' के तहत कार्रवाई हो सकती है। पर, पुलिस ख़ुद से किसी जज के ख़िलाफ़ एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती। राष्ट्रपति को चीफ़ जस्टिस की सलाह लेनी होगी और उसके बाद तय करना होगा कि एफआईआर दर्ज हो सकती है या नहीं। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि जस्टिस वर्मा का ट्रांसफर इन-हाउस जांच से अलग है। लेकिन अतीत में ऐसे मामले सामने आए हैं जहां जजों को आरोपों के बाद ट्रांसफर कर दिया गया था, लेकिन उन्हें कभी भी दोषमुक्त नहीं किया गया। इससे न्यायपालिका की छवि खराब होती है। सुप्रीम कोर्ट को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जस्टिस वर्मा के मामले में निष्पक्ष जांच हो और सच्चाई सामने आए। सुप्रीम कोर्ट को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लोगों का न्यायपालिका पर बहुत अधिक विश्वास है। अगर न्यायपालिका में भ्रष्टाचार होता है, तो इससे लोगों का लोकतंत्र से विश्वास उठ जाएगा। न्यायपालिका जिन चुनौतियों से जूझ रही है, उनके मद्देनजर जस्टिस वेंकटचलैय्या की सिफारिशों को लागू करने का यह सही समय हो सकता है, जिससे नियुक्ति में पारदर्शिता, न्यायिक जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित हो सकेगा। इसके लिए राष्ट्रीय न्यायिक आयोग जैसी संस्था का गठन होनाा चाहिए, जिसमें न्यायपालिका के साथ-साथ कार्यपालिका और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों की भी भागीदारी हो।

'न्यायिक परिषद' का गठन हो

न्यायाधीशों के आचरण की निगरानी के लिए 'न्यायिक परिषद' की स्थापना की जानी चाहिए। न्यायाधीशों को अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देना अनिवार्य तो किया ही जाना चाहिए, इसके साथ, एक स्वतंत्र 'न्यायिक लोकपाल' की नियुक्ति भी होनी चाहिए, जो न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच कर सके। न्यायिक नियुक्तियों और न्यायाधीशों के प्रदर्शन की नियमित समीक्षा होनी चाहिए। न्यायालयों में तकनीकी सुधार करने और ई-कोर्ट की स्थापना भी की जानी चाहिए, ताकि मुकदमों का निपटारा तेजी से हो सके। स्पष्ट है, न्याय में देरी, नियुक्ति प्रक्रिया की गोपनीयता और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए ठोस सुधार जरूरी हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए इसे अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है। यही लोकतंत्र की असली गारंटी है।

धीमी रफ्तार से न्याय-व्यवस्था बीमार

न्यायपालिका

डॉ. सुनील कुमार मिश्र
एसोसिएट प्रोफेसर, वीआईपीएस, नई दिल्ली

किसी भी देश में लोकतांत्रिक मूल्यों को जिंदा रखने में उस देश की न्यायपालिका महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। न्यायपालिका का सुदृढ़ होना न सिर्फ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है अपितु देश को किसी भी अराजक स्थिति से बचाने में यह रक्षा कवच के रूप में कार्य करती है। सशक्त से अशक्त को न्याय दिलाने वाली न्यायपालिका का स्थान लोकतंत्र में काफी ऊंचा है, परन्तु न्याय की उम्मीद लिए आम जनमानस की इस अंतिम शरणस्थली में मिलने वाली प्रत्येक अगली तारीख पीड़ित की वेदना को बढ़ाने का कार्य करती है, और समय बीतने के साथ यह वेदना पीड़ित के न्यायपालिका में विश्वास का ह्रास करती जाती है। तारीख पर तारीख झेलने वाले अनगिनत मुकदमों में फैसला तब आता है जब उस फैसले का कोई औचित्य नहीं रह जाता क्योंकि इस दौरान पीड़ित व्यक्ति सामाजिक, आर्थिक एवं शारीरिक दुर्दशा की उस पीड़ा को झेलने को विवश होता है जो न्याय मिलने के बाद भी समाप्त नहीं होती है। न्याय के लिए साक्ष्य आवश्यक हैं, साक्ष्य के अभाव में न्यायालय से अनगिनत आरोपी सजा से बच निकलते हैं।

सुधार की आवश्यकता

ऐसे में न्याय व्यवस्था पर प्रश्न खड़े करने से पहले हमें सामाजिक व्यवस्था को भी कटघरे में खड़ा करना चाहिए क्योंकि सामाजिक महिमामंडन एवं राजनीतिक संरक्षण रूपी कवच कई अवसरों पर आरोपी और साक्ष्य के बीच दूरी पैदा कर देता है जिससे न्याय प्रक्रिया भी लंबित हो जाती है। गम्भीर बीमारी बताकर जमानत प्राप्त करने वाला कोई धनाढ्य व्यक्ति अगले ही दिन जब कोई सार्वजनिक सभा में सम्मिलित हुआ दिखलाई देता है तो हमारी न्याय व्यवस्था हंसी के पात्र के रूप में दिखती है। वर्तमान में अदालतों को त्वरित रूप से कार्य सम्पादित करने के लिए कुछ सुधार की आवश्यकता है। कुछ सुधार संसाधन से जुड़े हैं तो कुछ इच्छा शक्ति पर निर्भर करते हैं, कुछ कार्य प्रबंधन से तो कुछ उपलब्ध कानून में बदलाव की मांग करते हैं। आज अदालतों के समक्ष कार्यभार प्रबंधन जैसी बड़ी चुनौती स्पष्ट रूप से दिखलाई देती है क्योंकि देश में बढ़ते अपराध एवं अदालतों की आधारभूत संरचना में काफी अंतर है। निचली अदालतों से लेकर सुप्रीमकोर्ट में लंबित केसों की संख्या में बढ़ोत्तरी कानून व्यवस्था के समक्ष मुश्किलें पैदा कर रही हैं। देश में साढ़े चार करोड़ से अधिक केस लंबित हैं, उनमें जजों की संख्या एवं आधारभूत संरचना न्याय प्रक्रिया की गति को बाधित करती हैं।

उपलब्ध संसाधनों में कमी

निचली अदालतों से लेकर सुप्रीम कोर्ट आने वाले मामलों का निपटारा समय से कर सके, इसके लिए अदालतों में मानव संसाधन बढ़ाने के साथ ही तकनीकी क्षमता भी बढ़ानी होगी जिससे न्याय प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके। देश के 25 उच्च न्यायालयों में भी लंबित केस की संख्या काफी है जबकि उपलब्ध संसाधन में कमी दिखती है। विगत एक दशक में अदालतों में आधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ी है एवं आधारभूत संरचना में भी सुधार हुआ है परन्तु अभी भी 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश के लिए यह कम है। ऐसे में सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि अदालतों में आवश्यक मानव संसाधन एवं तकनीकी संसाधन की आवश्यक उपलब्धता सुनिश्चित करे जिससे अदालतें अपना कार्य सुचारू रूप से सम्पादित कर सकें। वीडियो कांफ्रेंसिंग से होने वाली सुनवाई प्रक्रिया भी दूर-दराज के क्षेत्र से जुड़े मामलों को गति प्रदान कर सकती है जिसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक हो जाती है।

सामाजिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो, इसके लिए न्याय व्यस्था का सुदृढ़ एवं सशक्त होना भी आवश्यक है। ऐसे में सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधन न्यायपालिका को और अधिक शक्ति प्रदान करें जिससे बदलते सामाजिक परिवेश में अदालतें न्याय सम्मत फैसला कर सकें। संसद एवं न्यायपालिका की दिशा का एक होना देशहित में है जबकि किसी प्रकार का मतभेद लोकतंत्र को कमजोर कर सकता है। इंदिरा गांधी के समय में जब सरकार ने संविधान का 24वां संशोधन किया था, तब संसद एवं न्यायपालिका के बीच टकराव की स्थिति देखी गई थी। इसके कुछ समय बाद ही केशवानंद भारती केस में एसएम सीकरी की अगुआई में 13 सदस्यीय बेंच ने अपने फैसले में कहा था कि सरकारें संविधान से ऊपर नहीं हैं, सरकार कानून में कोई बदलाव करती है तो अदालत को सरकार के उस फैसले की न्यायिक समीक्षा का अधिकार है। निश्चित रूप से न्यायसंगत कोई भी निर्णय स्वीकार्य होना चाहिए, एवं लोकतंत्र के सभी स्तम्भ सहगामी होने चाहिए जिससे राष्ट्र को और अधिक सशक्त किया जा सके। आज हम सामाजिक सुधारों की बात तो करते हैं परन्तु बात जब न्यायिक सुधार की होती है तो कभी-कभी न्यायपालिका का मौन कचोटता भी है क्योंकि सामाजिक सुधारों का रास्ता न्यायपालिका की पवित्र चौखट से होकर ही जाता है। सरकार सामाजिक सुधारों की दिशा में अनेक कदम उठा रही है, यह प्रयास तभी फलीभूत होंगे जब कार्यपालिका एवं विधायिका के साथ ही न्यायपालिका में भी पारदर्शी व्यवस्था हो। राष्ट्रीय न्यायिक आयोग विधेयक 2014 इस दिशा में सरकार द्वारा बढ़ाया गया एक कदम था। जस्टिस वर्मा से जुड़े ताजा प्रकरण ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए शुरू हुई कालेजियम प्रणाली पर एक बार फिर से समाज में बहस छेड़ दी है, जिसे समाप्त करना प्रधान न्यायाधीश के अतिरिक्त उन 4 न्यायाधीशों के विवेक पर निर्भर करता है जो वर्तमान कालेजियम का हिस्सा हैं।

मूल्यपरक आचरण की अपेक्षा

न्याय के सिंहासन पर बैठे न्यायाधीश से मूल्यपरक आचरण की अपेक्षा की जाती है, जो न सिर्फ न्याय व्यवस्था के प्रति सम्मान का स्तर निर्धारित करती है अपितु इससे समाज में एक सकारात्मक संदेश भी जाता है। निचली अदालत हो या फिर उच्च न्यायालय, न्यायधीशों द्वारा की गई कोई भी टिप्पणी न्यायपालिका के आदर्शों को स्थापित करने वाली होनी चाहिए। विगत दिनों सुप्रीमकोर्ट ने इलाहबाद हाईकोर्ट द्वारा दुष्कर्म से जुड़े एक फैसले पर की गई टिप्पणी को न सिर्फ असंवेदनशील बताया अपितु इस प्रकार की टिप्पणी को कानूनी रूप से अव्यावहारिक भी कहा। दो वर्ष पहले कोलकाता हाईकोर्ट द्वारा यौन हिंसा से जुड़े एक मामले पर की गयी टिप्पणी को भी सुप्रीमकोर्ट ने बेहद गैरजरूरी बताया था। निश्चित रूप से न्याय की उम्मीद में न्यायालय में बैठी पीड़िता पर जब ऐसी टिप्पणी की जाती है तो इससे न सिर्फ पीड़िता के जख्म हरे हो जाते हैं अपितु अपराधी प्रवृत्ति के लोगों का मनोबल भी बढ़ता है, जो न तो न्याय व्यवस्था के लिए ठीक है न ही सामाजिक व्यवस्था के लिए।

देश के ये भी बड़े देवी माता मंदिर: यहां नवरात्रि पर दर्शन मात्र से मुरादें हो जाती हैं पूरी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रविवार से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है। इस दौरान मां दुर्गा के 9 रूपों की हर दिन पूजा होती है। पूरे देश भर के देवी मंदिरों में इस दौरान छटा देखने योग्य होती है। कहा जाता है कि यहां दर्शन मात्र से प्राणी की मुरादें पूरी हो जाती है।

देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटड़ा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनाक्षी मंदिर है। इसके अलावा 52 शक्तिपीठ भी हैं।

जय अंबे गौरी मैया जय श्यामा गौरी...

देशभर में कई प्रसिद्ध और प्राचीन देवी मंदिर हैं, जहां दर्शन के लिए केवल देश ही नहीं विदेशों से भी हिंदू भक्त पहुंचते हैं। भारत के उत्तर में कटड़ा में माता वैष्णो देवी माता का मंदिर है, वहीं दक्षिण में चामुंडेश्वरी मंदिर और मदुरै का मीनाक्षी मंदिर है। इसके साथ देश में 52 शक्तिपीठ भी हैं, जहां मनवांछित फलों की प्राप्ति होती है।

देवी कृपा से देश के चहुंओर से मिल रहा उनका 'प्रसाद'

1 वैष्णो देवी मंदिर, कटड़ा

जम्मू-कश्मीर के कटड़ा में वैष्णो देवी का मंदिर है। इसे भारत का सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय मंदिर माना जाता है। नवरात्रि में यहां का नजारा देखते ही बनता है। माता के दर्शन को भक्तों को पैदल यात्रा करनी होती है। अब हेलीकॉप्टर सेवा और घोड़े व पालकी की व्यवस्था भी है। हर साल यहां लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

2 कामाख्या देवी मंदिर, गुवाहाटी

असम राज्य के गुवाहाटी में कामाख्या देवी मंदिर स्थित है। यह मंदिर 52 शक्तिपीठों में से एक है। यहां माता सती का योनि भाग गिरा था।इस मंदिर को तंत्र साधना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। नवरात्रि के समय यहां विशेष पूजा-अर्चना होती है। देवी के दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

3 अन्नपूर्णा मंदिर, वाराणसी

भगवान शिव की नगरी काशी में माता अन्नपूर्णा का मंदिर है जो कि देवी पार्वती का प्रमुख स्थल है। यह मंदिर भक्तों को सुख-समृद्धि और अन्न-धन का आशीर्वाद देने वाला माना जाता है। नवरात्रि में यहां भव्य पूजा और भंडारे का आयोजन किया जाता है।

4 हरसिद्धि मंदिर, उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में भी शक्तिपीठ है, जिसका नाम हरसिद्धि माता मंदिर है। इसे देश के प्रमुख शक्ति पीठों में गिना जाता है। यहां माता सती की कोहनी गिरी थी। नवरात्रि के दौरान यहां विशेष अनुष्ठान किए जाते हैं। मां काली की भव्य आरती भक्तों को अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव देती है।

5 अंबाजी मंदिर, गुजरात

गुजरात के बनासकांठा में अंबाजी मंदिर स्थित है। इस मंदिर को 52 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था। यह मंदिर बिना किसी मूर्ति के पूजनीय है, क्योंकि यहां केवल श्री यंत्रकी पूजा की जाती है। मान्यता है कि यहां भगवान श्रीकृष्ण का मुंडन संस्कार संपन्न हुआ था।

खबर संक्षेप

फैक्ट्री में आग से छत गिरी, 4-5 कर्मी घायल

रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित धारूहेड़ा में एक फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात अचानक आग लग गई। आग के कारण एक्सपेंशन बिल्डिंग की छत गिर गई। मलबा गिरने से 4-5 कर्मचारियों को मामूली चोट आई हैं। दमकल की 3 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। धारूहेड़ा के मालपुरा स्थित एक फैक्ट्री का प्लांट है।

मंदिर में नूडल्स का लंगर, 17 लोग भर्ती

होशियारपुर। पंजाब के होशियारपुर के बीनेवाल गांव में एक मंदिर में आयोजित लंगर (सामुदायिक रसोई) में खाना खाने के बाद 10 बच्चों सहित करीब 17 लोग बीमार हो गए। शुक्रवार को पेट में ऐंठन और उल्टी की शिकायत के बाद उन्हें पहले बीनेवाल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

वडोदरा में डंपर ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचला

वडोदरा। गुजरात के वडोदरा के वागोडिया तालुका के मालोधर रोड पर एक हिट-एंड-रन की घटना घटी है। डंपर की टक्कर से एक्टिवा पर सवार मां-बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। इस हादसे में 12 वर्षीय बेटी काव्या पटेल की जान चली गई। हादसे का फुटेज भी सामने आया है। वाघोडिया पुलिस डंपर चालक को तलाश रही है।

सिंगर के शो के दौरान छात्र गुट भिड़े,1 की मौत

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी में हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा के शो के दौरान छात्रों के दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान हमलावरों ने चाकू मारकर 4 छात्रों को घायल कर दिया। जिनमें से एक छात्र की मौत हो गई। उसकी पहचान आदित्य ठाकुर के रूप में हुई है। वह हिमाचल का रहने वाला था।

सांसद सुमन के समर्थन में सड़क पर उतरी समाजवादी पार्टी

आंबेडकर पार्क से तुवन चौराहा होकर कलेक्ट्रेट कूच किया, पुलिस से की नोकझोंक-नारेबाजी

जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन, सुरक्षा का मांग की

एजेंसी ▶▶| आगरा

सांसद रामजीलाल सुमन के आगरा स्थित आवास पर 26 मार्च को करणी सेना के पदाधिकारियों द्वारा आवास सहित उनकी गाड़ियों को निशाना बनाया गया। सांसद के परिजनों पर हमला किया गया था। जिसके विरोध में समाजवादी पार्टी एकजुटता के साथ शनिवार को सड़क पर उतरी। बाबा साहेब आंबेडकर पार्क में सपा नेताओं के जुटने का सिलसिला शुरू हुआ। यहां भारी संख्या में प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी पहुंचे।

इस दौरान पुलिस कर्मियों से सपाइयों की नोकझोंक भी हुई। बाद में सपा जिलाध्यक्ष के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शन को आगे बढ़ने की अनुमति दी गई। सपाइयों ने तुवन चौराहा होते कलेक्ट्रेट में कूच किया। जहां सपाई पुलिस के घेरे में रहे। सपा जिलाध्यक्ष नेपाल सिंह यादव के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजे ज्ञापन में कहा कि सपा सांसद एवं वरिष्ठ नेता रामजी लाल सुमन के घर तोड़फोड़ करने वाले आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। जब लोकतंत्र के सबसे बड़े सदन में सांसद सुरक्षित नहीं है, तो सोचो दलित वर्ग का क्या हाल होता होगा।

सुमन के बयान पर मचा घमासान

प्रदेश की कानून व्यवस्था हो गई ध्वस्त

प्रदेश की कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। योगी सरकार पर कानून व्यवस्था संभालने नहीं संभल रही है। प्रदेश में गुंडाराज कायम है, आज हमारी बहन बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, प्रतिदिन प्रदेश में हत्या, लूट, बलात्कार जैसी कई घटनाएं घट रही हैं और सरकार अपनी झूठी उपलब्धियों का बखान कर रही हैं।

प्रदर्शन में ये भी रहे शामिल

प्रदर्शन के दौरान अनुसूचित पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन घायल, जिला उपाध्यक्ष भजनलाल कुशवाहा, नगर अध्यक्ष अंशुल जैन,युवजन सभा जिलाध्यक्ष अरशद मंसूरी, मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड जिलाध्यक्ष हृदेश यादव मुखिया, पूर्व लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष आकिब मंसूरी, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राजपूत, बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी जिलाध्यक्ष तुलसीराम अहिरवार, राममूर्ति तिवारी सहित अनेक सपा नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दलितों का अपमान बर्दाश्त नहीं

झांसी ललितपुर लोकसभा बूथ प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष ज्योति सिंह यादव ने कहा कि हम दलितों का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे। यदि हमारे दलित समाज के सम्मान को ठेस पहुंचती है तो समाजवादी पार्टी पूरे प्रदेश में बड़ा जन आंदोलन छेड़ देगी। उन्होंने कहा कि यह देश बाबा साहब आंबेडकर के संविधान से चलेगा, किसी की तानाशाही से नहीं चलेगा। मनमानी बर्दाश्त नहीं होगी।

वक्फ बिल पर ओवैसी ने सरकार को घेरा | पास कराने को सरकार के पास बहुमत नहीं

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि विधेयक को पारित कराने के लिए भाजपा के पास लोकसभा में बहुमत नहीं है। अगर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार इसका विरोध करते हैं, तो बिल पारित नहीं होगा। ओवैसी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार की बैसाखी पर निर्भर हैं। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वक्फ बिल को लेकर देश में झूठ फैला रहे हैं। शाह भारत सरकार के गृह मंत्री हैं और उनका बयान इस बात का सबूत है कि आप एक असांविधानिक कानून बनाने की कोशिश कर रहे हैं जिसे अदालत में चुनौती दी जा सकती है। यह संविधान के अनुच्छेदों का उल्लंघन है और इससे पूरे देश के वक्फ को नुकसान होगा।

नीतीश, चिराग व नायडू से की रोकने की अपील

वक्फ बोर्ड का मामला पूरे देश में गरमाया हुआ है। बिहार में 5 महीने के बाद ही चुनाव है और ऐसे में जो विपक्षी दल हैं, विशेषकर आरेजडी इसे भुनाने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। तेजस्वी यादव जैसे नेता वक्फ बोर्ड बिल के ऊपर हो रहे किसी भी आंदोलन का चेहरा बनने को हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसे में बिहार की राजनीति में ओवैसी ने भी नया पांसा फेंक दिया है। ओवैसी ने वक्फ बोर्ड के मुद्दे पर नीतीश कुमार, चिराग पासवान और चंद्रबाबू नायडू पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर ये नेता मुसलमानों के हितैषी होने का दावा करते हैं, तो उन्हें केंद्र सरकार में अपनी ताकत का इस्तेमाल करके वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक को रोकना चाहिए।

वीर तेजाजी की मूर्ति से छेड़छाड़

जयपुर में बवाल, सड़कें जाम बाजार बंद, पुलिस का पहरा

एजेंसी ▶▶| जयपुर

जयपुर में प्रताप नगर के वीर तेजाजी मंदिर में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा मूर्ति क्षतिग्रस्त किए जाने के बाद विहिप और बजरंग दल समेत श्रद्धालुओं ने टोंक रोड पर जाम कर दिया। सांगानेर इलाके में शुक्रवार देर रात असामाजिक तत्वों ने मूर्ति को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और श्रद्धालुओं व स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

देखते ही देखते टोंक रोड पर बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाए। सुबह से ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह घटना एक सुनियोजित साजिश के तहत धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए की गई है, इसलिए कठोर कार्रवाई की जाए।

आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: बेनीवाल

घटना की गंभीरता को देखते हुए जयपुर के कई प्रमुख नेता घटनास्थल पर पहुंचे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। नेताओं ने कहा कि यह केवल धार्मिक स्थल पर हमला नहीं है, बल्कि समाज में अशांति फैलाने की एक सोची-समझी चाल है। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले की न्यायिक जांच करवाने और दोषियों को जल्द से जल्द सजा देने की मांग की। सांसद हनुमान बेनीवाल ने चेतावनी देते हुए एक्स पर पोस्ट डाली है। उन्होंने कहा कि पुलिस कमिश्नर से मूर्ति को तोड़ने वालों का जल्दी पता लगाकर उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के संदर्भ में बात की है। उन्होंने कहा कि आस्था के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बाजारों में सन्नाटा, पुलिस बल तैनात

घटना के विरोध में सांगानेर और प्रताप नगर के व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा और माहौल गंभीर बना रहा। स्थानीय निवासियों ने चेतावनी दी कि जब तक दोषियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता, तब तक विरोध जारी रहेगा। प बहरहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मंदिर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में कुछ संदिग्ध गतिविधियों का पता चला है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।ुलिस के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति को सामान्य करने की अपील की।

सैलजा कैंसर पर मंत्री के जवाब से नाखुश

सिरसा व फतेहाबाद में कैंसर रोगी बढ़े,डे केयर सेंटर खोलें

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने सिरसा संसदीय क्षेत्र घग्गर नदी के प्रदूषित पानी के कारण कैंसर से प्रभावित रोगियों के उपचार के लिए कोई योजना है को लेकर पूछे गए सवाल पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव के जवाब पर आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा कि केंद्र देश के सभी जिला अस्पतालों में डे केयर कैंसर सेंटर खोलने जा रही है, उन्हें जल्द से जल्द सिरसा, फतेहाबाद जिला में खोला जाए ताकि कैंसर पीड़ितों को उपचार के लिए भटकना न पड़े।

वर्तमान में 372 डीसीसीसी कार्य कर रहे

सैलजा ने मंत्री से सवाल किया था क्या यह सच है कि हरियाणा के टोहाना, रतिया, सिरसा, रानियां और ऐलनाबाद क्षेत्र तथा सिरसा के अधिक प्रभावित हैं। मंत्री ने कहा जिला अस्पतालों में 372 डीसीसीसी कार्यात्मक हैं।

विकास कार्यों का लोकार्पण किया

चौहान ने विदिशा में 'आवास' के स्वीकृति पत्र वितरित किए

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को विदिशा संसदीय क्षेत्र के भैरूंदा में हितग्राही सम्मेलन में सहभागिता की और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए। साथ ही 74 करोड़ 58 लाख से ज्यादा की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। कार्यक्रम से पहले उन्होंने दुर्गा चौक से कार्यक्रम स्थल तक रोड शो कर जनता का अभिवादन भी किया। उन्होंने कहा कि इसी साल सीहोर जिले को 35 हजार 165 मकान दिए गए हैं उनमें से 10 हजार 73 बुदनी क्षेत्र में बनेंगे। भैरूंदा में 7 हजार से ज्यादा, बुदनी में 2 हजार 870 मेरे इन भाई-बहनों को स्वीकृति पत्र मिल जाएगा और खाते में राशि भी डाल दी जाएगी। चौहान ने कहा कि अब यहां शानदार राष्ट्रीय राजमार्ग गोपालपुर से बक्तरा तक भैरुंदा होते हुए जाएगा। ऐसा रोड बन रहा है कि लोग देखते ही रह जाएंगे। पहले तो कोई भैरुंदा आता था तो रिश्तेदार कहते थे, कहां फंसा दिया। इतनी खराब सड़कें होती थी।

'गुड़ी पड़वा' समारोह

सूरत। शनिवार को सूरत में 'गुड़ी पड़वा' समारोह के दौरान अनुष्ठान करती हुईं छात्राएं।

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने दर्ज कराया मामला

कॉमेडियन कामरा के खिलाफ महाराष्ट्र में तीन और एफआईआर

अलग अलग इलाकों में कायमी की

एजेंसी ▶▶| मुंबई

कॉमेडियन कुणाल कामरा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। एकनाथ शिंदे की शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ तीन और एफआईआर दर्ज कराई है।

शिवसेना के ये कार्यकर्ता एक शो के दौरान शिंदे पर की गई कामरा की कथित अपमानजनक टिप्पणी से नाराज हैं। ये तीनों मामले महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में दर्ज किए गए हैं। इन मामलों को आगे की जांच के लिए मुंबई के खार पुलिस स्टेशन को भेज दिए गए हैं। खार पुलिस पहले से ही कामरा के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कर रही है। ये एफआईआर मयूर बोर्से नासिक के मनमाड, संजय भुजबल ने बुलढाणा के जलगांव जामोद में और सुनील जाधव ने नासिक के नांदगांव मनमाड में दर्ज कराई है।

स्वाति ने मां और भाई-बहन पर की अश्लील टिप्पणी

एक और कॉमेडियन स्वाति सचदेवा ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो रिलीज किया है। इसका नाम है 'फैमिली फर्स्ट'। स्वाति कहती हैं कि मेरी मां आजकल कूल बनने की कोशिश कर रही हैं। हाल ही में उन्हें मेरा टॉय मिला। वे मेरे पास आईं और 'एक दोस्त' की तरह बात करने को कहा। मां से इसका नाम भी नहीं बोला जा रहा था। वे गैजेट और खिलौना कहकर बुला रही थी। उन्होंने दबाव देकर पूछा तो मेरे मुंह से निकल गया कि यह पापा का है। फिर मां बोलीं, बकवास मत कर।

राष्ट्रपति ने 'पर्यावरण 2025' पर 2 दिनी सम्मेलन का किया उद्घाटन

स्वच्छ पर्यावरण के लिए जागरूक और संवेदनशील बनें

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को नई दिल्ली में 'पर्यावरण-2025' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण की विरासत देना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

इसके लिए हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक और संवेदनशील जीवनशैली अपनानी होगी ताकि पर्यावरण न केवल संरक्षित हो बल्कि उसका संवर्धन भी हो और पर्यावरण अधिक जीवंत बन सके। स्वच्छ पर्यावरण और आधुनिक विकास के बीच संतुलन बनाना एक अवसर भी है और चुनौती भी।

आगामी पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण देना हम सब की जिम्मेदारी

पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना चाहिए

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश और पूरे विश्व समुदाय को पर्यावरण के अनुकूल मार्ग पर चलना होगा, तभी मानवता वास्तविक प्रगति कर सकेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने अपनी हरित पहलों के माध्यम से विश्व समुदाय के समक्ष कई अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों की भागीदारी से भारत वैश्विक स्तर पर हरित नेतृत्व की भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हम सभी को वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है, जहां वायु, जल, हरियाली और समृद्धि पूरे विश्व समुदाय को आकर्षित करे।

भारतीय विरासत का आधार पोषण

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हमारा मानना है कि प्रकृति एक मां की तरह हमारा पोषण करती है और हमें प्रकृति का सम्मान और संरक्षण करना चाहिए। विकास की भारतीय विरासत का आधार पोषण है, शोषण नहीं, संरक्षण है, उन्मूलन नहीं। इसी परंपरा का पालन करते हुए हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ना चाहते हैं।

पर्यावरण परिवर्तन का रखना होगा ध्यान

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे बच्चों और युवा पीढ़ी को व्यापक स्तर पर पर्यावरण परिवर्तन का सामना करना होगा और उसमें योगदान देना होगा। उन्होंने कहा कि हर परिवार में बड़े-बुजुर्गों को इस बात की चिंता होती है कि उनके बच्चे किस स्कूल या कॉलेज में पढ़ेंगे और कौन सा कॅरियर चुनेंगे। यह चिंता जायज है। हम सभी को सोचना होगा कि बच्चे कैसी हवा में सांस लेंगे, उन्हें कैसा पानी पीने को मिलेगा, वे पक्षियों की मधुर आवाज सुन पाएंगे या नहीं, वे हरे-भरे जंगलों की खूबसूरती का अनुभव कर पाएंगे?

चांदी कर सकती है पौबारह, निवेश कर उठा ले फायदा

मनी मंत्र | बिजनेस डेस्क

- अभी एक लाख के पार निकले दाम, 1.8 लाख तक जा सकती है
- ईटीएफ के जरिए इसमें किया जा सकता है निवेश
- अब तक 1,00,400 रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर को छू चुकी

विदेश में मजबूत रुख के बीच स्टॉकिस्टों और खुदरा विक्रेताओं की लगातार खरीदारी से सोना और चांदी के दाम रोज नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। अभी चांदी की कीमत एक लाख रुपये किलो के आसपास है। हालांकि यह 1,00,400 रुपये प्रति किलो के रिकॉर्ड स्तर को छू चुकी है। जानकारों का कहना है कि इस साल चांदी की कीमतें 1.8 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक जा सकती हैं। ऐसे में चांदी में निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। इस साल चांदी के दाम में अब तक करीब 14000 रुपये की बढ़त देखने को मिल चुकी है। जानकारों का कहना है कि इसकी कीमत में आगे भी तेजी देखने को मिल सकती है। साल के आखिर चांदी 1 लाख 8 हजार या 1 लाख 12 हजार किलो तक जा सकती है। ऐसे में अगर आप चांदी में निवेश करने का प्लान बना रहे हैं तो सिल्वर ईटीएफ सही ऑप्शन हो सकता है। सिल्वर ईटीएफ के जरिए आप शेयर की ही तरह चांदी में भी निवेश कर सकते हैं। बीते 1 साल में इसने 34% तक का रिटर्न दिया है।

क्या है सिल्वर ईटीएफ

चांदी को शेयरों की तरह खरीदने की सुविधा को सिल्वर ईटीएफ कहते हैं। ये एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड हैं, जिन्हें स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जा सकता है। चूंकि सिल्वर ईटीएफ का बेंचमार्क स्पॉट सिल्वर की कीमतें हैं, आप इसे चांदी की वास्तविक कीमत के करीब खरीद सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ में निवेश के लाभ

-कम मात्रा में भी खरीद सकते हैं चांदी : ईटीएफ के जरिए सिल्वर यूनिट्स में खरीदते हैं। इससे कम मात्रा में या एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) के जरिए चांदी खरीदना आसान हो जाता है। सिल्वर ईटीएफ की 1 यूनिट की कीमत अभी 100 रुपये से भी कम है। यानी आप 100 रुपये से भी कम में इसमें निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

चांदी रहती है सुरक्षित

इलेक्ट्रॉनिक चांदी डीमैट अकाउंट में होती है, जिसमें सिर्फ सालाना डीमैट चार्ज देना होता है। साथ ही चोरी होने का डर नहीं होता। वहीं, फिजिकल चांदी में चोरी के खतरे के अलावा उसकी सुरक्षा पर भी खर्च करना होता है।

व्यापार की आसानी

सिल्वर ईटीएफ को बिना किसी परेशानी के तुरंत खरीदा और बेचा जा सकता है। यानी पैसों की जरूरत पड़ने पर आप जब चाहे इसे बेच सकते हैं और अपने निवेश को भुना सकते हैं।

पोर्टफोलियो जोखिम में कमी

चांदी और सोना आदि जैसी कम जोखिम वाले एसेट्स में निवेश करके अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला सकते हैं। इससे उनके निवेश पोर्टफोलियो में जोखिम कम हो जाता है। चांदी में निवेश करना वैसे भी फायदेमंद माना गया है।

सिल्वर ईटीएफ में कैसे करें निवेश

सिल्वर ईटीएफ खरीदने के लिए डीमैट अकाउंट होना जरूरी है। इसमें एनएसई या बीएसई पर उपलब्ध सिल्वर ईटीएफ के यूनिट आप खरीद सकते हैं और उसके बराबर की राशि आपके डीमैट अकाउंट से जुड़े बैंक अकाउंट से कट जाएगी। आप ग्रो, अपस्टॉक्स और पेटीएम जैसे ऐप्स के जरिए फ्री में डीमैट अकाउंट खोल सकते हैं। इसके बाद आप अपने मन पसंद का सिल्वर ईटीएफ चुन सकते हैं।

पैसा सिर्फ जमा करने से नहीं बढ़ता, उसे निवेश करना सीखो, सही जगह लगाया गया पैसा और पैसा पैदा करता है

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

पैसा 'सोने' की तरह नहीं बीज की तरह रखो, सही जगह निवेश करो

> हर रुपया तुम्हारा एक सिपाही है जो और सैनिक ला सकता है
>
> अगर पैसे को काम पर नहीं लगाया, तो वह खत्म हो जाएगा

आजकल हर कोई अमीर बनना चाहता है उसके लिए लगातार प्रयास भी करता है, लेकिन दिग्गज निवेशकों का कहना है कि आप सिर्फ मेहनत मजदूरी या सिर्फ नौकरी से ही अमीर नहीं बन सकते। अमीर बनने के लिए पैसे को सही जगह निवेश करना सीखो और रिस्क लो। एक कहावत भी है कि पैसे को 'सोने' की तरह नहीं 'बीज' की तरह रखो, यानी सही जगह निवेश करो। तभी पैसे बढ़ेगा। पैसा कमाने से ज्यादा उसे बढ़ाना जरूरी है। यह बात बिल्कुल सही भी है, क्योंकि पैसा सिर्फ जमा करने से नहीं बढ़ता, उसे निवेश करना सीखना बेहद जरूरी है। निवेश किया गया पैसा आपको भविष्य में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है। इसलिए पैसे से पैसा कमाओ, तभी आप अमीर बन पाओगे। हालांकि निवेश करने से पहले अपनी रिस्क क्षमता और अपने लक्ष्यों को जांच लें, इसके बाद ही निवेश करें। इसके अलावा, निवेश करने से पहले अच्छी तरह से शोध करें और अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श करें। हमेशा कोशिश करें कि निवेश लंबी अवधि के लिए हो। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ मिलेगा। सही जगह लगाया गया पैसा और पैसा पैदा करता है। हर रुपया आपका एक सिपाही है जो और सैनिक लाने की क्षमता रखता है। अगर पैसे को काम पर नहीं लगाया, तो वह खत्म हो जाएगा और आप गरीब के गरीब ही रह जाएंगे।

पैसा कमाने के ये तरीके सबसे पॉपुलर

ऑनलाइन

1. **फ्रीलांसिंग:** अपनी क्षमताओं का उपयोग करके फ्रीलांसिंग प्लेटफॉर्म्स पर काम करें।
2. **ब्लॉगिंग:** अपने ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए एक ब्लॉग बनाएं।
3. **यूट्यूब:** वीडियो बनाकर यूट्यूब पर पैसे कमाएं।
4. **ऑनलाइन ट्यूशन:** अपने विषय में महारत हासिल करने वाले छात्रों को ऑनलाइन ट्यूशन दें।
5. **ई-कॉमर्स:** अपना ऑनलाइन स्टोर बनाकर उत्पाद बेचें।

ऑफलाइन

1. **फोटोग्राफी:** अपनी फोटोग्राफी क्षमताओं का उपयोग करके शादियों, समारोहों और अन्य आयोजनों में फोटोग्राफी सेवाएं प्रदान करें।
2. **कोचिंग या ट्यूशन:** अपने विषय में महारत हासिल करने वाले छात्रों को ऑफलाइन ट्यूशन दें।
3. **हस्तशिल्प:** अपने हाथों से बनाए गए उत्पादों को बेचें।
4. **कैटरिंग:** अपनी खाना पकाने की क्षमताओं का उपयोग करके कैटरिंग सेवाएं प्रदान करें।
5. **इवेंट प्लानिंग:** समारोहों और आयोजनों के लिए इवेंट प्लानिंग सेवाएं प्रदान करें।

अन्य तरीके

1. **शेयर मार्केट :** शेयर मार्केट में निवेश करके पैसे कमाएं।
2. **म्यूचुअल फंड :** म्यूचुअल फंड में निवेश करके पैसे कमाएं।
3. **रियल एस्टेट :** रियल एस्टेट में निवेश करके पैसे कमाएं।
4. **पेट सिटिंग :** पालतू जानवरों की देखभाल करके पैसे कमाएं।
5. **हाउस सिटिंग :** घरों की देखभाल करके पैसे कमाएं।
6. गोल्ड या अन्य धातुओं में निवेश करके भी पैसे कमा सकते हैं।

पैसे बढ़ाने के तरीके भी बेहद कामयाब

बचत और निवेश

1. **नियमित बचत :** हर महीने एक निश्चित राशि बचाएं।
2. **निवेश :** अपनी बचत को निवेश करें, जैसे कि शेयर मार्केट, म्यूचुअल फंड, या रियल एस्टेट।
3. **ब्याज दर :** उच्च ब्याज दर वाले खातों में अपनी बचत रखें।

आय बढ़ाना

1. **नौकरी में वृद्धि :** अपनी नौकरी में वृद्धि के लिए काम करें।
2. **फ्रीलांसिंग :** अपनी क्षमताओं का उपयोग करके फ्रीलांसिंग करें।
3. **व्यवसाय शुरू करना :** अपना खुद का व्यवसाय शुरू करें।

खर्च कम करना

1. **बजट बनाएं :** अपने खर्च के लिए एक बजट बनाएं।
2. **अनावश्यक खर्च कम करें :** अनावश्यक खर्चों को कम करें।
3. **बचत योजना बनाएं :** एक बचत योजना बनाएं और उसका पालन करें।

शिक्षा और कौशल

1. **शिक्षा :** अपनी शिक्षा में सुधार करें।
2. **कौशल विकास :** अपने कौशल में सुधार करें।
3. **प्रमाणीकरण :** अपने कौशल के लिए प्रमाणीकरण प्राप्त करें।

अन्य तरीके

1. **पैसे कमाने वाले ऐप्स :** पैसे कमाने वाले ऐप्स का उपयोग करें।
2. **ऑनलाइन सर्वेक्षण :** ऑनलाइन सर्वेक्षण में भाग लेकर पैसे कमाएं।
3. **पैसे कमाने वाली वेबसाइट्स :** पैसे कमाने वाली वेबसाइट्स पर काम करें।

पल्ले गांठ बांध लें ये सूत्र

हर रुपया हमारा एक सिपाही है जो और सैनिक ला सकता है, यानी कि हमारे पैसे को निवेश करके हम और पैसा कमा सकते हैं। यह अवधारणा हमें अपने पैसे को सही तरीके से उपयोग करने और उसे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। जब हम अपने पैसे को निवेश करते हैं, तो वह हमारे लिए काम करता है और हमें और पैसा कमाने में मदद करता है। इसलिए, हमें अपने पैसे को सही तरीके से उपयोग करना चाहिए और उसे बढ़ाने के लिए निवेश करते रहना चाहिए।

भविष्य होता है सुरक्षित

जब हम अपने पैसे को सही जगह पर निवेश करते हैं, तो वह हमें और पैसा कमाने में मदद करता है। यह हमारे वित्तीय भविष्य को सुरक्षित बनाने में मदद करता है और हमें अपने वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। सही जगह पर निवेश करने के लिए, हमें अपने वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता को समझना होगा। हमें अपने पैसे को निवेश करने से पहले अच्छी तरह से शोध करना होगा और अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श करना होगा। इसलिए, हमें अपने पैसे को सही तरीके से उपयोग करना चाहिए और उसे बढ़ाने के लिए निवेश करना चाहिए।

निवेश में एआई भी करेगा मदद!

1. **बड़े डेटा का विश्लेषण :** एआई अल्गोरिदम बड़े डेटा सेट्स का विश्लेषण कर सकते हैं, जैसे कि बाजार के रुझान, आर्थिक आंकड़े, और कंपनी के प्रदर्शन।
2. **पैटर्न की पहचान :** एआई पैटर्न की पहचान कर सकता है जो मानव विश्लेषकों को दिखाई नहीं दे सकते हैं।
3. **पूर्वानुमान :** एआई डेटा के आधार पर भविष्यवाणी कर सकता है कि बाजार कैसे व्यवहार करेगा।

पोर्टफोलियो प्रबंधन

1. **पोर्टफोलियो का निर्माण :** एआई पोर्टफोलियो का निर्माण कर सकता है जो निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।
2. **पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन :** एआई पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित कर सकता है ताकि यह निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार बना रहे।

रोबो-एडवाइजरी

1. **निवेश सलाह :** एआई रोबो-एडवाइजरी प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से निवेश सलाह प्रदान कर सकता है।
2. **व्यक्तिगत निवेश योजना :** एआई व्यक्तिगत निवेश योजना बना सकता है जो निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

जोखिम प्रबंधन

1. **जोखिम विश्लेषण :** एआई जोखिम विश्लेषण कर सकता है और निवेशक को जोखिम के बारे में सूचित कर सकता है।
2. **जोखिम प्रबंधन रणनीतियां :** एआई जोखिम प्रबंधन रणनीतियाँ बना सकता है जो निवेशक के लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के अनुसार हो।

ये मिल सकते हैं फायदे

- **बेहतर निर्णय लेना :** एआई डेटा के आधार पर बेहतर निर्णय ले सकता है।
- **जोखिम कम करना :** एआई जोखिम विश्लेषण कर सकता है और निवेशक को जोखिम के बारे में सूचित कर सकता है।
- **निवेश की दक्षता बढ़ाना :** एआई निवेश की दक्षता बढ़ा सकता है और निवेशक के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

कम बजट में शुरू कर सकते हैं ये कुछ काम, देंगे मुनाफा

नवरात्रि पर जमकर बरसेगा धन, शुरू कर लें ये बिजनेस

आइडिया | बिजनेस डेस्क

> *यदि आप भी सीजनल बिजनेस करके खूब मुनाफा कमाना चाहते हैं तो नवरात्रि से पहले ऐसा ही एक मुनाफेदार बिजनेस शुरू किया जा सकता है। 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत होने वाली है. इस दौरान माता पूजा और श्रृंगार किट की काफी डिमांड बढ़ जाती हैं. ऐसे में आप भी इस बिजनेस की शुरुआत करके नवरात्रि के कुछ ही दिनों में जबरदस्त मुनाफा कमा सकते हैं।*

अगर नवरात्रि में आप भी कमाने के लिए कुछ नया करना चाहते हैं तो यह बिजनेस आईडिया आपके लिए बेहतर हो सकता है। इस बार नव रात्रि 30 मार्च से शुरू हो रहे हैं और ये 6 अप्रैल तक चलेंगे। नवरात्रि में माता पूजन की सामग्री के साथ चुनरी, पूजा और श्रृंगार की किट की भी काफी डिमांड होती है। नवरात्रि में पूजा सामग्रियों का मार्केट करोड़ों रुपये का होता है। फल, ड्राईफ्रूट, कुट्टू का आटा, सिंघाड़े का आटा, सामक के चावल, पपड़ी और आलू चिप्स की इन दिनों में भारी डिमांड होती है। ऐसे में आप भी इस मौके का फायदा उठा सकते हैं। थोड़ा सा निवेश कर आप भी अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इसके लिए आपको पहले से ही तैयारी शुरू करनी होगी। इसके लिए दुकान चला सकते हैं या स्टॉल लगा सकते हैं। यह छोटा बिजनेस नवरात्रि में आप पर धनवर्षा कर सकता है। इसे सीजनल बिजनेस कहा जाता है तो कम समय में अच्छा मुनाफा आपको दे सकता है।

आसानी से तैयार हो जाएगी किट

पूजा सामग्री और श्रृंगार की किट को आप चाहे तो आसानी से घर पर ही तैयार कर सकते हैं या फिर किसी होलसेलर से खरीद सकते हैं। यदि आप यह किट घर पर बनाना चाहते हैं तो आपको थोक में माता की चूड़ियां, सिंदूर, कुमकुम,अगरबत्ती श्रृंगार का सामान, चुनरी और पूजा का सामान खरीदना होगा. या सीधे निर्माताओं से सम्पर्क कर सकते हैं। इसके बाद इन सभी चीजों को पैक करके एक अच्छी सी किट तैयार करें।

इन बातों का रखें ध्यान

ग्राहकों और प्रतियोगिताओं को पहचानें

इस बिजनेस को शुरू करने से पहले आपको अपने लक्षित ग्राहकों की पहचान कर लेनी चाहिए। जैसे आप यह किट मंदिरों में घरों या फिर सभी जगह बेचना चाहते हैं। इसके अलावा आपको अपने इलाके के पहले से मौजूद विक्रेताओं के बारे में भी जानकारी हासिल कर लेनी चाहिए। यदि आप किसी सोसाइटी या अपार्टमेंट में रहते हैं तो आप अपने आसपास के लोगों को टारगेट करके छोटे स्तर पर भी या बिजनेस शुरू कर सकते हैं, जिसे यदि आप अपने आसपास के लोगों को यह सामान घर पर मुहैया करवाते हैं तो कम समय में आपको जबरदस्त मुनाफा हो सकता है।

सारे सामान की पहचान

आपको इस बात पर खास ध्यान देना होगा कि आपकी पूजा और श्रृंगार की किट में कोई भी सामान छूटे नहीं। जैसे रोली, सिन्दूर, चुनरी, रुई, दीपक, कुमकुम, अक्षत, मोली आदि। यदि आप थोड़े बड़े स्तर पर इस बिजनेस को शुरू करना चाहते हैं तो अन्य कई प्रकार की पूजा किटें बना सकते हैं। जैसे कि नवरात्रि पूजा किट, सत्यनारायण पूजा किट, गृह प्रवेश पूजा किट, करवा चौथ पूजा किट, दिवाली पूजा किट आदि। इस बिजनेस को कोई भी व्यक्ति घर बैठे भी शुरू कर सकते हैं इसके लिए आपको बस सामग्रियों को जुटाना है और उसकी अच्छी पैकिंग करनी है।

आकर्षक पैकिंग

यदि आप चाहते हैं कि आपके प्रोडक्ट को ज्यादा से ज्यादा लोग पसंद करे तो आकर्षक और टिकाऊ पैकेजिंग का उपयोग करें। इससे यह बेहतर दिखेगी। कहा भी जाता है कि जो दिखता है वही तो बिकता।

कहां बेचें

आप ऑनलाइन या ऑफलाइन अपने बिजनेस को शुरू कर सकते हैं। पूजा सामग्री के लिए विश्वसनीय थोक विक्रेताओं की तलाश करें। इसके अलावा आप खुद की पूजा सामग्री बनाना चाहते हैं, तो निर्माताओं से संपर्क करें। यदि आप छोटे स्तर पर या बिजनेस शुरू कर रहे हैं तो अपना एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर भी इसे शुरू कर सकते हैं। इसके बाद अपने इस व्हाट्सएप ग्रुप की लिंक अन्य व्हाट्सएप ग्रुप में या सोशल मीडिया के अन्य माध्यमों से प्रचार करें।

इन बातों का रखें विशेष ध्यान

- इस बिजनेस को शुरू करने से पहले आपको सभी प्रकार के आवश्यक लाइसेंस और परमिट प्राप्त कर लेने चाहिए।
- इसके अलावा आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपका उत्पाद गुणवत्ता मानकों को पूरे कर रहे हैं।
- यदि आप अपने ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार कस्टमाइज किट उपलब्ध कराते हैं तो आपकी सेल और बढ़ सकती है।

स्मॉल कैप फंड : 20% से ज्यादा निवेश रिस्की, सोच समझकर ही उठाएं कदम

बिजनेस डेस्क

बाजार में इन दिनों उठा-पटक जारी है। लगभग सभी फंडों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। सबसे ज्यादा गिरावट स्मॉल कैप और मिड कैप फंडों में हुई है। इससे निवेशकों को झटका लगा है और वे निवेश के अन्य विकल्प देखने लगे हैं। ऐसे में बाजार के जानकारों का कहना है कि स्मॉल कैप फंड काफी रिस्की हो चुके हैं। ऐसे में इनमें निवेश लंबी अवधी के लिए तो ठीक है, लेकिन नए निवेशकों को अभी इन फंडों में निवेश से बचना चाहिए। देखा जाए तो पिछले तीन महीनों में स्मॉल कैप फंड में 21% गिरावट आई है। कई निवेशक, जो 2023 और 2024 के बुल रन के दौरान इस सेगमेंट को लेकर बहुत उत्साहित थे, आज काफी परेशान हैं। उन्हें इस दौर से बाहर निकलने के लिए एसेट एलोकेशन और लॉन्ग टर्म इन्वेस्टिंग के मंत्र अपनाने होंगे। तभी वे अपने निवेश को बढ़ा पाएंगे और अच्छा मुनाफा हासिल कर पाएंगे। लॉन्ग टर्म आउटलुक सकारात्मक अप्रैल-सितंबर छमाही से छोटी कंपनियों की आय बढ़ने की उम्मीद है। ब्याज दरें घटने से भी इन्हें मदद मिलेगी। इसके चलते लंबी अवधि में स्मॉलकैप सेक्टर में रिकवरी हो सकती है।

एक सेगमेंट में ज्यादा निवेश जोखिम भरा

स्मॉलकैप शेयर जैसे हाई बीटा फंड तेजी के दौरान आम रुझान से ज्यादा तेज बढ़ते हैं, लेकिन मंदी के दौरान ये ज्यादा गिरते भी हैं। अभी किसी भी एक सेगमेंट में ज्यादा निवेश से बचें। सिर्फ एक सेगमेंट में निवेश जोखिमभरा हो सकता है।

स्मॉलकैप के मौजूदा निवेशक ये करें

लंबी अवधि के लिए भी स्मॉलकैप में निवेश इक्विटी पोर्टफोलियो के 20% तक ही सीमित रखें। इससे ज्यादा निवेश हो तो कम कर लें। ऐसे शेयरों से पूरी तरह बाहर निकलने में समझदारी नहीं है।

नए निवेशक अभी स्मॉलकैप से बचें

पहली बार इक्विटी में निवेश करने वाले लोगों को स्मॉलकैप फंड से बचना चाहिए। इसकी जगह उन्हें लार्जकैप, फ्लेक्सी-कैप या इंडेक्स फंड (लार्जकैप इंडेक्स पर आधारित) में निवेश करना चाहिए। एक बार जब वे बाजार की अस्थिरता अच्छी तरह समझ लें तो स्मॉलकैप फंड पर विचार कर सकते हैं। कम से कम सात साल के नजरिये के साथ इन फंड्स में निवेश करना चाहिए।

स्मॉल-कैप फंड क्या हैं

स्मॉल-कैप म्यूचुअल वैसे फंड होते हैं, जो छोटी कंपनियों में निवेश करते हैं। यानी ऐसी कंपनियां जिनके शेयरों की वैल्यू काफी कम है। इन्हें हम स्मॉलकैप कंपनियां कहते हैं। हालांकि, शेयर बाजार में लिस्टेड ऐसी कंपनियों के कारोबार में बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं का आकलन करने के बाद ही इनकी पहचान की जाती है। मार्केट कैप के लिहाज से शेयर बाजार की शीर्ष 250 कंपनियों को छोड़कर बाकी में स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड निवेश करते हैं। स्मॉल-कैप म्यूचुअल फंड अपने निवेश की रकम का 65% तक छोटी कंपनियों में लगाते हैं। इसके बाद बची 35% रकम को फंड मैनेजर मिड या लार्ज कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

देश में चल रही कई सरकारी पेंशन स्कीम, कौन सी हो सकती है बेहतर

जानकारी | बिजनेस डेस्क

बुढ़ापे में आर्थिक स्थिरता और स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए वक्त पर रिटायरमेंट की प्लानिंग बहुत जरूरी है। इसके लिए सरकार कई सेविंग स्कीम चला रही है जो रिटायरमेंट के बाद फाइनेंशियल सिक्योरिटी और मानसिक शांति देती हैं। ये योजनाएं रेगुलर रिटर्न, टैक्स बेनिफिट और फाइनेंशियल सिक्योरिटी देती हैं, जो विभिन्न इनकम लेवल और रिस्क प्रिफरेंसेज को पूरा करती हैं. इन योजनाओं के जरिए रिटायरमेंट लोग अपनी जीवनशैली और स्वास्थ्य से जुड़ी जरूरतों के लिए एक संतुलित वित्तीय योजना बना सकते हैं। आइए, इस रिपोर्ट में जानते हैं उन प्रमुख सरकारी स्कीम के बार में जो बुढ़ापे में रेगुलर इनकम बनाने में मददगार साबित हो सकती हैं। ईपीएफ की ईपीएफ स्कीम नौकरी पेशा लोगों यानी सैलरीड एंप्लाई के लिए एक रिटायरमेंट सेविंग स्कीम है। इसमें नौकरी के दौरान एंप्लाई को अपनी बेसिक सैलरी का 12% हिस्सा कॉन्ट्रीब्यूट करना होता हैं। इतनी ही रकम एंप्लायर की ओर से भी जमा की जाती है। फिलहाल ईपीएफ अकाउंट में जमा पर ब्याज दर 8.25% है। यह फंड एंप्लाई के 58 साल की उम्र पूरी कर लेने में पर मैच्योर होता है, जो उसे ईपीएफ में जमा रकम पर हर साल मिले ब्याज और लमसम अमाउंट के रूप में मिलता है। इमरजेंसी जैसी स्थिति में एंप्लाई ईपीएफ खाते से कुल जमा का कुछ हिस्सा निकाल भी सकता है। ईपीएफ खाते में जमा रकम इनकम टैक्स की धारा 80 सी के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए योग्य है।

> **बुढ़ापे को वित्तीय रूप से सुरक्षित और चिंतामुक्त बनाए रखने लें पेंशन स्कीम**
> **ये 60 साल की उम्र पूरी होने पर रेगुलर इनकम बनाए रखने में मददगार**

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस)

नेशनल पेंशन सिस्टम एक मार्केट लिंक रिटायरमेंट प्लान है जो लोगों को इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉर्पोरेट डेट में विविध निवेश के माध्यम से एक फंड बनाने की अनुमति देती है. बाजार के प्रदर्शन के आधार पर रिटर्न अलग-अलग होता है। सब्सक्राइबर धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक और धारा 80सीसीडी (1बी) के तहत एक्स्ट्रा 50,000 रुपये तक का टैक्स लाभ हासिल कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना

प्रधानमंत्री वय वंदना योजना यानी पीएमवीवीवाई 60 साल या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए बनाई गई एक पेंशन स्कीम है। यह 10 सालों के लिए 7.4% की गारंटीड रिटर्न प्रदान करती है, जो बाजार में उतार-चढ़ाव के खिलाफ फाइनेंशिल सिक्योरिटी प्रदान करती है। अधिकतम निवेश की अनुमति प्रति व्यक्ति 15 लाख रुपये है। यह योजना निवेश राशि के आधार पर एक निश्चित मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक पेंशन प्रदान करती है। मैच्योरिटी पर, मूलधन निवेशक को वापस कर दिया जाता है। पॉलिसी अवधि के दौरान निवेशक की मृत्यु होने की स्थिति में, परचेज प्राइस का भुगतान नॉमिनी को किया जाता है। इस योजना के ज़रिए, वरिष्ठ नागरिकों को आय का एक वैकल्पिक जरिया मिलता है। यह योजना जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा मैनेज की जाती है।

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम

सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम (एससीएसएस) 60 साल या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए सबसे अधिक ब्याज देने वाली योजनाओं में से एक है। फिलहाल ब्याज दर 8.2% है, जो इसे जोखिम न लेने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाती है। इसमें अधिकतम निवेश सीमा 30 लाख रुपये है, जिसकी अवधि 5 वर्ष है, जिसे अतिरिक्त 3 सालों तक बढ़ाया जा सकता है। ब्याज का भुगतान तिमाही आधार पर किया जाता है, जिससे रेगुलर इनकम सुनिश्चित होती है। एससीएसएस में निवेश धारा 80सी के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए योग्य है. हालांकि, इसमें मिला ब्याज टैक्स के दायरे में आता है।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ)

पोस्ट ऑफिस की पीपीएफ स्कीम एक लंबी अवधि वाली सेविंग स्कीम है। इस सरकारी स्कीम में निवेशकों को 7.1% ब्याज दर मिल रही है। इसमें 15 साल की लॉक-इन पीरियड है, जिसे 5-5 साल के लिए एक्सटेंज किया जा सकता है। मिनिमम एन्युअल निवेश 500 रुपये है, जबकि अधिकतम 1.5 लाख रुपये है। पीपीएफ को ईईई क्लास (एगजेंम्ट-एगजेंम्ट-एगजेंम्ट) का दर्जा प्राप्त है, जिसका अर्थ है कि निवेश रकम, मिले ब्याज और मैच्योरिची रकम, तीनों पर कोई टैक्स नहीं देना पड़ता है। पांच साल के बाद आंशिक निकासी और डेट की अनुमति है। पीपीएफ कम जोखिम वाले, टैक्स-एफिशिएंट ग्रोथ की तलाश करने वाले लोगों के लिए उपयुक्त है। इसकी लंबी अवधि और टैक्स बेनिफिट इसे रिटायरमेंट प्लान और फंड जुटाने के लिए एक विश्वसनीय निवेश विकल्प बनाते हैं।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई)

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का उद्देश्य अनऑर्गेनाइज्ड सेस्टर के श्रमिकों और निम्न आय वर्ग के लोगों को रिटायरमेंट के बाद गारंटीड पेंशन प्रदान करना है। ग्राहक 1,000 रुपये से लेकर 5,000 रुपये तक मंथली 1,000 से 5,000 रुपये तक के निश्चित पेंशन विकल्पों में से चुन सकते हैं। कॉन्ट्रीव्यूशन की राशि उम्र और इच्छित पेंशन राशि पर निर्भर करती है। सरकार 40 वर्ष की आयु से पहले जुड़ने वालों के लिए पांच साल के लिए ग्राहक के योगदान का 50% (1,000 रुपये तक) योगदान देती है। योगदान प्रवेश की आयु और वांछित पेंशन राशि पर निर्भर करता है।

पीएम श्रम योगी मानधन योजना

पीएम श्रम योगी मानधन योजना केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों और कमजोर आय वर्ग को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। यह योजना उन श्रमिकों को लाभ प्रदान करती है जो असंगठित क्षेत्रों में काम करते हैं और उनकी मासिक आय 15,000 रुपये से कम होती है। 18 से 40 साल की उम्र वाले लोग इस योजना को सब्सक्राइब कर सकते हैं। इस योजना के तहत मजदूर, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी, रिक्शा-ठेला खींचने वाले और सिर-पीठ पर बोझा ढोने वाले जैसे असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बुढ़ापे में पेंशन देने का प्रावधान है। ध्यान रहे योजना का लाभ तभी मिलेगा जब परिवार का कोई व्यक्ति सरकारी कर्मचारी नहीं होगा। पात्र व्यक्ति ईपीएफओ, एनपीएस और ईएसआईसी के अंतर्गत कवर है तो उसे योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा।

धोनी की गजब रफ्तार, 0.12 के बाद अब 0.16 सेकंड से किया स्टंपिंग

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2025 में टीम के लगातार दूसरे मैच में विकेट के पीछे अपनी तेजी से सभी को चौंकाया। पहले मैच में धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सूर्यकुमार यादव को महज 0.12 सेकंड जबकि पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फिल साल्ट को सिर्फ 1.16 सेकंड में गिल्लियां बिखेर कर स्टंप आउट कर दिया। शुक्रवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम पर यह मुकाबला खेला गया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके के खिलाफ आरसीबी ने तेज शुरुआत की। सॉल्ट और कोहली ने पांच ओवर खत्म होने से पहले ही 45 रन जोड़ लिए थे। हालांकि, उसे सॉल्ट के रूप में पहला झटका लगा। धोनी ने एक बार फिर बिजली की रफ्तार से स्टंप किया और सॉल्ट को चौंका दिया। सॉल्ट 16 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए।

चंद सेकंड में किया आउट

नूर की गुगली पर सॉल्ट ने शॉट लगाने की कोशिश की, लेकिन वह चूक गए और धोनी ने जल्दी से स्टंप किया। धोनी की अपील पर अंपायर ने तीसरे अंपायर का इशारा किया। टीवी रिव्यू में दिखा कि सॉल्ट का पैर क्रीज की लाइन पर था, लेकिन जब धोनी ने गेंद विकेट में हिट की तब सॉल्ट का पैर हवा में था जिस कारण वह आउट करार दिए गए। उन्होंने 0.16 सेकंड में स्टंपिंग की। धोनी विकेट के पीछे अपनी फुर्ती के लिए जाने जाते हैं और आईपीएल 2025 में सीएसके के लगातार दूसरे मुकाबले में धोनी का जलवा देखने मिला है।

मुंबई के खिलाफ भी दिखाई थी फुर्ती

43 साल के धोनी ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ सीएसके के पिछले मुकाबले में भी विकेट के पीछे गजब की फुर्ती दिखाई थी। धोनी ने चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में ऐसा कारनामा किया था जिससे फैंस को उनके पुराने दिनों की याद आ गई थी। धोनी ने मुंबई की पारी के 11वें ओवर में सूर्यकुमार यादव को 0.12 सेकंड में स्टंप आउट किया और सभी को चौंका दिया था। मुंबई की पारी के दौरान जब नूर अहमद गेंदबाजी कर रहे थे तो उन्होंने सूर्यकुमार को गुगली डाली। सूर्यकुमार गेंद मिस कर बैठे, लेकिन विकेट के पीछे खड़े धोनी ने उन्हें स्टंप करने में जरा भी देर नहीं लगाई। धोनी की फुर्ती का अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता था कि उन्होंने 0.12 सेकेंड में ही सूर्यकुमार को स्टंप किया था।

खास खबर

10 गुना बेहतर है आरसीबी टीम का संतुलन : एबीडि

चेन्नई। आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शानदार शुरुआत को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज एबी डि विलियर्स का मानना है कि उम्दा शुरुआत से आगे आसीबी का काम आसान हो जाएगा। रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने शुक्रवार को चेन्नई सुपर किंग्स को चेपॉक पर सत्रह साल बाद हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। आरसीबी के लिए खेल चुके डिविलियर्स ने अपने पॉडकास्ट 'एबी डिविलियर्स 360' में कहा, 'इस बार आरसीबी टीम का संतुलन पिछले सत्रों से दस गुना बेहतर है। पिछले साल आईपीएल नीलामी के समय मैने कहा था कि आरसीबी को संतुलन की जरूरत है। यह गेंदबाजों, बल्लेबाजों या क्षेत्ररक्षकों को लेकर नहीं था। यह आईपीएल टीमों और विकल्पों में अच्छे संतुलन को लेकर था।'

कमतर नहीं आंके, टीम में काफी आक्रामकता

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने इन आलोचनाओं को खारिज किया कि उनकी टीम की शैली के क्रिकेट के दिन अब लद गए। उन्होंने कहा कि चेन्नई टीम में काफी आक्रामकता है और कोई उन्हें कमतर आंकने की गलती नहीं करे। पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई को शुक्रवार को आरसीबी ने 50 रन से हराया। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, 'इसके क्या मायने हैं, मेरी शैली का क्रिकेट क्या है। पहला मैच जीतना, यही सही तरीका है। हमारे भीतर काफी आक्रामकता है। मैं यह प्रश्न समझा नहीं।'

सनराइजर्स के खिलाफ खास रणनीति : निगम

विशाखापत्तनम। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला विपराज निगम ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी क्रम को जिस तरह लखनऊ सुपर जाइंट्स ने परेशान किया, उसे देखकर उनकी टीम ने भी इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ खास रणनीति बनाई है । सनराइजर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में छह विकेट पर 286 रन बनाये थे लेकिन दूसरे मैच में लखनऊ ने उसे 200 रन भी पार नहीं करने दिए। लखनऊ को एक विकेट से हराने वाली दिल्ली की टीम का सामना रविवार को सनराइजर्स से होगा। पिछले मैच में बल्ले और गेंद से चमकने वाले निगम टीम की तैयारियों को लेकर आश्वस्त हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
बेंगलोर	2	2	0	4
लखनऊ	2	1	1	2
गुजरात	2	1	1	2
पंजाब	1	1	0	2
दिल्ली	1	1	0	2
हैदराबाद	2	1	1	2
कोलकाता	2	1	1	2
चेन्नई	2	1	1	2
मुंबई	2	0	2	0
राजस्थान	2	0	2	0

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
145 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

नूर अहमद
07 विकेट
चेन्नई

इंडियन्स को 36 रन से हराकर टाइटंस ने पहली जीत दर्ज की

मुंबई लगातार दूसरा मैच हारी साई सुदर्शन की फिफ्टी

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

साई सुदर्शन के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां मुंबई इंडियन्स को 36 रन से हराकर मौजूदा सत्र की पहली जीत दर्ज की। मुंबई इंडियन्स की दो मैच में यह दूसरी हार है। टाइटंस के 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स की टीम प्रसिद्ध कृष्णा (18 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (34 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सूर्यकुमार यादव (48) और तिलक वर्मा (39) के बीच तीसरे विकेट की 62 रन की साझेदारी के बावजूद छह विकेट पर 160 रन ही बना सकी। टाइटंस ने सुदर्शन की 41 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों से 63 रन की पारी तथा कप्तान शुभमन गिल (38) के साथ उनकी पहले विकेट के लिए 78 और जोस बटलर (39) के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी से आठ विकेट पर 196 रन बनाए। शीर्ष तीन बल्लेबाजों के अलावा गुजरात के अन्य बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए जूझना पड़ा और सिर्फ शेरफेन रदरफोर्ड (18) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।मुंबई की ओर से कप्तान हार्दिक पंड्या सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 29 रन देकर दो विकेट चटकाए। ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, मुजीब उर रहमान और सत्यनारायण राजू को एक-एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरे मुंबई की शुरुआत खराब रही। रोहित शर्मा (08) ने सिराज के पहले ओवर में दो चौकों के साथ शुरुआत की लेकिन अगली गेंद पर बोल्ड हो गए।वर्मा ने कागिसो रबादा की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा जबकि सलामी बल्लेबाज रेयान रिकेल्टन ने सिराज पर चौके से खाता खोला। सिराज ने रिकेल्टन (06) को बोल्ड करके मुंबई को दूसरा झटका दिया। मुंबई ने पावर प्ले में दो विकेट पर 48 रन बनाए। सूर्यकुमार ने सिराज पर छक्का जड़ने के बाद इशांत शर्मा की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया। उन्होंने साई किशोर पर भी छक्का मारा। प्रसिद्ध ने वर्मा को तेवतिया के हाथों कैच कराके इस साझेदारी का अंत किया।

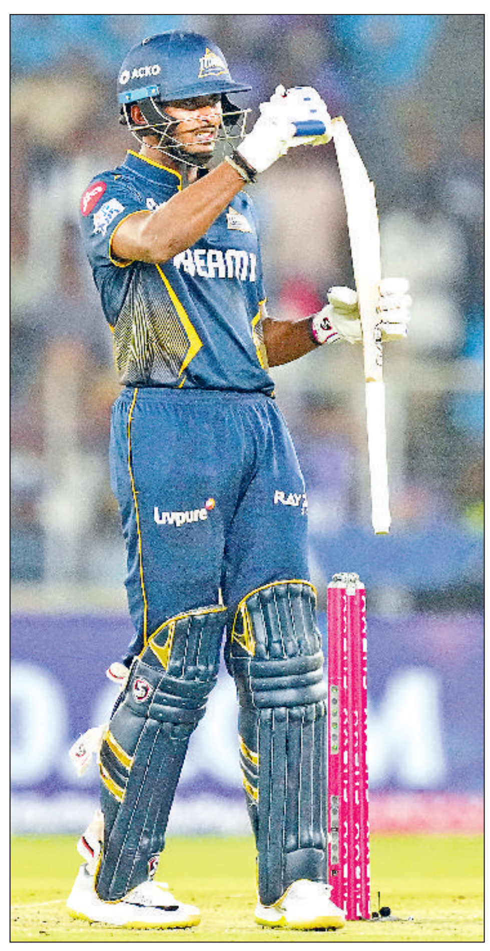

राहुल की वापसी, दिल्ली की नजरें दूसरी जीत पर

विशाखापत्तनम। लखनऊ सुपर जाइंट्स पर शानदार जीत दर्ज करने और भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की वापसी के साथ आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स रविवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ इस लय को कायम रखने के इरादे से उतरेगी। अपने अभियान की शानदार शुरुआत के बाद सनराइजर्स को गुरुवार को लखनऊ टीम के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। अब अपने मैदान से बाहर कप्तान पैट कमिंस पर टीम की मोर्चे से अगुवाई का दारोमदार होगा। दूसरी ओर दिल्ली की टीम राहुल की वापसी से मजबूत हुई है। अपने अपार अनुभव के बावजूद उन्होंने कप्तानी नहीं करने का फैसला किया और यह जिम्मेदारी अक्षर पटेल को सौंपी गई।

टर्निंग पिच पर टकराएंगी सुपर किंग्स और रॉयल्स, जीत दर्ज करने पर नजर

गुवाहाटी। पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों अपने गढ़ चेपॉक पर 17 साल बाद मिली हार से हतप्रभ चेन्नई सुपर किंग्स का सामना रविवार को गुवाहाटी की टर्निंग पिच पर राजस्थान रॉयल्स से होगा तो नजरें जीत की राह पर लौटने पर लगी होंगी। रजत पाटीदार की कप्तानी वाली आरसीबी ने चेन्नई के लचर क्षेत्ररक्षण और खराब बल्लेबाजी का फायदा उठाते हुए 50 रन से जीत दर्ज की। गुवाहाटी की विकेट चेपॉक की तरह है जिस पर राजस्थान रॉयल्स का सामना करना उतना मुश्किल नहीं होगा चूंकि उसके पास इतना मजबूत गेंदबाजी आक्रमण नहीं है। रियान पराग को कप्तानी का उतना अनुभव भी नहीं है। चेन्नई का गेंदबाजी आक्रमण भी इस बार उतना धारदार नहीं लग रहा। मथीषा पथिराना और बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर नूर अहमद ने शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारतीय गेंदबाज नाकाम ही रहे हैं।

खबर संक्षेप

फ्रीस्टाइल पहलवानों के लिए मुश्किलभरा दिन

अम्मान। सुजीत कलकल को छोड़कर भारत के अन्य पुरुष फ्रीस्टाइल पहलवानों को शनिवार को यहां एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में पहली बाधा पार करने में भी संघर्ष करना पड़ा। तीन भारतीय पहलवानों को रेपेचेज के जरिए अपनी दावेदारी के लिए इंतजार करना होगा। सुजीत ने 65 किग्रा वर्ग में शानदार शुरुआत करते हुए फलस्तीन के अब्दुल्ला असफ को तकनीकी दक्षता से हराया लेकिन वह जापान के काइसेई तनाबे के डिफेंस को नहीं भेद सके। सुजीत को रेपेचेज के जरिए कांस्य पदक के लिए दावा पेश करने का मौका मिलेगा।

भारत का सामना करने निरंतरता जरूरी : रूट

लंदन। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट का मानना है कि पांच टेस्ट मैचों की आगामी श्रृंखला में भारत के खिलाफ प्रदर्शन में निरंतरता रहनी जरूरी है क्योंकि इसके अलावा ऐसे कठिन प्रतिद्वंद्वी का सामना करने का कोई उपाय नहीं है। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से करेगी जिसका पहला मैच 20 जून से हेडिंग्ले में खेला जाएगा। रूट ने कहा, 'हम अपने हालात में अच्छा खेलते हैं लेकिन भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में प्रदर्शन में निरंतरता जरूरी होगी। आपको बार बार मैच जीतने वाला प्रदर्शन करना होगा।'

पांच खिलाड़ियों को शामिल करने का प्रावधान

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के संविधान के मसौदे में कई आमूलचूल परिवर्तन प्रस्तावित किए गए हैं। इसमें 14 सदस्यीय कार्यकारी समिति में कम से कम पांच पूर्व राष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल करने और अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पदाधिकारियों को हटाने का प्रावधान शामिल है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मियामी ओपन

दर्शक दीर्घा में मेसी, जोकोविच ने फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

चौथी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने ग्रिगोर दिमित्रोव को हराकर मियामी ओपन टेनिस के फाइनल में प्रवेश किया तो दर्शक दीर्घा में उनके लिए तालियां बजाने वालों में महान फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी शामिल थे। जोकोविच ने 14वीं वरीयता प्राप्त दिमित्रोव को 6-2, 6-3 से हराया। सातवें मियामी ओपन खिताब के लिए उनका सामना 19 साल के गैर वरीय जाकूब मेंसिक से होगा जिन्होंने तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज को 7-6, 4-6, 7-6 से परास्त किया। सैतीस वर्ष के जोकोविच अगर जीत जाते हैं तो यह उनका सौवां पेशेवर खिताब होगा। कोर्ट पर इंटरव्यू में जोकोविच ने मेसी की मौजूदगी का जिक्र किया। मेसी मेजर लीग फुटबॉल में इंटर मियामी के लिए खेलते हैं। उन्होंने बताया कि मेसी अपनी पत्नी और बच्चों के साथ लॉकर रूम में भी आए और उन्होंने एक दूसरे को तोहफे दिए।

ब्राजील ने शर्मनाक हार के बाद कोच को हटाया

साओ पाउलो। ब्राजील के कोच डोरिवल जूनियर को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और खराब नतीजों के कारण 14 महीने के भीतर ही पद से हटा दिया गया। ब्राजील को ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना ने 4-1 से हराया जो विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में उसकी सबसे शर्मनाक हार है। इसके तीन दिन बाद ही ब्राजीली फुटबॉल परिसंघ के अध्यक्ष एडनाल्डो रौड्रिगेस ने जूनियर को हटाने का फैसला किया। उन्होंने मीडिया से कहा, 'परिसंघ यह घोषणा करता है कि डोरिवल जूनियर का कार्यकाल पूरा हो गया। अब हम विकल्प की तलाश कर रहे हैं।' ब्राजील विश्व कप 2026 दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग तालिका में पांचवें स्थान पर है। शीर्ष छह टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी। ब्राजील पिछले साल कोपा अमेरिका के क्वार्टर फाइनल में उरूग्वे से हारकर बाहर हो गया था।

साउथ आस्ट्रेलिया ने 29 साल में पहली बार जीती शेफील्ड शील्ड

एडीलेड। साउथ आस्ट्रेलिया ने क्वींसलैंड को चार विकेट से हराकर 29 साल में पहली बार शेफील्ड शील्ड क्रिकेट टूर्नामेंट जीता। साउथ आस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में छह विकेट पर 270 रन बनाकर चौथे दिन ही जीत दर्ज की। जेसन संघा ने नाबाद 126 रन बनाए जबकि आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 105 रन की पारी खेली। दोनों ने 202 रन की साझेदारी की। क्वींसलैंड की टीम पहली पारी में 95 रन पर आउट हो गई थी। जवाब में साउथ आस्ट्रेलिया ने 271 रन बनाए थे। क्वींसलैंड ने दूसरी पारी में 445 रन बनाकर साउथ आस्ट्रेलिया को 270 रन का लक्ष्य दिया था।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पहले वनडे में 73 रन से रौंदा

एजेंसी ▶▶| नेपियर

मार्क चैपमैन (132 रन) और डेरिल मिचेल (76) के बीच 199 रन की साझेदारी के दम पर न्यूजीलैंड ने पहले वनडे में नौ विकेट पर 344 रन बनाकर पाकिस्तान को 73 रन से परास्त किया।

चैपमैन ने तीसरा वनडे शतक जमाकर न्यूजीलैंड को शुरुआती झटकों से निकाला। न्यूजीलैंड ने 13वें ओवर तक तीन विकेट गंवा दिए थे। न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले पाकिस्तान मूल के मोहम्मद अब्बास ने 24 गेंद में 50 रन बनाए जो वनडे क्रिकेट में पदार्पण पर किसी खिलाड़ी का सबसे तेज अर्धशतक है। बाबर आजम ने पाकिस्तान के लिए 83 गेंद में 78 रन बनाए लेकिन उनके आउट होने के बाद पाकिस्तान ने 22 रन के भीतर सात विकेट गंवा दिए। उस्मान खान और अब्दुल्ला शफीक ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। बाबर और मोहम्मद रिजवान ने तीसरे विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की। इसके बाद बाबर और सलमान आगा ने चौथे विकेट के लिए 85 रन जोड़े।

पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट खेलने वाले सभी भारतीय खिलाड़ी सम्मान के हकदार: रोहित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि उनकी टीम ने पिछले नौ महीनों में क्रिकेट के उतार चढ़ावों का सामना करते हुए सफलता हासिल करने के लिए सामूहिक संघर्ष किया है। पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में भाग लेने वाली टीम का प्रत्येक सदस्य सम्मान का हकदार है। भारत को पिछले तीन आईसीसी सीमित ओवरों के टूर्नामेंट में 24 मैचों में से एक में ही पराजय का सामना करना पड़ा जब 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में अहमदाबाद में उसे आस्ट्रेलिया ने हराया। भारत ने पिछले साल टी20 विश्व कप और इस साल आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके बीच भारत को न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया के हाथों टेस्ट श्रृंखलाओं में पराजय झेलनी पड़ी।

24 में से 23 मैच जीतना अविश्वसनीय

भारत के कप्तान के तौर पर अपने कार्यकाल के बारे में रोहित ने कहा, 'इस टीम ने तीन बड़े टूर्नामेंटों में जो हासिल किया है। इस तरह के टूर्नामेंट खेलना और बस एक मैच हारना और वह भी फाइनल (2023 वनडे विश्व कप)। सोचो कि अगर हम वह भी जीत जाते तो तीन आईसीसी टूर्नामेंटों में अपराजेय रहते। ऐसा कभी सुना ही नहीं है। 24 में से 23 मैच जीतना। बाहर से यह बहुत अच्छा लगता है लेकिन इस टीम ने काफी उतार चढ़ाव देखे हैं।'

देखा कठिन समय

रोहित ने मुंबई इंडियंस के 'एक्स' पेज पर टीम द्वारा डाले गए वीडियो में कहा, 'हमने कठिन समय भी देखा है लेकिन फिर आपको जश्न मनाने का मौका भी मिला। मेरा मानना है कि पिछले तीन टूर्नामेंट खेलने वाला हर खिलाड़ी सम्मान का हकदार है।'

लगातार दो श्रृंखला हारे पर जीती चैंपियंस ट्रॉफी

रोहित का इंटरव्यू ऐसे समय में आया जब बीसीसीआई के आला अधिकारी भविष्य की रुपरेखा तय करने के लिए बैठक करने वाले थे लेकिन वह बैठक स्थगित कर दी गई। रोहित ने कहा, 'यह उन सभी खिलाड़ियों के लिए है जो किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं और निराशा में हैं, वे वापसी करना चाहते हैं और परिस्थितियां जो भी हो, बुलंदियां छूना चाहते हैं। हम घर में श्रृंखला हार गए और आस्ट्रेलिया में अच्छा नहीं खेल सके। इसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी जीती। पिछले नौ महीने इस बात का बेहतरीन उदाहरण है कि जीवन कैसा है। इसमें उतार चढ़ाव हमेशा रहेंगे।'

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

खबर संक्षेप

डीसीपी डॉ. पठारे की कार एक्सीडेंट में मौत

हैदराबाद। मुंबई पुलिस के पोर्ट जोन के डीसीपी डॉक्टर सुधाकर पठारे की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई है। ये कार एक्सीडेंट हैदराबाद में हुआ है। बता दें कि सुधाकर पठारे ट्रेनिंग के लिए हैदराबाद गए थे। वह 2011 बैच के आईपीएस अधिकारी थे। एसपी नगर कुरनूल वैभव गायकवाड़ ने इस खबर की पुष्टि की है।

यमन में हूती विद्रोहियों पर हमला, एक की मौत

दुबई। यमन में शुक्रवार रातभर और शनिवार को हुए अमेरिकी हवाई हमलों में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। हूती विद्रोहियों ने यह जानकारी दी। शनिवार को किए गए हमलों में अमेरिका ने यमन के उन कई क्षेत्रों को निशाना बनाया गया, जिन पर ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों का कब्जा है। इन क्षेत्रों में राजधानी सना, अल-जौफ तथा सादा प्रांत शामिल हैं।

नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

100 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार, काठमांडू से हटा कर्फ्यू, पूर्व पीएम का 'पूर्व राजा' पर आरोप

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में राजशाही की मांग को लेकर शुक्रवार को हुए हिंसक प्रदर्शन में दो लोगों की मौत हो गई। हिंसा को बढ़ावा देने, निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और आगजनी करने के आरोप में पुलिस ने 105 आंदोलनकारियों को गिरफ्तार किया है। वे राजतंत्र की बहाली और हिंदू राज्य की मांग कर रहे थे। इनमें राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के उपाध्यक्ष रबिंद्र मिश्र, जनरल सेक्रेटरी धवल शमशेर राणा शामिल हैं। इसके अलावा स्वागत नेपाल, शेफर्ड लिंबू और संतोष तमांग जैसे राजशाही का समर्थन करने वाले कार्यकर्ता समेत 17 अन्य नेता भी शामिल हैं। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, प्रदर्शन के प्रमुख आयोजक नवराज सुबेदी को हाउस अरेस्ट में रखा गया है। वहीं, इस प्रदर्शन के चीफ कमांडर दुर्गा परसाई की तलाश की जा रही है। काठमांडू जिला पुलिस रेंज के पुलिस अधीक्षक अपिल बोहरा ने बताया कि प्रसाई अभी फरार है। अधिकारियों ने शनिवार को काठमांडू के पूर्वी हिस्से में तनाव कम होने के बाद कर्फ्यू हटा लिया।

पूर्व राजा को दी गई स्वतंत्रता को सीमित करें: दहल

नेपाल के पूर्व पीएम पुष्प कमल दहल ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह पर शुक्रवार को हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। शनिवार सुबह सोशलिस्ट फ्रंट के तोड़फोड़ वाले कार्यालय का दौरा करने वाले दहल ने सरकार से पूर्व राजा को दी गई स्वतंत्रता को सीमित करने का भी आह्वान किया। दहल ने कहा कि स्पष्ट हो गया है कि इन सभी कृत्यों के पीछे ज्ञानेंद्र शाह का हाथ है। उन्होंने कहा कि शाह की मंशा ठीक नहीं है। यह पहले भी देखा गया है और अब भी देखा जा रहा है। समय आ गया है कि सरकार सख्त कार्रवाई करे।

प्रदर्शनकारियों ने लगाई आग और फेंके पत्थर

बता दें, प्रदर्शन शुक्रवार को उस समय हिंसक हो गया जब आंदोलन के संयोजक दुर्गा प्रसाई सुरक्षा बैरिकेड तोड़कर संसद भवन की ओर बढ़ गए। 40 से ज्यादा नेपाली संगठनों के प्रदर्शनकारियों ने शुक्रवार को काठमांडू के तिनकुने में एक इमारत में तोड़फोड़ करने के बाद उसे आग के हवाले कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर भी फेंके, जिसके जवाब में सुरक्षाकर्मियों को आंसू गैस के गोले दागने पड़े।

सुवेदी कर रहे आंदोलन का नेतृत्व

आंदोलन का नेतृत्व नवराज सुवेदी कर रहे हैं। वे राज संस्था पुनर्स्थापना आंदोलन से जुड़े हुए हैं। इसका मकसद नेपाल में राजशाही को बहाल करना है। नेपाल की जनता देश में फैले भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बार-बार सत्ता परिवर्तन से परेशान हो गई है। सुवेदी का नाम तब सुर्खियों में आया जब पूर्व राजा ज्ञानेंद्र शाह ने उन्हें इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए उनका नाम आगे बढ़ाया। नवराज सुबेदी ने कहा कि हम अपनी मांगें शांतिपूर्ण तरीके से रख रहे हैं, लेकिन अगर हमें सकारात्मक जवाब नहीं मिला तो हमें प्रदर्शन तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हमारा आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक कि हमारा मकसद पूरा नहीं हो जाता।

गृह युद्ध की साजिश का आरोप

बांग्लादेश में शेख हसीना समेत 73 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ पीएम शेख हसीना के खिलाफ ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में पुलिस ने मामला दर्ज कराया है। शेख हसीना के अलावा 72 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। इन सभी पर बांग्लादेश में गृह युद्ध भड़काने और मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रचने का आरोप है। सत्ता से बेदखल होने के बाद से ही पूर्व पीएम हसीना पर सामूहिक हत्या और भ्रष्टाचार समेत 100 से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने अंतरिम सरकार को गिराने की साजिश के आरोप में ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर मामला दर्ज किया है।

जॉय बांग्ला ब्रिगेड पर लगा आरोप

अदालत ने मामले का संज्ञान लिया और गुरुवार को सीआईडी को जांच शुरू करने को कहा। सीआईडी ने 19 दिसंबर 2024 को हुई एक ऑनलाइन बैठक की जानकारी मिलने के बाद मामला दर्ज किया है। आरोप है कि बैठक में शामिल लोगों ने 'जॉय बांग्ला ब्रिगेड' नामक एक मंच बनाया है। इसके माध्यम से गृह युद्ध भड़का कर हसीना को दोबारा सत्ता में लाने की योजना है।

बैठक में 577 लोग थे शामिल : पुलिस ने बताया कि बैठक में बांग्लादेश और विदेश से कुल 577 लोगों ने हिस्सा लिया था। अवामी लीग के अमेरिकी चैप्टर के उपाध्यक्ष आलम ने यह बैठक बुलाई थी। मामले में उन्हें दूसरे नंबर का आरोपित बनाया गया है। बैठक में सभी ने शेख हसीना के निर्देश का अनुसरण किया।

18 साल बाद मुनाफे में आई बीएसएनएल भरेगी नई उड़ान

लगा रही 1 लाख स्वदेशी 4जी टावर, जो बदल जाएंगे 5जी में

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत संचार निगम लिमिटेड यानी बीएसएनएल देशभर में ऐसे 1 लाख स्वदेशी 4जी मोबाइल टावर लगा रही है, जिन्हें 5जी में बदल दिया जाएगा। यह काम जून तक पूरा हो जाने की उम्मीद है। यह आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह जानकारी दी है। उन्होंने यह भी बताया कि भारत अब दुनिया के उन पांच देशों में शामिल हो गया है जिनके पास अपनी टेलीकॉम तकनीक है। बीएसएनएल 18 साल बाद मुनाफे में आई है।

इस साल जून तक यह काम हो जाएगा पूरा

6जी तकनीक में आगे बढ़ रही बीएसएनएल

अपनी टेलिकॉम तकनीक वाला पांचवा देश बना भारत

सिंधिया ने बताया कि दुनिया के सिर्फ चार देशों के पास अपनी टेलिकॉम तकनीक है। इनमें चीन, फिनलैंड, स्वीडन और दक्षिण कोरिया शामिल हैं। भारत दुनिया का पांचवां देश बन गया है, जिसके पास खुद के टेलिकॉम स्टैक बनाने वाली कंपनियां हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएनएल 18 साल बाद मुनाफे में आई है। कंपनी को पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 262 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ। वहीं, पिछले साल की तीसरी तिमाही में उसे 1262 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। लागत को 18 फीसदी तक कम किया है।

शुरू की डी2डी सैटेलाइट मैसेजिंग सेवाएं

सिंधिया ने बताया कि सरकार की ओर से डायरेक्ट-टू-डिवाइस डी2डी सैटेलाइट मैसेजिंग सेवाएं शुरू की गई हैं। इस तकनीक में स्मार्टफोन से तब भी मैसेज भेजे जा सकते हैं, जबकि वह नेटवर्क से कनेक्ट न हो। तब कनेक्टिविटी सीधे सैटेलाइट से मिलने लगती है न कि मोबाइल टावर से। उन्होंने कहा कि साल 2014 में देश में 90 करोड़ मोबाइल ग्राहक थे। आज यह संख्या 1.2 अरब से ज्यादा हैं। तब 25 करोड़ लोग इंटरनेट से जुड़े थे, लेकिन आज 97 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं।
2014 में 6 करोड़ लोगों के पास ब्रॉडबैंड इंटरनेट था, यह संख्या आज 94 करोड़ पहुंच गई है।

ट्रंप बोले- भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता के 'बहुत अच्छे परिणाम' मिलेंगे, मोदी बुद्धिमान नेता

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

पीएम नरेंद्र मोदी को अपना 'अच्छा दोस्त' और 'बेहद बुद्धिमान व्यक्ति' करार देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और अमेरिका के बीच होने वाली व्यापार शुल्क वार्ता के 'बहुत अच्छे परिणाम' मिलने की उम्मीद जताई। अमेरिकी सामानों पर भारत और अन्य देशों द्वारा लगाये गये उच्च शुल्क की ट्रंप की ओर से की जा रही लगातार आलोचनाओं के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणी बेहद महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी हाल ही में यहां आए थे और हम हमेशा से बहुत अच्छे मित्र रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि वे (मोदी) बहुत होशियार हैं। बहुत बुद्धिमान आदमी हैं और मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही। मुझे लगता है कि भारत और हमारे देश के बीच सब कुछ बहुत अच्छा रहेगा। ट्रंप ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे ज़्यादा शुल्क वसूलने वाले देशों में से एक है। यह क्रूर है। उन्होंने कहा कि और मैं कहना चाहता हूं कि आपके पास एक महान पीएम हैं।

व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी

वहीं, भारत और अमेरिका के अधिकारियों ने प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत का एक दौर शनिवार को पूरा कर लिया। सरकारी सूत्रों के अनुसार, वार्ता सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है। इस बैठक में अमेरिका के अधिकारियों की टीम का नेतृत्व साउथ और सेंट्रल एशिया के लिए असिस्टेंट अमेरिकी ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ब्रेंडन लिंच ने किया।

दोनों देशों के व्यापार समझौते का लक्ष्य

भारत और अमेरिका इस समझौते का पहला चरण 2025 के सितंबर-अक्तूबर तक पूरा करने का लक्ष्य बना रहे हैं। दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर से अधिक करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अमेरिका की मांग है कि औद्योगिक वस्त्र, ऑटोमोबाइल, पेट्रोकेमिकल, डेयरी, कृषि उत्पाद पर टैरिफ में कटौती की जाए। वहीं भारत की प्राथमिकताएं है कि टेक्सटाइल और अन्य श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए टैरिफ में राहत मिले।